82,948.23 25.377.55

6,795 चांदी 98.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

झारखंड कैडर के आईपीएस मुरारी लाल मीणा सेवानिवृत्त RANCHI: मंगलवार को झारखंड

कैडर के 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी मुरारी लाल मीणा सेवानिवृत्त हो गए। मुरारी लाल मीणा रेल डीजी के पद से रिटायर हुए हैं। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2024 में मुरारी लाल मीणा को डीजी रैंक में प्रोन्नित मिली थी। इससे पहले वे सीआईडी, स्पेशल ब्रांच और पुलिस मुख्यालय में कई पदों पर पदस्थापित रह चुके हैं। झारखंड पुलिस मुख्यालय की ओर से तीन जनवरी, 2025 को मुरारी लाल मीणा को विदाई दी जाएगी

अनन्या ने महिला एयर राइफल में जीता स्वर्ण

BHOPAL: मंगलवार को महाराष्ट्र की युवा निशानेबाज अनन्या नायडू ने यहां राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में रेलवे की अनुभवी मेघना सज्जनार को मामूली अंतर से हराकर महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। अनन्या ने मप्र राज्य अकादमी रेंज में फाइनल में 252.5 अंक हासिल कर मेघना को मात्र 0.2 अंक से हराकर अपना पहला सीनियर राष्ट्रीय खिताब जीता। तमिलनाडु की आर नर्मदा नितिन ने 231.3 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। क्वालिफिकेशन दौर में अनन्या आठवें स्थान पर रहीं थीं, जबकि उनके ही राज्य की आर्या राजेश बोरसे 633.3 अंक के साथ शीर्ष पर रहीं। नर्मदा ने 632.9 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी।

कोलकाता में 6.6 करोड की नकली दवाएं जब्त

KOLKATA: केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) और पश्चिम बंगाल औषध नियंत्रण निदेशालय की संयुक्त जांच में कोलकाता में एक थोक विक्रेता के ठिकाने से 6.6 करोड़ रुपये की नकली दवाएं जब्त की हैं। जांच के दौरान थोक विक्रेता फर्म 'केयर एंड क्योर फॉर यू' की मालिक एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई सीडीएससीओ के पूर्वी क्षेत्र के औषध निरीक्षक द्वारा की गईं, जिसकी पृष्टि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने की है। छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में कैंसर, मधुमेह और अन्य बीमारियों की दवाइयां मिलीं, जिन पर विभिन्न देशों जैसे आयरलैंड, तुर्की, अमेरिका और बांग्लादेश में निर्मित होने का लेबल था।

छात्रा ने जीभ काटकर शिवलिंग पर चढ़ाई

KORBA: छत्तीसगढ़ के सक्ती जिला के डभरा थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह 11 वीं की एक छात्रा ने घर के पास स्थित शिव मंदिर में भगवान शंकर को अपनी जीभ काटकर अर्पित कर दी। इससे मंदिर में खून ही खून दिखाई दे रहा है। घटना के बाद से छात्रा लहूलुहान हालत में मंदिर में मौजूद है। बताया जा रहा है कि जीभ कारने के बाद छात्रा ने मंदिर में खुद को बंद कर लिया है और साधना में लीन हो गई है। पुलिस वालों को गांव के लोगों



घड़ी की सुई 12 पर आते ही शुरू हो गया न्यू ईयर सेलिब्रेशन

मंगलवार की रात में घड़ी की सुई जैसे ही 12 पर पहुंची न्यू ईयर 2025 का सेलिब्रेशन शुरू हो गया। चारों ओर आतिशबाजी के साथ डीजे की धुन पर युवा फिर रखने लगे। लाइव बैंड, डीजे और डिनर पार्टी के साथ पूरी रात गुलजार रही। शहर में नए साल के स्वागत के लिए क्लबों से लेकर होटलों और रेस्टोरेंट में हर जगह डीजे गीत संगीत पर झुमते हुए लोग एक दूसरे को नए साल की बधाई दे रहे थे। अनलिमिटेड ड्रिंक, लजीज व्यंजन के साथ बेले डांस, म्यूजिकल और डांस ग्रूप परफार्मेंस और आतिशबाजी की व्यवस्था हर जगह रही।

रूस ने मिसाइल और ड्रोन से कीव समेत कई शहरों पर किया हमला

NEW DELHI: मंगलवार को रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव तथा अन्य क्षेत्रों को निशाना बनाते हुए कई मिसाइल और ड्रोन दागे। यूक्रेन की वायु सेना ने तडके तीन बजे बैलिस्टिक मिसाइल के खतरे की सूचना दी, जिसके कुछ ही मिनटों बाद कीव में कम से कम दो धमाके सुने गए। सुबह आढ बजे एक और मिसाइल अलर्ट जारी किया गया, जिसके बाद शहर में कम से कम एक विस्फोट हुआ। स्थानीय प्रशासन ने कहा कि मिसाइल का मलबा राजधानी के डार्नित्स्की जिले में गिरा, लेकिन किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई खबर नहीं है। पूर्वोत्तर में सूमी क्षेत्र के अधिकारियों ने शोस्तका शहर के पास हमलों की सुचना दी। सुमी के मेयर मायकोला नोहा ने कहा कि 12 आवासीय इमारतों के साथ-साथ दो शैक्षणिक परिसरों को भी नुकसान पहुंचा है। वायु सेना ने युक्रेन के कई अन्य क्षेत्रों को निशाना बनाकर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किए जाने की भी सूचना दी है। युद्ध के दौरान यक्रेन का लगभग आधा ऊर्जा बनियादी ढांचा नष्ट हो गया है, और बड़े पैमाने पर

नए साल के जश्न के दौरान कंपाएगी ठंड, छाएगा कोहरा

• तीन डिग्री सेल्सियस तक झारखंड में ठंड की एक बार फिर गिरा न्यूनतम तापमान



कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं

है। वहीं नए साल में सुबह में हल्के

दर्जे का कोहरा होगा।

बर्फबारी से बढ़ी शीत मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों की मानें तो अगले एक से दो दिन में रांची और आसपास के जिलों में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे जाएगा। वेस्टर्न इफेक्ट के कारण झारखंड में मौसम में बदलाव आ सकता है। 5 जनवरी के बाद से मौसम में कुछ उतार-चढ़ाव देखा जा सकता है। इस दौरान आकाश में बादल छाए रहने की संभावना है हालांकि जनवरी के पहले सप्ताह में

सबह और शाम को कोहरा बना

रहेगा, जिससे ठंड बढ़ेगी। उत्तर में

बर्फबारी हो रही है। इस वजह से

ठंडी हवाएं आ रही हैं।

आईजी अभियान होमकर ने दी २०२४ की उपलब्धियों की जानकारी

नक्सिलयों व आतंकियों तक को पुलिस ने भेजा सलाखों के पीछे

CRIME REPORTER RANCHI:

झारखंड पुलिस के लिए साल 2024 कामयाबियों से भरा रहा। पुलिस ने इस साल आतंकी, नक्सली, साइबर अपराधी सहित अन्य अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा। पुलिस ने अपराध पर पुरजोर लगाम लगाते हुए जनता की नजर में अपनी एक अलग छवि बना ली है। इस साल झारखंड एटीएस (एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड) ने अलकायदा के 4 आतंकियों को गिरफ्तार किया। सभी की गिरफ्तारी झारखंड के विभिन्न जिलों से की गई। अन्य 7 अपराधियों को भी दबोचा गया, जो झारखंड पर्यटन विकास निगम और झारखंड राज्य विद्यत कर्मचारी मास्टर ट्रस्ट से जुड़े थे। एटीएस ने इस कार्रवाई में एक करोड़ 22 लाख रुपये के साथ 15 लाख रुपये के जेवरात भी बरामद किए। साथ ही अलग-अलग बैंक खातों में रखे 47.20 करोड़ रुपये को फ्रीज कर दिया। यह जानकारी आईजी अभियान एवी होमकर, डीआईजी कार्मिक नौशाद आलम ने दी। मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में झारखंड पलिस की उपलब्धियों को गिनाया। इधर, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने राज्य के सभी जिलों में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन करवाया। इस दौरान पुलिस ने आम लोगों की

दबोचे गए अलकायदा के चार आतंकी, 1.22 कारोड़ व १५ लाख के जेवरात भी बरामद साइबर अपराधियों पर भी नकेल, नशे के सौदागरों पर भी पुलिस ने कसा शिकंजा



244 नक्सली भेजे गए जेल, 24 ने टेके घुटने

- कई इनामी नक्सिलयों को भी पुलिस ने किया गिरफ्तार, सभी पर कुल 36 लाख रुपये के रखे गए थे इनाम
- इनके पास से पुलिस से लूटे गए हथियार समेत कई असलहे भी

आईजी अभियान ने बताया की साल 2024 में

पुलिस ने 244 नक्सिलयों को सलाखों के पीछे

भेज दिया। इनमें एक सहायक सदस्य, दो

जोनल कमांडर, अच्छा सब जोनल कमांडर

गिरफ्तार किए गए नक्सलियों में जयदीप उर्फ

कमांडर शंभू गंजू उर्फ रवि गंजू और सीताराम

रजवार उर्फ रमन रजवार शामिल हैं। पुलिस

ओरछा एरिया कमांडर भी शामिल हैं।

चिंता, 10 लाख रुपये के इनामी जोनल

- 3974 एकड़ जमीन पर लगी अवैध अफीम को भी किया गया नष्ट
- पर भी कसा शिकंजा, कई भेजे गए जेल
- 🛮 इनके पास से ६३ हजार रुपये समेत कई सामान ह्यामद
- साइबर अपराधियों को टेकवाए घुटने, 1295 मामलों में की गई कार्रवाई, इनके पास से 8.17 करोड़ रुपये बरामद, अलग-अलग खातों में रखे ₹77.20 लाख फ्रिज

टीपीसी उग्रवादी साबिता शर्मा उर्फ राजा जी

नेशनल भुइंया, फेंकू भुइंया उर्फ सर्वनाश रंथु

अंसारी को भी गिरफ्तार किया। सभी के ऊपर

झारखंड सरकार ने 36 लाख रुपये के इनाम

जोनल कमांडर, एक सब-जनल कमांडर, तीन

उर्फ अभिषेक को दबोचा। इसके अलावा

उरांव उर्फ गुरुचरण उरांव और इरफान

रखे थे। एवी होमकर ने बताया कि चार

एरिया कमांडर और एक सदस्य समेत अब

154 अपराधियों को एटीएस ने किया अरेस्ट, साइबर अपराध पर भी नियंत्रण

67 गोलियां, एक देसी बम, दो होमकर ने बताया झारखंड में को एटीएस ने अरेस्ट किया। और 9 मोबाइल फोन शामिल हैं। आईजी अभियान ने बताया इसमें पांडे गिरोह के 41, अमन वर्ष 2024 में पुलिस ने 971 साहू गिरोह के 43, अमन श्रीवास्तव गिरोह के तीन, प्रिंस साइबर अपराधियों को खान गिरोह के चार अपराधी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से 8.17 अन्य ५८ अपराधियों को भी करोड़ रुपये बरामद किए गए। पुलिस ने 2024 में दर्ज 97 77 .20 लख रुपये को फ्रीज मामलों में की। उन्होंने बताया कर दिया। इसके अलावा कि गिरफ्तार किए गए उनके पास से २११८ मोबाइल, अपराधियों में एक अहम 2905 सिम कार्ड, 606 अरेस्टिंग पांडे गिरोह के सेकंड एटीएम कार्ड, ४५ चेक बुक, इन कमांड गोविंद राय की है। १६५ अलग-अलग बैंकों के पासबुक, ५२ लैपटॉप, १२ चार गोविंदा के ऊपर ₹25000 का इनाम रखा गया था। गिरफ्तार पहियाँ वाहन और 70 अन्य किए गए सभी अपराधियों के वाहनों को जब्त किया गया। पास से कई सामान भी बरामद यह कार्रवाई वर्ष 2024 में दर्ज किए गए। इसमें पांच हथियार. १२९५ मामलों में की गई।

दबीचे गए नशा के 1362 सौदागर

बताया कि पुलिस में साल 2024 में नशे पर लगाम लगाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उटाए। इससे झारखंड के विभिन्न जिलों में पलिस को बडी कामयाबी मिली। कार्रवाई के दौरान 1362 तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने 2024 में 778 मामले दर्ज

किए। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने १४०७ .१ किलो अफीम, 36.45 ग्राम हीरोइन, 18.290 किलोग्राम ब्राउन शुगर, ४२५१.२ किलो गांजा, ५५३३३३ .५४ किलो डोडा, १०२२ बोतल कफ सिरप, १७२० इंजेक्शन, ७११५ नशे की टैबलेट, ४४३४ कैप्सूल बरामद किया।

डीजीपी अनुराग गुप्ता के नेतृत्व में झारखंड पुलिस नए साल 2025 में राज्य को अपराध और नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए दृढ़ संकित्पत है। 2025 में पुलिस आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने और बेहतर समाज निर्माण के लिए सतर्क- संवेदनशील रहने का प्रयास करेगी।

इसरो के प्रमुख सोमनाथ बोले, जनवरी में एनवीएस 02 सैटेलाइट होगी लॉन्च



AGENCY SRIHARIKOTA:

स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) की सोमवार रात सफल लॉन्चिंग के बाद इंडियन (इसरो) प्रमुख सोमनाथ ने कहा कि जनवरी में एनवीएस-02 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस लॉन्च (जीएसएलवी) पर लॉन्च करने की तैयारी चल रही है। स्पैडेक्स की लॉन्चिंग को मील का पत्थर बताते हुए उन्होंने कहा कि अगले साल 100वें प्रक्षेपण की तैयारी चल रही है। जनवरी में एनवीएस-02 उपग्रह को

- स्पैडेक्स की लॉन्चिंग को बताया मील का पत्थर
- यह मिशन अगले साल के लिए निर्धारित मिशनों में एक

जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी) पर लॉन्च किया जाएगा। यह मिशन अगले साल के लिए निर्धारित मिशनों में से एक है। इसरो प्रमख सोमनाथ ने कहा कि 29 मई, 2023 को जीएसएलवी-एफ12 रॉकेट ने एनवीएस-01 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) सफलतापर्वक लॉन्च किया था।

स्पैडेक्स पुरी तरह से स्वदेशी मिशन : जितेंद्र सिंह

NEW DELHI : मंगलवार को केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि स्पैडेक्स मिशन का नाम भारतीय डॉकिंग टेक्नोलॉजी रखा गया है, क्योंकि यह पूरी तरह से स्वदेशी मिशन है और भारत डॉकिंग तकनीक से संबंधित इस तरह का पहला प्रयोग कर रहा है। डॉ. सिंह ने दिल्ली के राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि



आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के साथ बहुत मेल खाता है। उन्होंने कहा कि जहां तक डॉकिंग तकनीक का सवाल है, स्पैडेक्स मिशन की लॉन्चिंग भारत द्वारा किए गए पहले प्रयोगों में से एक है। यह पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक है और इसीलिए इसे भारतीय डॉकिंग तकनीक नाम दिया गया है। यह प्रधानमंत्री द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के मंत्र के बिल्कुल अनुरूप है। वर्ष 2024 के अंत के अवसर पर डॉ. सिंह ने

कहा कि वर्ष 2024 भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक उल्लेखनीय यात्रा रही है। भारत के पहले सौर मिशन का उदाहरण देते हुए सिंह ने कहा कि आदित्य मिशन भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक बहुत ही महत्वाकांक्षी मिशन है, जो लॉन्च होने के तीन महीने बाद ही जनवरी 2024 में एल1 बिंद पर पहुंच गया। इसके अतिरिक्त भारत ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले तीन महीनों के भीतर अपना पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया।

ने उग्रवादियों पर भी लगाम लगाई है। पुलिस ने समस्याओं को सुना। तक २४ नक्सलियों ने सरेंडर किया है। ने मंदिर के अंदर जाने नहीं दिया।

अनेक कैंसर मरीजों की जान का रक्षक बना आयुष्मान

जानलेवा होने से पहले इलाज मिलने के मामले 33% बढ़े

AGENCY NEW DELHI: भारत में अगर मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का

बड़ी राहत

बडा आधार है, तो आयुष्मान भारत योजना स्वास्थ्य सुरक्षा का कारगर उपाय। दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में मनरेगा सामने आया था, तो वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में आयुष्मान योजना का शुभारभ हुआ है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) के पंजीकरण ने कैंसर के मरीजों का इलाज वक्त पर शुरू करने में खासी मदद की है। इलाज वक्त से शुरू होने के मामलों में 33 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। चंडीगढ़ के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर) के शोधकताओं इस विषय में विस्तृत अध्ययन पर आधारित अपनी रिपोर्ट जारी की है। शोधकर्ताओं की खास स्टडी के नतीजे द लैंसेट रीजनल हेल्थ साउथ ईस्ट एशिया में प्रकाशित हुए हैं। इनके मुताबिक पीएम-जेएवाई की शुरूआत के परिणामस्वरूप कैंसर के जानलेवा होने से पहले इलाज से अहम सुधार दर्ज किया है।

वक्त पर इलाज शुरू करने में बड़ा मददगार साबित हो रहा पीएम-जेएवाई पीजीआईएमईआर की रिपोर्ट में इस मामले की दी गई है विस्तृत जानकारी

शोधकर्ताओं ने 6 राज्यों के 7 प्रमुख कैंसर अस्पतालों के मरीजों पर किया रिसर्च

अक्तूबर २०२० और मार्च 2022 के बीच भर्ती 6700 कैंसर रोगियों हुआ विश्लेषण बीते कुछ वर्षों के मुकाबले कैंसर का इलाज शुरू करने

सेहत की देखभाल में आने वाली लागत और जीवन की गुणवत्ता का भी हुआ अध्ययन

में लगने वाले वक्त में आई

कमी



स्पेशल स्टडी के नतीजे द लैंसेट रीजनल हेल्थ साउथ ईस्ट एशिया में हुए प्रकाशित

योजना का सकारात्मक असर

शोधकर्ताओं ने पाया कि बीते कुछ वर्षों के मुकाबले कैंसर का इलाज शुरू करने में लगने वाले वक्त में कमी दर्ज की गई है। इलाज के मामले में हीलाहवाली न बरतने और कैंसर का पता लगने के बाद जल्द ही इलाज शुरू करने में यह तेजी एबीपीएमजेएवाई का लाभ उठाने वाले मरीजों से अधिक देखी गई।

पता लगने के 20 दिन बाद ही शुरू हो जाता है उपचार

मरीजों का साक्षात्कार २०१८ में विकसित और ब्रिटिश मेडिकल जर्नल ओपन में प्रकाशित एक अध्ययन में बताए गए प्रोटोकॉल नेशनल कैंसर डेटाबेस फॉर कॉस्ट एंड क्वालिटी आफ लाइफ के हिस्से के तहत लिया गया। इसमें मरीजों की सेहत की देखभाल में आने वाली लागत और जीवन की गुणवत्ता सहित कई पहलुओं पर बात की गई। कुल मिलाकर जांच के दौरान बीमारी का पता लगने के बाद मरीजों ने कैंसर का इलाज शुरू करने से पहले 20 दिन का वक्त लिया। मतलब 20 दिन ही उपचार शुरू हो गया। बता दें कि अक्तूबर 2020 और मार्चे 2022 के बीच भर्ती 6700 कैंसर मरीजों की प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण किया गया।

मुर्शिदाबाद से दो संदिग्ध आतंकियों को किया अरेस्ट

KOLKATA : पश्चिम बंगाल की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने मुर्शिदाबाद जिले के नवदा थाना क्षेत्र से दो युवकों को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सजिबुल इस्लाम (24) और मुस्ताकिम मंडल (२६) के रूप में हुई है। दोनों आरोपित नवदा थाना क्षेत्र का निवासी हैं। एसटीएफ के एसपी आईपीएस इंद्रजीत बसु ने मंगलवार को कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन दोनों आरोपितों की गतिविधियों पर लंबे समय से नजर रखी जा रही थी। विस्तृत जांच के बाद इन्हें विशेष अभियान के तहत गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, सजिबुल इस्लाम और मुस्ताकिम मंडल आतंकवादी गतिविधियों में शामिल था। उसके खिलाफ नवदा थाने में मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपितों से पूछताछ की जा रही है ताकि उनके संपर्कों और योजनाओं के बारे में जानकारी मिल सके।

मंत्री चमरा लिंडा ने की योजनाओं की समीक्षा

छात्रवृत्ति नहीं बाटने वाले अफसरों का रुकेगा वेतन

कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने

मंगलवार को मोरहाबादी स्थित कल्याण कॉम्प्लेक्स में सभी जिलों के कल्याण पदाधिकारी, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, आईटीडीए और प्रमंडलीय उप-निदेशकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक की। इसमें उन्होंने साइकिल और छात्रवृत्ति वितरण कार्यों की प्रगति की जिलावार समीक्षा की। इस दौरान मंत्री ने कोडरमा और रामगढ़ जिलों में प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति वितरण की शुन्य प्रगति पर नाराजगी जताई। वहीं तीन दिनों के भीतर वितरण पुरा करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कोताही बरतने वाले संबंधित पदाधिकारियों



का जनवरी 2025 का वेतन रोका जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि वे समाधान की दिशा में काम करें, समस्या नहीं। मौके पर विभागीय सचिव कृपानंद झा और आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा बैठक में उपस्थित थे। मंत्री ने सभी जिलों के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि 4 जनवरी 2025 तक सभी लंबित प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति भुगतान के मामलों का प्राथमिकता से निपटारा किया जाए।

दो घरों से चोरों ने उड़ाए लाखों रुपये के जेवरात और नकदी

बरकाकाना थाना के बंजारी मंदिर के पीछे दो घरों को बनाया निशाना

AGENCY RAMGARH:

रामगढ़ जिले में इन दिनों विभिन्न थाना और ओपी क्षेत्र में चोरी की वारदात में वृद्धि हुई है। साल के अंतिम दिन बरकाकाना ओपी क्षेत्र के बंजारी मंदिर के पीछे संस्कार कॉलोनी में चोरों ने दो बंद घरों में चोरी की वारदात को अंजाम दी है। साल गुजर गया, लेकिन चोरों ने चोरी की वारदात को जाते-जाते रामगढ़ पुलिस को एक बड़ी चुनौती दे दी है। घटना की सूचना पाकर बरकाकाना ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा सदलबल के साथ घटनास्थल पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गए है। साथ ही आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरे

को खंगालने में जुट गई है। क्या है मामला : जानकारी के अनुसार बरकाकाना ओपी क्षेत्र के बंजारी मंदिर के पीछे संस्कार



चोरों ने इसी अलमारी से लूटे सामान

कॉलोनी के दो बंद घरों में चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दी है। चोरों ने दो सेवानिवृत्त रेलकर्मी के बंद पड़े घरों में जमकर उत्पाद मचाया। सेवानिवृत्त रेलकर्मी रवि शंकर प्रसाद सपरिवार दो दिन पूर्व अयोध्या घूमने गए है और वे घर की देखरेख करने को लेकर दर्शन नामक युवक को रखा था। हालांकि वे जिस दिन चोरी की घटना घटी दर्शन उसे दिन घर में

जिसके कारण चोरों ने संतोष कुमार सिन्हा के घर को भी टारगेट बनाया। हालांकि समाचार लिखे जाने तक दोनों परिवार की ओर से बरकाकाना ओपी में कितने की चोरी हुई है इस संबंध में आवेदन नहीं दी गई है।

दोनों घरों में जिस तरीके से चोरी

की घटना को अंजाम दी गई है। इससे साफ होता है कि कहीं ना कहीं दोनों घटना में एक ही चोरों के द्वारा अंजाम दी गई है। जिस तरीका से घर के मेन गेट को छोड़कर अंदर ग्रिल को तोड़कर अंदर घुसे चोरों ने घर का अलमीरा सहित अन्य को आराम से रख कर उत्पाद मचाया। बताया जाता है कि चोरों ने घर में रखें लाखों रुपए के जेवरात व नगद की चोरी की घटना को अंजाम

गार्ड को बंधक बनाकर दुकान से लूट ली ५.६०

CHAKRADHARPUR:

सोमवार की रात 1.30 बजे हथियारबंद नकाबपोश ने गार्ड को बंधक बनाकर 5 लाख 60 हजार रुपये की विदेशी शराब लूट ली। घटना सोनुवा थाना क्षेत्र के बेगुना विदेशी शराब दुकान की है। जानकारी के मुताबिक सोमवार की आधी रात के बाद दुकान के पास पिकअप वाहन और बाइक पर सवार होकर 6-7 हथियारबंद नकाबपोश अपराधी पहुंचे। इसके बाद गैस कटर से दुकान का ग्रिल काटा और हथियार के बल पर अपराधियों ने दुकान के गार्ड प्रेमचंद प्रमाणिक और बगल के एक दुकान मालिक मुखर्जी प्रधान को बंधक बना लिया। इसके बाद अपराधियों ने हथियार के बल पर दोनों को एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद विदेशी शराब लेकर फरार हो गए। चोरी हुए शराब में विभिन्न ब्रांड की 70 पेटी शामिल है। इस संबंध में सोनुवा थाना प्रभारी संजय कुमार नायक ने बताया कि हथियारबंद नकाबपोश विदेशी शराब दुकान में गार्ड को बंधक बनाकर 5 लाख 60 हजार रुपये की विदेशी शराब चोरी की है। इसमें 70 पेटी विभिन्न ब्रांड की शराब है। घटना के संबंध में

गार्ड प्रेमचंद प्रमाणिक के लिखित

कार्रवाई की जा रही है।

बयान पर मामला दर्ज कर आगे की

2024 पलाम् पुलिस के लिए

बेहतर रहा। इस वर्ष 37

अपराधियों को जहां सजा दिलायी

गयी, वहीं 1368 अपराधी और

10 लाख के इनामी माओवादी

सीता राम रजवार सहित 29

नक्सली गिरफ्तार किए गए। एसपी

ने बताया कि सात नशा तस्करों को

जहां सजा दिलवायी गयी है, वहीं

21 हत्या के अभियुक्तों को सजा

हुई है। पॉक्सो के चार, रंगदारी के

एक, लूट के दो, आर्म्स एक्ट के

डोडा तस्करी के मामले में पंजाब के दो तस्करों के खिलाफ दर्ज हुई प्राथमिकी

AGENCY RAMGARH:

रामगढ़ पुलिस के जरिये अवैध डोडा तस्करों पर की गई कार्रवाई अब आगे बढ़ चुकी है। मांडू थाना क्षेत्र में जब्त किए गए तीन करोड़ के डोडे के मामले में पुलिस ने दो तस्करों पर प्राथमिकी दर्ज की है। मंगलवार को रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने इस मामले में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया और बताया कि पति-पत्नी मिलकर इस अवैध तस्करी के कारोबार को अंजाम दे

उन्होंने बताया कि जो ट्रक जब्त किया गया है, वह सविता पाल के नाम पर है और ट्रक ड्राइवर उसका पति जसवंत पाल है। वे लोग पंजाब राज्य के डेराबस्ती जिला अंतर्गत लालरू गांव के रहने वाले हैं। हालांकि अभी तक वे दोनों पुलिस की गिरफ्त से फरार हैं। लेकिन पुलिस को अवैध डोडा मिल गया है। एसपी ने बताया कि ट्क संख्या पीबी 23 टी 1707 से अवैध डोडा की तस्करी हो रही थी। मांडू थाना क्षेत्र के हेसागढ़ा

स्थानीय लोगों ने

हथियार के साथ दो

अपराधियों को पकडा

GODDA: एंटीक्राइम चेकिंग के दौरान मंगलवार को हथियार के साथ दो अपराधी पकड़े गए। पुलिस को सचना मिली कि भागलपर रोड

स्थित पेट्रोल पंप के पास स्थानीय

लोगों ने 2 व्यक्ति को हथियार एवं

मोटरसाइकिल के साथ पकड़ कर

रखा है। इस सूचना पर गश्ती दल

पहुंची। पकडाए व्यक्तियों के पास

से एक देसी लोडेड पिस्टल, एक

मैगजीन, एक मोटरसाईकिल और

एक फोल्डिंग चाकू बरामद किया

गया। इनके खिलाफ गोड्डा नगर

थाना में आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया

है। गिरफ्तार अभियुक्तों में 18

वर्षीय गौरव कुमार व विशाल

कुमार शामिल है। दोनों भदान,

थाना टनकुप्पा, जिला गया

(बिहार) के रहने वाले हैं।

छापामारी दल में पुअनि संजय

कुमार सिंह, गौरव कुमार, चंदन

कुमार सिंह, देवेंद्र सिंह व तकनीकी

शाखा के कर्मी भी शामिल थे।



जब्त डोडा के साथ मामले की जानकारी देते एसपी अजय कुमार • फोटोन न्यूज

गिरिडीह में चार साइबर

अपराधी हुए गिरफ्तार

स्थित इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप परिसर में उस गाड़ी को खड़ा कर ड्राइवर और खलासी भाग गए थे। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर प्रशिक्षु डीएसपी फौजन अहमद के नेतृत्व में छापेमारी की गई। इस दौरान जब टुक की तलाशी ली गई तो वहां केबिन में कोई भी व्यक्ति नहीं पाया गया। पेटोल पंप के कर्मियों से पुछताछ करने पर बताया गया कि वह ट्रक खड़ा कर ड्राइवर कहीं चला गया है। तलाशी के दौरान ट्रक में सफेद रंग के कुछ

प्लास्टिक के बोरे में मुरही एवं कुछ सोयाबीन भरा हुआ था। इन दोनों बोरियों में मिक्स करके डोडा छुपाया गया था। जब केबिन की तलाशी ली गई तो सविता पाल और जसवंत पाल से संबंधित कागजात पाए गए। एसपी अजय कुमार ने बताया कि अवैध सुख डोडा एवं सोयाबीन का मिश्रण 1926.526 किलोग्राम मिला। इसके अलावा मुरही का कुल वजन 611.22 किलोग्राम था। साथ ही बिना सिम कार्ड का एक मोबाइल भी जब्त किया गया है।

• फोटोन न्यूज

गुप्त सूचना पर मोहनपुर जंगल में

छापेमारी कर साइबर अपराध में

शामिल अफजल अंसारी , मनीर

अंसारी , युसूफ अंसारी और मो

सलीम को गिरफ्तार किया गया

सभी अपराधी गाण्डेय थाना के

रहने थाले थे। उन्होंने बताया कि

गुगल पर कृरियर सर्विस देने,

केवाईसी अपडेट करने सहित ठगी

के अन्य तरीकों के जरिये लोगों

BRIEF NEWS

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी समस्या



HAZARIBAG: उपायुक्त नैन्सी सहाय ने मंगलवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे ग्रामीणों ने उपायुक्त को अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए समाधान करने का अनुरोध किया। जनता दरबार में आए समस्याओं का अवलोकन करते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन अग्रसारित करते हुए निर्धारित समयसीमा में निष्पादित करने का निर्देश दिया।

कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता रथ रवाना



KHUNTI: डायन प्रथा जैसी सामाजिक करीतियों के उन्मलन और झारखंड सरकार की महत्वकांक्षी सावित्रीबाई फले किशोरी समद्धि योजना के लिए आमजनों को जागरूक करने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग अंतर्गत जिला प्रशासन के जरिये विशेष जागरूकता रथ का शुभारंभ किया गया। उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम ने मंगलवार को समाहरणालय परिसर से इस जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक आइटीडीए, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य बाल आयोग की टीम पहुंची महवाडांड



LATEHAR : झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम ने मंगलवार को महआडांड अनमंडल का निरीक्षण किया। टीम में सदस्य रुचि कुजुर, मिनहाजुल हक और विकास दोदराजका शामिल थे। इन्होंने प्रखंड कार्यलय के सभागार में अनमंडल और प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें बिपिन कमार दबे (एसडीओ महुवाडांड), अलका हेम्ब्रम (जिला समाज कल्याण पदाधिकारी), संतोष बैठा (अंचलाधिकारी), रीना कुमारी (जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी), कंदन गोप (सदस्य, जिला बाल कल्याण समिति), थाना प्रभारी अवनीश कुमार, बंधन तिर्की (पुलिस पदाधिकारी), डॉ. अमित खलखो (स्वास्थ्य बिभाग), सोन् कुमार (उत्पाद निरीक्षक), मनीष प्रसाद (श्रम बिभाग), प्रेमलता बेंग, अंजलि दीप लकड़ा, करमा उरांव, महिला पर्यवेक्षक गोमती कुमारी, प्रिस्का एम कुजुर आदि उपस्थित थे।

पलामू में 1368 अपराधी और 29 नक्सली किए गए गिरफ्तार : एसपी

नहीं सोया था जिसके कारण चोरों

ने चोरी की घटना को अंजाम दिया

है वहीं चंद कदम की दूरी पर दूसरे

घर में चोरों ने सेवानिवृत्त रेलकर्मी

संतोष कुमार सिन्हा भी अपने

सपरिवार के साथ अपनी बहन के

घर अंबिकापुर एक सप्ताह पूर्व

गए थे और वे बंटी नामक यवक

को घर जिम्मेवारी सौंप कर गए थे।

लेकिन इत्तेफाक की बात है कि

बंटी भी उसी दिन घर में नहीं था

पलाम् पुलिस के लिए साल 2024 उपलब्धियों से भरा रहा। इस वर्ष जिले में शांतिपूर्ण तरीके से विधानसभा और लोकसभा का चुनाव भी संपन्न कराया गया। नशा तस्करों के खिलाफ भी पुलिस का अभियान तेज रहा। अभी भी पुलिस पोस्ता की खेती नष्ट करने के लिए कार्रवाई कर रही है। 47 देसी, तीन ऑटोमेटिक हथियार और 1132 गोलियां बरामद की गयी। 11.33 किलो अफीम और 64 किलो से भी अधिक गांजा भी जब्त किये हैं। 2024 में पुलिस ने 100 एकड़ से अधिक जमीन पर लगी पोस्ता की खेती को भी नष्ट की है। 29 अपराधियों के खिलाफ सीसीए लगा, जबकि 26 अपराधियों को गुंडा घोषित किया गया है। 33 फरार अपराधियों के

PALAMU: जिले के पांकी प्रखंड

अंतर्गत डंडार के मजदूर किसान

कॉलेज में मंगलवार को हिमालयन

उल्ल मिला। कॉलेज के शिक्षकों ने

उल्लू को देखकर वन विभाग को सचना दी। वन विभाग की टीम

मौके पर पहुंची और उल्लू का

रेस्क्यू किया। उल्लू को पलाम्

टाइगर रिजर्व में सौंपने की

जानकारी दी गई है। जिले में पहली

बार हिमालयन उल्लू देखे जाने की

जानकारी दी गयी है। मजदूर

किसान कॉलेज में शिक्षकों ने दो

उल्लू को उड़ते हुए देखा। अंजान

पक्षी देखकर इसकी जानकारी वन

विभाग के कर्मियों को दी। सूचना

मिलने पर कंदरी के वन क्षेत्र

पदाधिकारी महेन्द्र प्रसाद एवं

वनरक्षी दीनानाथ शर्मा मौके पर

पहुंचे और कॉलेज के शिक्षकों के

साथ मिलकर उल्लू का रेस्क्यू

किया। वन क्षेत्र पदाधिकारी ने



खिलाफ पुरुस्कार की राशि भी घोषित की गई है। 3381 मामले फिर पलामू में दर्ज हुए तो वहीं पलाम् पुलिस ने 2853 मामलों में अनुसंधान पूरा कर लिया है। इस दौरान पुलिस ने 3630 वारंट का निष्पादन किया है। वहीं, 83 कुर्की और 355 स्थाई वारंट की भी कार्रवाई हुई है। मंगलवार को जिले की एसपी रीष्मा रमेशन ने एक साल का लेखा जोखा प्रस्तुत

दो अपराधियों को सजा मिली है। पलाम् जिले में पहली बार लोकसभा और विधानसभा चुनाव में सीआरपीएफ का इस्तेमाल नहीं किया गया। पिछले तीन दशक के दौरान यह पहली बार हुआ। चुनाव हिंसामुक्त हुआ और किसी बुथ पर

अफीम की फसल



KHUNTI: खुंटी की जिला पुलिस अफीम की खेती के खिलाफ अभियान चला रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को खूंटी थाना क्षेत्र के ग्राम जिलिंगा और बरबंदा में 6 एकड़, मुरहू थाना क्षेत्र के ग्राम कोनवा में करीब 6 एकड़, मारंगहादा थाना क्षेत्र के गटिगड़ा और संडासोम में 6 एक-ड़ ,अड़की थाना क्षेत्र के गितिलबेरा में 12 एकड़, सायको थाना क्षेत्र के सालेहातु में करीब 8 एकड़, कुल लगभग 38 एकड़ में लगी अवैध अफीम की फसल को टैक्टर से रौंद डाला।

खूंटी में पुलिस ने रौंदी



थानेदारी गांव की यवती की हत्या बिहार के बंधुआकूड़ा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर डैम में उसके दूसरे पति के जरिये किए जाने का मामला मंगलवार को सामने आया है। बीते रात यवती का शव डैम के समीप से पुलिस ने बरामद किया है। जानकारी के अनुसार 26 दिसंबर को युवती का पति तुलसी यादव ग्राम नारायणपुर थाना जयपुर बिहार अपनी पत्नी मीना कमारी(27) को अपने ससुराल सरैयाहाट थाना क्षेत्र स्थित थानेदारी गांव से घर ले जाने की बात कह ले गया। लेकिन वह घर न जाकर अपनी पत्नी को डैम घुमाने के बहाने ले गया और धक्का देकर डैम में फेंक दिया। इसके बाद वह तब तक डैम के

पानी से निकल नहीं गया। शव जब पानी में तैरने लगा तो मृतका के पति ने उसके शव को पास ही पत्थर से दबा कर छिपा दिया। इधर 27 दिसंबर को जब मीना की मां गुड़िया देवी ने उसे फोन किया तो उसका मोबाइल ऑफ आया। इसके बाद वह उसके ससुराल नारायणपुर गई तो पता चला कि मीना वहां आई ही नहीं है। फिर मृतिका की मां ने जयपुर थाना में बेटी की गुमशुदगी को लेकर सनहा दर्ज कराया और सरैयाहाट पुलिस से भी बेटी को

थाना की पुलिस ने टेक्निकल टीम की मदद से उसके पति को पकड जब पूछताछ की तो उसने उसकी हत्या की बात को स्वीकार करते हुए अपना गुनाह कबूल लिया। इस हत्या कांड में उसके सहयोगी जामुन यादव को भी गिरफ्तार किया है। हत्याकांड के उद्भेदन के लिए सरैयाहाट थाना प्रभारी ताराचंद, एसआई विकेश मेहरा, एएसआई शान मिश्रा ने बिहार पुलिस को सहयोग दिया। मृतका मीना कुमारी की पहली शादी सरैयाहाट थाना क्षेत्र के कारूडीह गांव में हुई थी। लेकिन सड़क हादसे में उसकी पति की मृत्यु के बाद जब उसे एक्सीडेंडल डेथ का मुआवजा करीब दस लाख रुपए मिला तो उसने फेसबुक मित्र तुलसी यादव से

के लक्ष्मीपुर डैम में मिला शव जिले के सरैयाहाट थाना क्षेत्र के

पुलिस गिरफ्त में साइबर अपराधी

GIRIDIH: साईबर क्राइम थाना

पुलिस ने जिले के गाण्डेय थाना

क्षेत्र के मोहनपुर गांव से सटे

जंगल में साईबर अपराध को

अंजाम दे रहे चार सार्डबर

अपधाधियों को गिरफ्तार किया है।

इनके पास से क4 मोबाईल सेट

और 20 सिमकार्ड जब्त किया है।

मंगलवार को साइबर क्राइम

संवाददाता सम्मेलन कर यह

सरैयाहाट की युवती का बिहार

आविद खान

पास रहा जबतक मीना का शव

नववर्ष के आगमन को लेकर पिकनिक स्पॉट हुए गुलजार, बंगाल-ओडिशा से भी आ रहे सैलानी

जलाशयों में बोटिंग का पर्यटक खूब उटा रहे आनंद, कर रहे मस्ती

पलामू में मिले हिमालयन उल्लू

का वन विभाग ने किया रेस्कय

्हिमालयन उल्ल

बताया कि उल्लू को पलामू टाइगर

रिजर्व में सौंप दिया जाएगा। उन्होंने

कहा कि उन्होंने पहली बार इस

तरह का उल्लू पलामू जिले में देखा

है। स्थानीय और बाहरी उल्ल की

शारीरिक बनावट अलग-अलग है।

संभावना है कि दोनों उल्ल भटक

कर आ गए होंगे। उनकी शारीरिक

संरचना से पता चलता है कि दोनों

ठंडे प्रदेश में पाए जाने वाले उल्लू

हैं। हिमालयन उल्लू होने की पूरी

CHAKRADHARPUR:

आने वाले नए साल को लेकर इन दिनों पश्चिमी सिंहभूम के पर्यटन स्थल पर्यटकों से गुलजार हैं। इसी क्रम में चक्रधरपुर अनुमंडल के बंदगांव प्रखंड स्थित नकटी जलाशय में भी लोगों की भारी भीड़ नजर आ रही है। यहां भी लोग बड़ी संख्या में सैर सपाटा करने और पिकनिक मानाने के लिए नकटी जलाशय पहुंच रहे हैं। लोगों को नकटी जलाशय का मनोरम दृश्य खूब भा रहा है। पहाड़ों के बीच स्थित नकटी जलाशय में लबालब भरे जलभंडार का लोग मजा ले रहे हैं। नकटी जलाशय में लोगों को सबसे ज्यादा मजा बोटिंग करने में

लोग परिवार के संग यहां पहुंच रहे हैं और बोटिंग का आनंद ले रहे हैं। खास बात यह भी है कि केवल चक्रधरपुर के लोग ही नहीं, अन्य



नकटी डैम में बोटिंग के लिए लगी कतार

राज्यों और शहर के लोग भी तेजी से बढ़ी है। जब से प्रशासन नकटी जलाशय के मनोरम दृश्य द्वारा नकटी जलाशय में बोटिंग की को देखने यहां पहुंच रहे हैं। बीते सुविधा प्रदान की गई है, तब से कुछ सालों में नकटी जलाशय में यहां सैर-सपाटा करने और आने वाले पर्यटकों की संख्या पिकनिक मनाने वालों की तादाद

बढ़ गयी है। लोग अपने दोपहिया से लेकर चार पहिया वाहन और बसों में भर-भर कर यहां पहुंच रहे हैं। पर्यटकों से गुलजार रहने से नकटी जलाशय के आसपास रहने वाले ग्रामीणों को भी रोजगार का साधन मिल गया है। लोग छोटी-छोटी दुकान खोलकर या फिर जरुरी सेवाएं देकर यहां पैसे कमा रहे हैं। प्रशासन की भी यही कोशिश है की इस इलाके को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित कर लोगों को रोजगार का भी साधन उपलब्ध कराया जाए। इसी सोच के साथ यहां बोटिंग की सुविधा प्रशासन ने शुरू की थी। हालांकि अभी भी यहां पर्यटन के दृष्टिकोण से कई चीजों की कमी है, जिसे पूरा करने की जरुरत है। बहरहाल पिकनिक और सैर सपाटा का यह दृश्य सभी को भा रहा है और नववर्ष को लेकर क्षेत्र में खुशहाली का मौसम छा रहा है।

घाटशिला के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर लगा पर्यटकों का मेला

GHATSILA : पुराने साल की विदाई और नए साल के आमगन की खुशी के

मौके पर बुधवार को घाटशिला अनुमंडल के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्येटकों का मेला लगा है। लगभग सभी पर्यटन स्थल पर्यटकों से गुलजार हैं। झारखंड के साथ साथ ओडिशा व बंगाल से बधवार को पिकनिक मनाने हजारों पर्यटक घाटशिला पहुंचे। पर्यटकों की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा के तगड़े बंदोबस्त किए गए हैं। वैसे

बुधवार को घाटशिला अनुमंडल के प्रमुख पर्यटन स्थल बुरुडीह डैम, धारागिरी फॉल, पांच पांडव, सुवर्णरेखा नदी मउँभंडार, धालभूमगढ़ एयरपोर्ट, नरवा, पहाड़भागा, गालूडीह बराज, जादूगोड़ा रिकणी मंदिर आदि स्थानों पर हजारों लोगों की भीड़ जुटेगी। प्रर्यटन स्थल पर इसको लेकर दर्जनों दुकान मंगलवार से ही लगाना शुरू कर दिया गया है। वैसे सबसे ज्यादा भीड़ बुरुडीह में देखने को मिलेगा। वैसे 31 दिसंबर को भी घाटशिला के कई पर्यटन स्थल पर्यटकों से गुलजार रहे और लोग जमकर मौज मस्ती करते नजर आए। पर्यटकों की भीड़ को देखते हुए दुकानदारों ने भी प्रर्यटकों को ललीज व्यंजन परोसने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। घाटशिला के एसडीपीओ अजीत कुमार कुजूर के अनुसार घाटशिला के प्रमुख पर्यटन स्थल बुरुड़ीह डैम और गालूडीह बराज में दंडाधिकारी के साथ साथ पुलिस बल की तैनाती की गई है।

मांजे की हत्या करने वाले मामा की मौत, 40 दिन से था जेल में

दूसरी शादी कर ली।

जेल में हत्या के आरोप में बंद एक विचाराधीन कैदी की रांची रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। खांसी के संक्रमण के कारण पहले उसे एमआरएमसीएच में भर्ती कराया गया था, जहां से उसे सोमवार को रिम्स रेफर किया गया था। इलाज के दौरान सोमवार रात मौत हो गई। मंगलवार को रिम्स में शव का पोस्टमार्टम किया गया और परिजनों को सौंप दिया गया है। कैदी की पहचान लाला सिंह (25) के रुप में हुई है। वह विश्रामपुर के घासीदाग निवासी था। 23 नवंबर से सेंट्रल जेल में बंद था। टीवी क्रॉनिक बीमारी से पीड़ित था। 20 दिसंबर को इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भर्ती किया गया था। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए 30 दिसंबर को रांची रिम्स रेफर किया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। जेल सुपरिटेंडेंट भागीरथ कर्जी के

मुताबिक लाला सिंह को क्रोनिक टीबी की बीमारी थी। तबीयत बिगड़ने पर 20 सितंबर को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। जहां नौ दिन इलाज के बाद डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए रांची के रिम्स रेफर कर दिया। सोमवार को इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया था। वहीं उसकी मौत हो गई। लाला सिंह ने अपने 12 वर्षीय भांजे अजय सिंह की से हत्या कर दी थी। भांजे को मारने के बाद बोरा में बंद कर घर के पीछे केले के पौधे के नीचे दबा दिया था। हत्या के पांच दिन बाद 20 नवंबर को जब शव से दुर्गंध आने लगी तब हत्या की जानकारी हुई। लाला सिंह का भांजा वहीं रहता था। लाला सिंह को लगता था कि भांजे को भी जायदाद में से हिस्सा देना होगा। इसे लेकर बहन से भी उसका विवाद होता था।

© BRIEF NEWS

रिवाल्वर के साथ एक अपराधी गिरफ्तार, चोरी की बाइक भी बरामद



RANCHI: रांची के चान्हो थाना पुलिस ने भी हथियार के साथ एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान अब्बास आलम के रूप में की गई है। वह लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र के पंडरा का रहने वाला है। इसके पास से पुलिस ने चोरी की बाइक भी बरामद की है। थानेदार चंदन कुमार गुप्ता ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि एसएसपी को इसकी गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद छापेमारी टीम का गठन किया गया। छापेमारी टीम जैसे ही चान्हो थाना के झिबरी मोड़ के पास पहुंची, दोनों अपराधी भागने लगे। इस दौरान अब्बास आलम को दबोच लिया गया। वहीं अंधेरे और झाड़ी का फायदा उठाकर एक अपराधी फरार हो गया। इसकी तलाश में लगातार

घर का ताला तोड़ लाखों के जेवर व कैश ले उड़े चोर

छापेमारी की जा रही है।

RANCHI: रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के हवाई नगर रोड नंबर 13 स्थित एक घर को चोरों ने अपना निशाना बनाया। यहां घर का ताला तोड़कर 20 से 25 लख रुपये के जेवरात और करीब एक लाख रुपए नगद चोर ले उड़े। इस मामले को लेकर संजय सेनापति ने जगन्नाथपुर थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। कहा है कि 24 दिसंबर को हुए परिवार के साथ घूमने के लिए बाहर गए हुए थे। जब घर लौटे तो देखा बेडरूम में लकड़ी के कबड़ को तोड़कर 20 से 25 लाख के जेवरात गायब है। साथ ही वहां रखे एक लाख रुपये की भी चोरी कर ली गई है। चोरी किए गए जेवर में आठ सोने की चेन, पत्नी का मंगलसूत्र सहित अन्य जेवरात शामिल हैं। फिर दर्ज होने के बाद पुलिस जांच में जुड़ गई है। चोरों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। चोरी करते युवक को गार्ड

ने किया पुलिस के हवाले RANCHI: मंगलवार को रांची के बूटी मोड़ स्थित निमार्णाधीन अपार्टमेंट में चोरी करते हुए एक युवक को गार्ड ने पड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। युवक की पहचान अहमद करीम के रूप में की गई है। वह निमार्णाधीन अपार्टमेंट में चोरी करने पहुंचा था। इस दौरान गार्ड की नजर उसे पर पड़ गई। गार्ड को देखकर अहमद भागने लगा। भागने के क्रम में वह दूसरी मंजिल से गिर गया था जिससे वह घायल भी हो गया है। सदर थाना की पुलिस उसे कस्टडी में लेकर इलाज कर रही है। इस संबंध में अपार्टमेंट के प्रोजेक्ट मैनेजर ने सदर थाना में

मोरहाबादी वेंडर मार्केट में सजेंगी दुकानें, चकाचक होगा शहर

रांची नगर निगम शहर के लोगों को बेहतर सविधाएं मुहैया कराने का काम करता है। इसके बदले में लोगों से होल्डिंग टैक्स भी लिए जाते हैं। इसके अलावा भी कई और सविधाएं नगर निगम शहर में लोगों को महैया कराता है। आने वाले साल में भी शहर को काफी उम्मीदें रांची नगर निगम से हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा तो 2025 में राजधानी का बदला हुआ चेहरा लोगों के सामने होगा। यहां नया वेंडर मार्केट, पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम और बेहतर सफाई देखने को मिलेगी।

राजधानी रांची को जाम मुक्त बनाने को लेकर नगर निगम रेस हो गया है। नागा बाँबा खटाल और कोकर के डिस्टिलरी वेंडर मार्केट के बाद अब मोरहाबादी स्थित मिनी ट्रांसफर स्टेशन के पास वेंडर मार्केट का निर्माण परा होने को है। यहां पर मोरहाबादी में कारोबार करने वाले दुकानदारों को बसाने की तैयारी है। मोरहाबादी में रोड पर दुकानें नहीं रहेंगी। इतना ही नहीं, सड़कें भी जाम मुक्त हो जाएंगी। मोरहाबादी मैदान में फिलहाल रोड किनारे सब्जी की दुकानें सज रही हैं। हफ्ते में 2 दिन रोड पर ही बाजार लगता है। इससे जाम की स्थिति बन

जाती है। घंटों तक लोग जाम में फंसे रहते हैं। मार्केट बन जाने से दुकानों को मार्केट में शिफ्ट कर दिया जाएगा। इससे रोड पर लगने वाला जाम खत्म हो जाएगा। एमटीएस के पास बन रहे इस मार्केट में 198 दुकानदारों के बैठने की व्यवस्था होगी। 4.8 करोड की लॉगत से इस मार्केट का निर्माण कराया जा रहा है। इस

नामकुम में बनेगा सीएनडी प्लांट

शहर से निकलने वाले बिल्डिंग वेस्त निगम ने तैयारी शुरू कर दी है। के लिए जगह चिन्हित है। वहीं टेंडर भी अंतिम प्रक्रिया में है। इसके बाद सीएनडी वेस्ट से पेवर ब्लॉक बनाया जाएगा। इससे वेस्ट डिस्पोजल भी होगा और निगम को भी इससे राजस्व मिलेगा। बता दें कि शहर से हर दिन सैंकड़ों टन बिल्डिंग वेस्ट मटेरियल निगम डिस्पोज करेगा। वहीं घरों से भी बिल्डिंग वेस्ट मटेरियल

नए साल से बदल जाएगी राजधानी की सफाई व्यवस्था, पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को लेकर तेजी से हो रहा काम एमटीएस के पास बन रहे मार्केट में 198 दुकानदारों के बैठने की व्यवस्था, जाम से मुक्ति को वेंडर मार्केट हुआ तैयार



टेंडर फाइनल करने के मुड में नगर निगम

राजधानी में पब्लिक ट्रांसपूर्टि को दुरुस्त करने को लेकर निगम ने कमर कस ली है। सबसे बड़ी चुनौती टेंडर फाइनल करने की है। लेकिन नगर निगम इस बार टेंडर फाइनल करने का मूड बना चुका है। इसलिए शर्तों में ढील देते हुए टेंडर का समय जनवरी तक बढ़ा दिया है। जिससे कि इस बार चूक की कोई गुंजाइश न रहें। 2013 में रांची में लो फ्लोर एसी बसें चलाने की योजना बनी थी, लेकिन टेंडर रद्द होने के बाद फाइल आगे नहीं बढ़ सकी। दो साल पहले सरकार ने 244 नई सिटी बसों की खरीद को मंजूरी दी थी, जिसमें 200 डीजल बसें और 24 एसी इलेक्टिक बसें शामिल थीं। अब इस योजना को तेजी से लाग करने की तैयारी है। जब शहर में सिटी बसों का परिचालन शुरू हो जाएगा तो लोगों को हर पांच मिनट में सिटी बसें उपलब्ध होंगी। इससे लोग अपनी प्राइवेट गाड़ियों का इस्तेमाल कम करेंगे। रोड पर भी गाड़ियों का लोड कम होगा।

सफार्ड एजेंसी परे शहर से करेगी कलेक्शन

शहर की सफाई में भी बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। फिलहाल स्वच्छता कॉरपोरेशन एजेंसी को एक जोन के 14 वार्डों में काम सौंपा गया है। इंस्टालेशन का काम भी शरू कर दिया गया है। इसके बाद 400 सडकों पर उतार दिया जाएगा। नगर निगम ने फिलहाल स्वच्छत

कापोर्रेशन को ८९ गाड़ियां हैंडओवर की है। जोन वन में काम शुरू किया गया है। धीरे–धीरे गाडियां दे देगा। इसमें छोटी गाडियों के अलावा टैक्टर र्भ

एजेंसी 100 गाडी खरीदने जा रही है। ऐसे में कुल 400 गाड़ियों से शहर की सफाई कराई जाएगी। दो नए एमटीएस का निर्माण कराया जाएगा। इसके बाद पूरे शहर में 8 एमटीएस हो जाएंगे। नई व्यवस्था के तहत शहर में मटीरियल रिंकवरी फैसलिटी (एमआरएफ) सेंटर भी बनाए जाएंगे। इन सेंटरों पर कुछ मशीन होंगे। इसके माध्यम से सूखा कचरा को अलग–अलग श्रेणियों में बांटकर उपयोगी और गैर उपयोगी सामानों को अलग-अलग किया जाएगा।

गिरफ्तार अपराधी से देसी पिस्टल, दो गोलियां और अन्य सामान बरामद

डंपरों को जलाने और फायरिंग के एक आरोपी को पुलिस ने दबोचा

PHOTON NEWS RANCHI:

पुलिस ने रांची के खलारी में तीन डंपरों को जलाने, मजदुरों से मारपीट और फायरिंग मामला का खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने एक अपराधी को हथियार के साथ दबोच लिया। गिरफ्तार अपराधी की पहचान बंटी कुमार के रूप में की गई है। वह खलारी के गुलजार बाग का रहने वाला है। गिरफ्तार अपराधी के पास से एक देसी पिस्टल, दो जिंदा गोलियां सहित अन्य सामान बरामद किए गए हैं। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने घटना में शामिल होने की बात स्वीकार की। साथ ही गिरोह के अन्य सदस्य के बारे में बताया। आगजनी करने वाले में अन्य अपराधियों की पहचान कर ली गई है। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पूरे मामले की जानकारी खलारी

तीन डंपरों को किया था आग के हवाले, मजदुरों व चालकों के साथ भी की थी मारपीट अपराधियों ने की थी • कुर्की जब्ती का बदला कर ली गई। है। सभी की गिरफ्तारी 🗨 पूछताछ में उगला राज

लेने के लिए दिया गया था घटना में शामिल अन्य की भी कर ली गई पहचान घटना को अंजाम

गिरफ्तार अपराधी के बारे में जानकारी देते पुलिस अधिकारी।

डीएसपी रामनारायण चौधरी ने सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस कर दी। डीएसपी ने बताया गिरफ्तार डीएसपी ने बताया कि इस घटना के बाद पुलिस जांच में जुट गई थी। लगातार छापेमारी हो रही थी। इसी क्रम में गप्त सचना मिली कि

घटना में शामिल एक अपराधी को को देखा गया है। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बंटी कुमार को गिरफ्तार किया। इसकी निशानदेही पर अन्य अपराधियों की पहचान

पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर झारखंड सरकार को घेरा

पांच राउंड फायरिंग

डीएसपी ने बताया कि घटना को

अंजाम देने के बाद अपराधियों ने

डंपर चालकों को जमकर पीटा।

घटना के बाद आलोक गिरोह की

ओर से भैरव सिंह ने विज्ञप्ति जारी

कर जिम्मेवारी ली थी। इसमें कहा

गया था कि आलोक बॉस के घर की

कुर्की-जब्ती का बदला लेने के डंपरो

को आग के हवाले किया गया है।

भी हुई मारपीट की जिम्मेवारी ली

टीपीसी से कोई लेना देना नहीं है।

थी। साथ ही कहा थ कि हमारी

छापर स्थित हेंदाग कोयला खदान में

पांच राउंड फायरिंग भी की थी। दोनों

के लिए पुलिस छापेमारी में जुटी है। डीएसपी ने बताया गिरफ्तार अपराधी बंटी ने और अन्य अपराधियों ने मिलकर आलोक जी के साथ एक गिरोह बनाया है। इस गिरोह के नाम पर खलारी, पिपरवार, मैक्लुस्कीगंज, केरेडारी, बुढम् और आस-पास के क्षेत्रों में लगातार उत्पात मचाया जा रहा है। कारोबारियों को जान मारने और गाड़ी जलाने की धमकी देकर कर लिया था। फिर सभी को निर्मल चौक के पास ले गए थे।

रंगदारी की मांग की जा रही है। डीएसपी ने बताया कि बीते 22 दिसंबर को खलारी के झील होटल के पास से मजदरों के साथ मारपीट कर फ्लाई ऐश लदे दो डंपरों को चालक समेत अपराधियों ने अगवा

राज्य में बढ़ रही बेरोजगारी

राज्य में लगातार बेरोजगारी बढ रही

है और सरकार की ओर से हर बार

यही वादा किया जाता है कि शीघ्र ही

भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और

समयबद्ध किया जाएगा। मुख्यमंत्री

सोरेन ने पिछली कैबिनेट बैठक में

यह घोषणा की थी कि जेपीएससी

और जेएसएससी के लिए परीक्षा

लेकिन महीनों बाद भी न तो कोई

ही छात्रों को परीक्षा परिणाम का

इंतजार खत्म हुआ। इस देरी के

आधिकारिक घोषणा की गई और न

कारण राज्य के लाखों प्रतियोगी छात्रों

कैलेंडर को जल्द जारी किया जाएगा

आ गई है। सोमवार को इस मामले की जांच करने के लिए आईजी अखिलेश झा व रांची रेंज के डीआईजी अनुप बिरथरे घटनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान सीसीटीवी फुटेज को बारीकी से खंगाला गया। जांच के लिए बनी एसआईआई को मामले का जल्द खुलासा करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान आईजी अखिलेश झा ने कहा कि घटना को लेकर एसआईटी जांच में जटी है। हर पहल की बारीकी से जांच की जा रही है। जिस रास्ते से अपराधी फरार हुए हैं, वहां के सीसीटीवी को भी खंगाला जा रहा है। जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस मामले में आईटीसी कंपनी का

13 लाख की लूट व गोलीबारी

को लेकर रांची पुलिस एक्शन में

फ्रेंचाइजी के मालिक निरज कमार ने पंडरा ओपी में अज्ञात के अपराधियों खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। मौके पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय समेत कई अन्य पुलिस पदाधिकारी भी उपस्थित थे। पुलिस के अनुसार, लूटपाट करने वाले तीन अपराधियों में

25 दिसंबर को रिलायंसकर्मी से 11 लाख रुपये की छिनतई की घटना में शामिल था। पुलिस का मानना है कि दोनों घटना को एक ही गैंग ने अंजाम दिया है। घटना के बाद रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के अगुवाई में एसआईटी का गठन किया।

एसआईटी को निर्देश दिया गया है कि जल्द मामले का अनसंधान कर अपराधियों को गिरफ्तार करें।

13 लाख लूट मामले की जांच तेज, खंगाला गया सीसीटीवी



PHOTON NEWS RANCHI: • लूटपाट के दौरान बीच

रांची के पंडरा ओपी क्षेत्र में हुई

बचाव करने आए युवक को भी मार दी थी गोली

• तीन अपराधियों ने दिया था घटना को अंजाम

 जांच के लिए बनाई गई है एसआईटी, अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश

सूचना देने वाले को मिलेंगे २० हजार

कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए ने एक अपराधी का फोटो जारी किया है। उसपर इनाम की घोषणा की गई है। पुलिस ने बताया कि अपराधी की सचना देने वाले को 20 हजार का इनाम दिया जाएगा। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय गुप्त रखा जाएगा।

इन नंबरों पर दें सुचना रांची एसएसपी: 9431706136

सिटी एसपी: 9431706137 कोतवाली डीएसपी: 943177077 पांडरा ओपी प्रभारी: 8709841485

डीआईजी ने स्पेशल टीम के साथ की मीटिंग

पंडरा ओपी में लूटकांड व गोलीबारी की घटना के खुलासे के लिए बनाई गई स्पेशल टीम के साथ डीआईजी अनूप बिरथरे ने बैठक की। इस दौरान मामले को लेकर अब तक क्या जांच हुई है, इसके बारे में विस्तार से जाना। मामले का जल्द खुलासा करने के लिए पुलिस अंफसरों को कई निर्देश भी दिए। इधर, बीच-बचाव करने आए जिस युवक को गाली मारी गई थी. उससे आईजी अखिलेश झा। ने मेडिका जाकर मुलाकात की। जानकारी के अनुसार, घायल सुमित की स्थिति अब खतरे से बाहर है। रांची डीआईजी ने भी घायल यवक से मलाकात की। मालूम हो कि रविवार को दोपहर करिंब 12.20 बजे आशीर्वाद आटा कंपनी के मैनेजर सुमित कुमार गुप्ता से अपराधियों ने 13 लाख रुपये लूट लिए थे।

विश्वकर्मा समाज की प्रदेश कमेटी का विस्तार, महासचिव बने मनोज गलत निकला हेमंत का वादा, नियुक्ति



PHOTON NEWS RANCHI:

मंगलवार को विश्वकर्मा समाज लौहवंशी की प्रदेश कमेटी का विस्तार किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष मनोज विश्वकर्मा शामिल हुए। बैठक में सर्वसम्मति से प्रदेश के महासचिव के रूप में मनोज कुमार विश्वकर्मा को चुना गया। वहीं प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में शांतन विश्वकर्मा रांची, पंकज विश्वकर्मा गढ़वा, चेतलाल विश्वकर्मा चतरा, मनोज कुमार शर्मा जमशेदपुर, प्रदीप विश्वकर्मा गुमला और प्रमोद विश्वकर्मा

कोडरमा को चुना गया। इसके

का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अलावा प्रदेश संयुक्त सचिव के रूप में भीम विश्वकर्मा रांची, अजीत विश्वकर्मा पलामू, चंदन विश्वकर्मा चतरा, उमाशंकर शर्मा जमशेदपुर, आनंद विश्वकर्मा गुमला और मंट्र विश्वकर्मा कोडरमा को नियुक्त किया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जल्द ही झारखंड के सभी जिलों में जिला कमेटी का गठन किया जाएगा। उसके बाद रांची में एक विशाल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम की सफलता में विश्वकर्मा मंच झारखंड के सभी पदाधिकारियों

मरांडी ने साल के आखिरी दिन हेमंत सोरेन सरकार को घेरा। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए हेमंत सोरेन की घोषणा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा है कि झारखंड के मख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 2024 के पहले कैबिनेट बैठक में यह एलान किया था कि 1 जनवरी 2025 से पूर्व झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (खररउ) की परीक्षाओं के लिए नियुक्ति कैलेंडर जारी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा था कि इससे राज्य के युवाओं को सरकारी नौकरी के लिए होने वाली परीक्षाओं के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलेगी और

कैलंडर जारी करने में हुई देरी : बाबूलाल बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबलाल

सीएम उठाएं ठोस कदम राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुख्यमंत्री को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए युवाओं के हित में शीघ्र कदम उठाने

चाहिए। एक ओर जहां मुख्यमंत्री को अपनी राजनीतिक छवि और विकास योजनाओं पर ध्यान देना चाहिए।

भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता आएगी। लेकिन, साल के अंतिम दिन तक न तो परीक्षा परिणाम जारी किए गए और न ही नियुक्ति कैलेंडर के बारे में कोई पहल की में निराशा का माहौल है।

गई। राज्य के लाखों प्रतियोगी छात्रों को इस घोषणा का इंतजार था, लेकिन अब तक मुख्यमंत्री की ओर से कोई ठोस कदम नहीं

एफआईआर दर्ज कराई है।

तत्परता : शहर के री-डेवलेपमेंट को लेकर निगम के अधिकारियों ने की बैठक

सड़क-नाली का रोडमैप किया जाएगा तैयार

मंगलवार को रांची नगर निगम में अपर प्रशासक संजय कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें रांची शहर के री-डेवलेपमेंट को लेकर चर्चो की गई। इस बैठक में निगम के पदाधिकारी, इंजीनियर और कर्मी शामिल हुए। संजय कुमार ने कहा कि रांची नगर निगम क्षेत्र को स्वच्छ और विकसित करना निगम की प्राथमिकता है। इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्यों का निष्पादन समय सीमा के भीतर किया जाएगा। 53 वार्डों में सड़क मरम्मत, मजबूती और चौड़ीकरण के लिए भौतिक निरीक्षण कर एक प्रतिवेदन तैयार किया जाएगा। प्रत्येक वार्ड की टीम में जूनियर इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर, संबंधित वार्ड के सुपरवाइजर, जोनल सुपरवाइजर, नगर प्रबंधक और नगर अभियान प्रबंधक शामिल होंगे। सभी मुख्य मार्गों, कनेक्टिंग पथ, गली–मोहल्लों की सड़कों और छोटी-बडी नालियों का एक डिटेल्ड रिपोर्ट तैयार किया जाएगा। इस रिपोर्ट के आधार पर नई योजनाएं बनाई जाएंगी। जिसमें सड़कों और नालियों की स्थिति को अच्छे, औसत, खराब और बहुत खराब श्रेणियों में बांटा जाएगा। तीन दिनों के भीतर सड़क और नालियों

के निरीक्षण के प्रतिवेदन को तैयार कर राज्य सरकार

को मार्गदर्शन के लिए भेजा जाएगा।

सड़कों और नालियों की स्थिति को श्रेणियों में बांटा जाएगा



• टीम में जेई, एई, वार्ड सुपरवाइजर, जोनल सुपरवाइजर, नगर प्रबंधक और नगर अभियान प्रबंधक होंगे शामिल मुख्य मार्गीं, कनेक्टिंग पथ, गली-मोहल्लों की सड़कों और छोटी–बड़ी नालियों का एक डिटेल रिपोर्ट की

चौक-चौराहों पर होगी नियमित सफाई

मुख्य चौक–चौराहों, महापुरुषों की मूर्तियों की सफाई और डिवाइंडरों की नियमित सफाई कराने का निर्देश दिया गया। नगर निवेशक शाखा और इनफोर्समेंट शाखा को संयुक्त रूप से टीम बनाकर पार्किंग और अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। वहीं अतिक्रमणकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया।

नव वर्ष पर पूरे शहर में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत मुख्य पथ, गली-मोहल्लों, पार्कों और पिकनिक स्पॉट्स में विशेष ध्यान दिया जाएगा। बैठक में नगर निवेशक राम बदन सिंह, निगम के सभी इंजीनियर, नगर प्रबंधक, नगर अभियान प्रबंधक, जोनल सुपरवाइजर और वार्ड सुपरवाइजर उपस्थित थे।

दादीजी के दिव्य ज्योत रथ का रांची में हुआ आगमन RANCHI: श्री ढांद्वण शक्ति प्रचार मंडल के सानिंध्य में भारत भ्रमण पर

निकले मां दादीजी का दिव्य ज्योत रथ मंगलवार को रांची पहुंचा. इस अवसर पर दिन के 12.30 बजे मेन रोड स्थित श्री दुगार्बाड़ी से विशाल शोभायात्रा निकाली गयी। शोभायात्रा में शामिल भारतवर्ष भ्रमण को निकले दिव्य ज्योति रथ में मां दादी विराजमान थी। अद्भुत और अलौकिक इस रथ में स्वर्णिम आभूषणों से सुसज्जित फूलों के श्रृंगार से दरबार सजा था। शोभायात्रा में मुख्य रूप से पुरुष व बच्चे पारंपरिक कुर्ता पैजामा एवं महिलाएं केसरिया साड़ी पहने धर्म ध्वज पताका लेकर चल रहे थे। शोभा यात्रा का मुख्य आकर्षण रथ पर दादी की सजीव झाँकी थी, जिसका भक्त अवलोकन कर रहे थे। तासा, ढोल नगाड़े बज रहे थे। भजनों की गंगा प्रवाहित की

जा रही थी। बाहर से पधारे भजन गायक मूलचंद बजाज, मोनू मोर, जुगल दरगाह, मदन सोनी, ऐनी मिंड्रा, तनय काठपाल, विजय खोवाल के भजन सुन कर लोग मंत्रमुग्ध हो रहे थे। शोभायात्रा दुगार्बाड़ी से फिरायालाल होते हुए शहीद चौक, पुस्तक पथ होते हुए मुख्य यजमान बजाज परिवार के आवास पर पहुंची।

दक्षिण पूर्व रेलवे के ६९वें रेलवे सप्ताह समारोह का किया गया आयोजन

रांची रेलवे स्टेशन को मिला सर्वश्रेष्ठ रख-रखाव वाले स्टेशन का शील्ड

PHOTON NEWS RANCHI रांची रेलवे स्टेशन को दक्षिण पूर्व रेलवे के 69वें रेलवे सप्ताह समारोह में सर्वश्रेष्ठ रख-रखाव वाले स्टेशन का शील्ड प्राप्त हुआ है। यह पुरस्कार रांची रेल मंडल की बुनियादी सुविधाओं और उनके उत्कृष्ट रख-रखाव के लिए दिया गया। समारोह में महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व रेलवे अनिल कुमार मिश्रा ने रांची रेलवे स्टेशन को बोकारो स्टील सिटी स्टेशन के साथ संयुक्त रूप से यह पुरस्कार प्रदान किया। यह पुरस्कार रांची स्टेशन के बेहतर यात्री सुविधाओं, साफ-सफाई और समग्र रखरखाव के लिए दिया गया। मंडल रेल प्रबंधक जसमीत सिंह बिन्द्रा ने स्टेशन प्रबंधक राज कुमार



गुप्ता और मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक आशुतोष कुमार को रांची स्टेशन के अच्छे रख-रखाव और सफाई के प्रति उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। जसमीत बिन्द्रा ने स्टेशन परिसर, प्लेटफार्मीं, फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट, वेटिंग हॉल, पार्किंग और परिसंचरण क्षेत्र की

निरंतर सफाई रखरखाव में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की सराहना की। रांची रेल मंडल के अधिकारियों ने इस पुरस्कार को पूरे स्टेशन की टीम के सामृहिक प्रयास का परिणाम बताते हुए भविष्य में और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा दी।

मायुमं के संस्थापक अध्यक्ष को दी श्रद्धांजलि



JAMSHEDPUR: अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच (मायुमं) के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद सराफ (भाईजी) के निधन पर मंच की स्टील सिटी शाखा ने शोक सभा की, जिसमें 72 वर्षीय भाईजी को श्रद्धांजिल दी गई। साकची के ठाकुरबाड़ी रोड स्थित महालक्ष्मी मंदिर के प्रथम तल पर मायमं के पर्व अध्यक्षों और सदस्यों ने स्व. सराफ के योगदान और प्रेरणादायक जीवन को स्मरण किया। सभा में पर्व अध्यक्ष बिमल रिंगसिया, भरत अग्रवाल, विजय आनंद मुनका, मोहित मुनका, सुमित देबुका, स्टील सिटी सुरभि शाखा की अध्यक्ष कविता अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष उषा चौधरी, जमशेदपुर शाखा के अध्यक्ष अश्विनी अग्रवाल आदि उपस्थित थे। ज्ञात हो कि उनका निधन 22 दिसंबर को हुआ था।

मंत्री दीपक बिरुवा ने ग्रामीणों में बांटे कंबल

CHAIBASA: राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार व परिवहन विभाग के



मंत्री दीपक बिरुवा ने मंगलवार को बड़ा झींकपानी, कोन्दुवा व सेरेंगसिया पंचायत में ग्रामीणों के बीच कंबल वितरण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्या भी सुनी तथा निराकरण का

आश्वासन दिया। इस अवसर पर बड़ा झींकपानी पंचायत के पूर्व प्रमुख मंगल तुबिद, राजीव हांसदा, पंचायत समिति सदस्य हेमवती हेंब्रम, सोनी दोराईबुरू, सतीश गोप, संजय दास, सरोज गोप, तथा कोन्द्रवा पंचायत के मुखिया ललित होनहागा, तुराम बिरुली आदि मौजूद थे।

सडक का टेंडर निकलने पर हुआ लडू वितरण

GHATSILA: झामुमो ने पावड़ा पंचायत अंतर्गत पुराना यूबीआई बैंक



मोड़ से आमईनगर पुलिया तक सडक निर्माण का टेंडर निकलने की खुशी में मंगलवार को लड्डू वितरण

इस रोड की प्रककलित राशि 57 लाख 30 हजार 9 सौ रुपये है। इस रोड की स्थिति काफी जर्जर हो चुकी थी। लड्डू वितरण में मो जलील, विकास मजूमदार, शिवम शर्मा, महेश्वर महाली, सूरज गोप, चंचल सरकार, सागर पानी, गुड्ड चौधरी, काला सरकार, गोपाल कोइरी, संदीप देवगम, आनंद गोयल, बाबूलाल मुर्मू, रिंकू सिंह, हीरा सिंह, सोमेन मिश्रा, सुरजीत सिंह, गुड़ू सिद्दकी, मो. शाहिद आदि शामिल थे।

झाटीझरना पंचायत में हुई पशुओं की चिकित्सा

GHATSILA: प्रखंड के बीहड़ पंचायत झाटीझरना में मंगलवार को



पशुपालन विभाग ने पशु चिकित्सा शिविर लगाया, जिसमें विभिन्न गांव के पालतू पशुओं की चिकित्सा की गई। इसमें मुख्य अतिथि 🌃 जिला परिषद सदस्य देवयानी

मुर्मू के अलावा पंसस बेहूला मुंडा, रबींद्रनाथ प्रमाणिक, फुदान हांसदा, बंकिम सिंह, देवव्रत महतो, सुरेंद्रनाथ सोरेन, विजय सिंह, चवन सिंह, सरस्वती सिंह, हिमानी सिंह, हिमानी महतो आदि उपस्थित थे।

सिद्धांत व प्रवृत्ति पर हुआ दो दिवसीय सेमिनार

GHATSILA: सिद्धांत एवं प्रवृत्ति विषय पर सोना देवी विश्वविद्यालय द्वारा



आयोजित दो दिवसीय इस सेमिनार का आयोजन जसीडीह के डॉ. जगन्नाथ विश्वविद्यालय,

घाटशिला द्वारा किया गया था। इग्नू क्षेत्रीय केंद्र देवघर के शैक्षणिक सहयोग से आयोजित इस सेमिनार में डॉ. जगन्नाथ मिश्रा महाविद्यालय, जसीडीह, अनुचिन्तन फाउंडेशन खगड़िया बिहार तथा शुभा देवी मेमोरियल ट्रस्ट की संयुक्त भागीदारी रही। सेमिनार को सोना देवी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रभाकर सिंह व कुलपति डॉ. जेपी मिश्रा, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा बिहार के पूर्व प्रो. डॉ. संजय झा, राजर्षि जनक विश्वविद्यालय जनकपुरधाम नेपाल के शोध निदेशक डॉ. आरके शाह तथा सलाले विश्वविद्यालय इथोपिया (अफ्रीका) के पूर्व प्रो. डॉ.

मनोज कुमार मिश्रा ने भी अपने विचार साझा किए। कविता दत्त की 70वीं जयंती मनाने की तैयारी

GHATSILA: कविता फाउंडेशन व संयक्त नाटक कला केंद्र, घाटशिला



की बैठक मंगलवार को विभूति मंच परिसर में हुई। इसमें फाउंडेशन के अध्यक्ष देवी प्रसाद मुखर्जी ने कहा कि कविता दत्त की 70वीं जयंती समारोहपूर्वक मनाई जाएगी। इसमें संयुक्त नाट्य

कला केंद्र घाटशिला के कलाकारों द्वारा बांग्ला नाटक का मंचन सुजन सरकार की प्रस्तुति में की जाएगी। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के विधायक सह शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन को सम्मानित किया जाएगा। बैठक में सत्यजीत सीट, मृणालकांति विश्वास, रत्ना मुखर्जी, अनूप दत्ता, दुर्गापदो हाटुई, मोइना कुईला, मौसमी सरकार, कृपासिंधु महतो, इंद्र कुमार आदि उपस्थित थे।

गुरविंदर सेठी के निधन पर सिख समाज में शोक

JAMSHEDPUR: भाजपा के वरिष्ठ नेता सह भाजपा अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष गुरविंदर सिंह सेठी के निधन से सिख समाज में



शोक की लहर फैल गई है। भाजपा के सिख युवा नेता सतबीर सिंह सोमू ने कहा कि सेठी साहब का इस तरह हमें छोड़ कर जाना झारखंड के सिख समाज के लिए बहुत बड़ी क्षति है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के मीडिया प्रभारी रविंदर सिंह रिंकू ने कहा कि उनका जाना मेरी व्यक्तिगत क्षति है। सिख नेता चंचल भाटिया

ने कहा कि सिख समाज ने आज एक अनमोल मोती खो दिया है, जिसकी भरपाई नामुमकिन है।

पुरोहित विजय पाठक को दी गई श्रद्धांजलि

JAMSHEDPUR : धर्मरक्षिणी पौरोहित्य महासंघ की शोकसभा मंगलवार को मानगो के उलीडीह में हुई, जिसमें सदस्य पं. विजय पाठक



(38) को श्रद्धांजलि दी गई। पंडित लाइन के आशीर्वाद नगर में दो मिनट का मौन रखा गया। विदित है कि विजय पाठक का स्वर्गवास 23 दिसंबर को ब्रह्मानंद अस्पताल में हो गया था। वे अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र व दो पुत्री छोड़ गए हैं। शोकसभा में महासंघ

के अध्यक्ष पं. विपिन झा, मदन झा, नीरज झा, सुधीर झा, राम शंकर झा, दिलीप कुमार वत्स, सत्येंद्र शास्त्री आदि उपस्थित थे।

यात्रियों की सुविधा व सुरक्षा पर रेलवे का रहेगा विशेष ध्यान : डीआरएम

नए मंडल रेल प्रबंधक ने किया टाटानगर, गम्हरिया व सीनी स्टेशन का निरीक्षण

चक्रधरपुर रेल मंडल के नए मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) तरुण हरिया ने मंगलवार को टाटानगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन की यात्री सुविधाओं, चल रहे विकास कार्यो और सुरक्षा उपायों का जायजा लिया। डीआरएम तरुण हुरिया ने पूरे स्टेशन परिसर में घूम-घूम कर सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान थर्ड फुटओवर ब्रिज, प्लेटफार्म नंबर 2-3 पर लग रही लिफ्ट, सेकेंड इंट्री गेट की ओर बन रहे जनऔषधि केंद्र का

इस दौरान डीआरएम तरुण हुरिया ने कहा कि सुबह से ही निरीक्षण कर यहां यात्री सुविधाओं का जायजा लिया गया है। टाटानगर

सीबीएसर्ड : डकलौती बेटी की छात्रवृत्ति को 10 तक कर सकते आवेदन

JAMSHEDPUR : हर साल इकलौती बेटियों को दी जाने वाली स्कॉलरशिप के आवेदन करने की तारीख सीबीएसई ने आगे बढ़ा दी है। अब आवेदक 10 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। पहले यह तारीख 23 दिसंबर थी। वहीं स्कूलों को अपने यहां पढ़ रहीं छात्राओं के आवेदन 17 जनवरी तक वेरिफाई करना हैं। यह अतिरिक्त समय नया आवेदन करने वाली और स्कॉलरशिप रिन्यू कराने वाली इच्छुक छात्राओं के लिए दिया गया है। इस शैक्षणिक वर्ष के लिए कक्षा 11वीं में पढ़ रही इकलौती बेटियों के लिए यह सिंगल गर्ल चाइल्ड स्कॉलरशिप स्कीम लागू है। 11वीं में पढ़ रही छात्राएं फ्रेश आवेदन कर सकती हैं, वहीं 12वीं में पढ़ रही छात्राएं अपना स्कॉलरशिप एक साल और आगे बढ़ाने के लिए आवेदन कर



टाटानगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करते डीआरएम तरुण हुरिया

सहित पांच अन्य स्टेशनों का डिटेल निरीक्षण किया गया। प्राथमिकता यह सनिश्चित करना है कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा बेहतर हो। इसके साथ ही डीआरएम ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करनी है। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने सुरक्षा मानकों पर विशेष ध्यान देने

की बात कही। उन्होंने कहा कि रेलवे की सेवाओं को और अधिक सरक्षित और सगम बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सनीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि रेलवे सेवाओं में सुधार के लिए जरूरी कदम

उठाए जाएंगे। पदभार ग्रहण करने मद्रासी सम्मेलनी में शास्त्रीय



संगीतज्ञों ने किया मंत्रमुग्ध

बिष्टुपुर में कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार

JAMSHEDPUR : नववर्ष की पूर्व संध्या पर बिष्टुपुर स्थित मद्रासी सम्मेलनी में शास्त्रीय वाद्ययंत्र कार्यक्रम लयविन्यास हुआ। इसमें कोलकाता के सुप्रसिद्ध मृदंगम कलाकार शंकर नारायणस्वामी एवं उनके सह-कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के पहले भारतरत्न की सुब्बुलक्ष्मी

के

गए। श्रद्धालुओं ने विवाह के मंगल

गीत गाए। कथावाचक ने कहा कि

रुक्मणी विदर्भ देश के राजा भीष्म

की पुत्री और साक्षात लक्ष्मी का

अवतार थीं। रुक्मिणी ने जब

देवर्षि नारद के मुख से श्रीकृष्ण के

रूप, सौंदर्य एवं गुणों की प्रशंसा

सुनी तो उन्होंने मन ही मन श्रीकृष्ण

से विवाह करने का निश्चय कर

लिया। उन्होंने कहा कि भगवान

कृष्ण ने 16 हजार कन्याओं से

विवाह कर उनके साथ सुखमय

जीवन बिताया।

जीवात्मा-परमात्मा के मिलन

से हुई महारास लीला : आचार्य

टुइलाडुंगरी में प्रवचन देते आचार्य आशुतोष तिवारी

JAMSHEDPUR : गोलमुरी के

दुइलाडुंगरी स्थित गाढ़ाबासा

कम्युनिटी सेंटर में चल रही

भागवत कथा के छठवें दिन

मंगलवार को व्यास पीठ से

कथावाचक आचार्य आशुतोष

तिवारी शांडिल्य जी महराज

(अयोध्या) ने श्रीकृष्ण-रुक्मिणी

विवाह, रास पंचांग अध्याय, गोपी-

उद्धव संवाद कथा का सुंदर वर्णन

किया। कथाव्यास की वाणी से

कृष्ण-रुक्मिणी विवाह का वर्णन

सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो

PHOTON NEWS JSR:

होने जा रहा है।

एक्सएलआरआई जमशेदपुर का

प्रतिष्ठित वार्षिक मेला, मैक्सी

फेयर, इस बार 18 और 19

जनवरी 2025 को आयोजित

यह मेला हर साल शहरवासियों

के लिए खास उत्सव का रूप

लेता है और इस बार इसके 45वें

संस्करण में एक अनोखा

अनुभव होगा। इस दो दिवसीय

मेला में जमशेदपुर और इसके

आसपास के लोग विभिन्न

कार्यक्रमों का हिस्सा बन सकेंगे,

लेकिन मुख्य आकर्षण होगा

समापन की शाम 19 जनवरी को

बॉलीवुड गायक सोनू निगम का

लाइव संगीत कार्यक्रम। सोनू

शहरवासियों को झूमने पर

मजबूर कर देंगे।

अपने गानों

भज गोविंदम... प्रस्तुत किया गया, जिसे एमएस सुब्बुलक्ष्मी ने गाया और संगीत दिया है। दूसरी प्रस्तुति में लयविन्यास द्वारा रचित रचना राग हंसध्वनि पर आधारित तीसरा नदाई एवं चतुरसा नदाई तालों की प्रस्तुति दी गई। राग मोहनम पर आधारित 9 मात्रा पर भूपाली पेश की गई। इसके बाद राग वृंदावनी के बाद राग मिश्रा चापु में आदि ताल एवं तीन ताल पेश किए एवं वाद्ययंत्रों की युगलबंदी के साथ साथ आदि शंकराचार्य लिखित प्रसिद्ध गीत प्रथम अध्याय समापन हुआ।

• फोटोन न्यूज

नेताओं की लड़ाई में बजबजा रही गंदगी



JAMSHEDPUR : मानगो मे कचरा उढाव की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है। नेताओं के वर्चस्व की लड़ाई मे मानगो वासी बजबजाती गंदगी में रहने को विवश हैं। उक्त बातें सामाजिक कार्यकर्त्ता मनोज मिश्रा ने मंगलवार को संकोसाई में हुई बैठक में कही। उन्होंने कहा कि मानगी का कचरा संकट जल्द दूर नहीं किया गया तो मानगोवासी जल्द ही मानगो वासी बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि भारी भरकम होल्डिंग टैक्स लेने के बाद भी मानगो नगर निगम जनता को मूलभूत सुविधा भी उपलब्ध कराने मे नाकाम है। मनोज मिश्रा ने कहा कि कचरा संकट को लेकर मानगो वासी एकजुट हैं तथा सड़क से न्यायालय तक आंदोलन करने को तैयार हैं। इस बैठक मे किशोर वर्मा, निभा शुक्ला, सुबोध कुमार, रेणु सिंह, शुभश्री दत्ता,

शंकर दत्ता, मीनू सिन्हा, रणधीर,

प्रकाश, मुकेश सहित कई लोग

उपस्थित थे।

एक्सएलआरआई के कैंपस में 18 व 19 जनवरी को होगा मैक्सीफेयर का रंगारंग कार्यक्रम

बॉलीवुड सिंगर सोनू निगम खूब मचाएंगे धूम



सीएम हेमंत आज

JAMSHEDPUR : रेलवे के लिए यह वर्ष बेहद

महत्वपूर्ण है। शहरवासियों को जुगसलाई फुटओवर

स्टेशन जैसी कई सुविधाएं मिलने जा रही है। इससे

लाखों की आबादी को नई सुविधाओं से राहत मिलेगी।

आदित्यपुर के नवनिर्मित रेलवे स्टेशन को टाटानगर का

जुगसलाई फुट ओवरब्रिज

जुगसलाई फुटओवर ब्रिज का निर्माण तेजी से चल रहा

हैं। पिलर बन् गए हैं, वहीं गार्डर भी चढ़ाया जा चुका है।

रेलवे का इंजीनियरिंग विभाग इसका तेजी से निर्माण

कर रहा है। उम्मीद है कि जनवरी अंत तक जुगसलाई

फुट ओवर ब्रिज बनकर तैयार हो जाएगा। इससे हजारो

पैंदल यात्री जो कि रेलवे ट्रैक पार कर रहे है, उन्हें

मौका मिल सकेगा।

फुटओवर ब्रिज से सुरक्षित रेलवे ट्रैक पार करने का

सैटेलाइट स्टेशन के रूप में इस्तेमाल करने की रेलवे

की योजना है। कई ट्रेनों के टाटानगर के बदले

आदित्यपुर से खोले जाने की योजना पर विचार

ब्रिज, लोको अंडर ब्रिज और नवनिर्मित आदित्यपुर रेलवे

सोरेन बुधवार को सरायकेला– खरसावां जिला स्थित खरसावां आएंगे, जहां वे खरसावां गोलीकांड के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। जिला प्रशासन के अनुसार, मुख्यमंत्री दोपहर 12.35 बजे खरसावां के अजुर्ना स्टेडियम स्थित अस्थायी हेलीपैड पहुंचेंगे। सीएम यहां से चांदनी चौक होते हुए दोपहर 1.05 बजे शहीद पार्क जाएंगे । श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद सीएम जनसभा को संबोधित कर दोपहर 1.45 बजे हेलीकॉप्टर से रांची रवाना हो जाएंगे। ज्ञात हो कि 1 जनवरी 1948 को यह घटना हुई थी, जब हजारों आदिवासियों की भीड़ पर प़्रिस ने मशीनगनों से फायरिंग कर दी थी। इसमें हजारों लोग मारे गए थे। समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया ने इसे आजाद भारत का जलियांवालाबाग

इस वर्ष शहरवासियों को रेलवे देगा कई सौगातें आदित्यपुर का नया रेलवे स्टेशन

आदित्यपुर रेलवे स्टेशन का नया स्टेशन भवन बनकर तैयार हो गया है। स्टेशन पर नया फुटओवर ब्रिज भी बना है, जो कि प्लेटफार्म नंबर 1 को 2–3 और 4–5 से जोडता है। वहीं प्लेटफार्म की संख्या भी बढ़ी है। स्टेशन को निर्माण अंतिम चरण पर जारी है। प्लेटफार्म संख्या 4-5 का निर्माण चल रहा है। इसके साथ ही प्लेटफार्म संख्या १ की ओर भी कुछ काम बाकी है, पार्किंग एरिया को ठीक किया जाना है। साँथ ही स्टेशन के आगे पार्क बनाया जा रहा है। रेलवे विकास निगम की ही सूत्रों की मानें तो फरवरी अंत तक आदित्यपुर का स्टेशन पूरी तरह तैयार कर रेलवे को सौंप दिया जाएगा।

लोको अंडरब्रिज

टाटानगर के ठीक आगे लोको अंडर ब्रिज का निर्माण चल रहा है। लोको अंडरब्रिज में एक ओर पाथ वे बनकर तैयार हो गया है। वहीं 83 मीटर लंबा अंडर ब्रिज पहले ही बन गया है। अभी एरिया मैनेजर ऑफिस की ओर बन रहा दूसरा पाथवे का काम जारी है। यह लोको अंडर ब्रिज बन जाने से लोको कॉलोनी, मकदमपुर समेत बड़े इलाके के लाखों लोगों को राहत मिलेगी।

स्टेशन पहुंचे तरुण हरिया ने कहा हैं. आने वाले समय में मीडिया से कि वे अभी वस्तुस्थिति समझ रहे विस्तार से चर्चा करेंगे।

मकर संक्रांति पर दोमुहानी में बनारस की तर्ज पर होगी आरती



बिष्टुपुर स्थित गोस्वामी मंदिर परिसर में बैठक को संबोधित करते रवि प्रकाश सिंह

JAMSHEDPUR: खरकई लिंक रोड, बिष्टुपुर स्थित गोस्वामी मंदिर में मंगलवार को हिंदू उत्सव समिति की बैठक हुई। इस बार भी सोनारी स्थित दोमुहानी घाट पर हिंदू उत्सव समिति व उम्मीद-एक अभियान के संयुक्त तत्वाधान में दोमुहानी संगम महोत्सव-2025 का आयोजन 13 ओर 14 जनवरी को किया जा रहा है, जिसमें संगम तट पर बनारस ओर हरिद्वार की तर्ज पर भव्य गंगा आरती होगी। इस कार्यक्रम में 13 जनवरी को संध्या बेला में पर्यावण व नदी संरक्षण पर व्याख्यान होगा, तत्पश्चात सांस्कृतिक भजन संध्या होगी। 13 जनवरी को ही जमशेदपुर के ऐसे युवाओं को सम्मानित किया जाएगा, जो समाज व धर्म क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। 14 तारीख को नदी पूजन व आकर्षण का केंद्र भगवती स्वरूपा स्वर्णरेखा की भव्य आरती (गंगा आरती) की जाएगी। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष रवि प्रकाश सिंह ने कहा कि पिछले साल के कार्यक्रम में हजारों लोग उपस्थित हुए थे।

विधायक जगत माझी ने आनंदपुर प्रखंड में लगाया जनता दरबार

बक प्रबंधक का बुलाकर ग्रामाणा स बहतर व्यवहार करन का दिया निदश

PHOTON NEWS ANANDPUR: मनोहरपुर के विधायक जगत माझी ने मंगलवार को आनंदपुर प्रखंड सह अंचल कार्यालय स्थित विधायक कार्यालय में जनता

दरबार लगाया। इसमें उन्होंने लोगों की समस्या सुनी और ऑन द स्पॉट समाधान किया। जनता दरबार में प्रखंड, अंचल, वन विभाग, बैंक आदि से संबंधित समस्या लेकर लोग पहुंचे थे।

ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष केवाईसी अपडेट को लंबे समय तक लंबित रखने और पेंशन राशि निकासी में बैंककर्मियों द्वारा परेशान करने की समस्या बताई। विधायक ने बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक को मौके पर

नए इवेंट्स और थीम

मैक्सी फेयर 2025 का इस बार

का थीम 'मार्केटिंग महोत्सव

होगा, जिसके तहत मेला पूरी तरह से मार्कटिंग से जुड़ी

गतिविधियों और कार्यक्रमों से

लोग खरीदारी के साथ-साथ

विविध खेल, उत्सवों और सत्रों

से बच्चों और वयस्कों के लिए

खरीदारी स्टॉल, मजेदार खेल,

अतिथि वक्ता सत्र, मनोरंजन

के लिए सवारी और रोमांचक

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

उपहार होंगे।

का आनंद ले सकेंगे। विशेष रूप

भरा होगा। यहां हर आयु वर्ग के



अपने कार्यालय में लोगों की समस्या सुनते विधायक जगत माझी

साप्ताहिक हाट के दिन भी सुनेंगे जनता की समस्या

विधायक ने बताया कि जनता ने उन्हें बड़ी उम्मीद से चुना है, इसलिए उनकी कोशिश है कि छोटे–छोटे कार्यों के लिए उन्हें परेशान होना नहीं पड़े। ग्रामीणों की समस्या को समय पर दूर करने के लिए वह सप्ताह में एक दिन प्रखंड कार्यालय स्थित विधायक कक्ष में जनता दरबार कर समस्या सुनेंगे और समाधान का प्रयास करेंगे। विधायक ने बताया कि मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी प्रखंडों में साप्ताहिक हाट के दिन जनता की समस्या सुनेंगे।

बुलाकर ग्राहकों के साथ अच्छा करने की हिदायत दी। करीब दो व्यवहार करने और परेशान नहीं घंटे तक विधायक ने समस्या सुनी।

JAMSHEDPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने 1 जनवरी से टाटानगर से चलने वाली 17 ट्रेनों का समय में बदलाव किया है। ये सभी ट्रेन टाटानगर से खुलती है। इसमे टाटा-पटना वंदेभारत एक्सप्रेस, टाटा- ब्रह्मपुर एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनों के समय में बदलाव हुआ है। इन ट्रेनों के समय में बदलाव

इन ट्रेनों का बदला गया समय

टाटानगर एनार्कुलम एक्सप्रेस सुबह 5.15 की जगह 5 बजे खुलेगी

टाटानगर यशवतपुर शाम 6.15 के बजाय शाम 5.45 बजे खुलेगी

• टाटानगर-राउँरकेला मेमू शाम ३.३५ के बदले शाम ५.२० बजे खुलेगी

टाटानगर- हिटया दोंपहर 12.00 के बजाय सुबह 11.50 बजे खुलेगी

टाटानगर- अमृतसर जिलयांवाला बाग रात 8.55 के बदले रात 8.30 बजे खुलेगी

• टाटानगर- थावे छपरा रात ९.१० के बजाय रात ८.४५ बजे खुलेगी

इस कार्यक्रम में भाग लेने के इंच्छुक प्रतिभागी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन शुल्क २५० रुपये रखा गया है। इस साल के मैक्सी फेयर में पहले से कहीं ज्यादा रोमांचक और बड़ा अनुभव होगा।

वदेभारत एक्सप्रेस समेत दो दर्जन ट्रेनों का समय बदला

15 मिनट से 1 घंटे तक का हुआ है। कई ट्रेनों का नंबर भी बदला गया है।

टाटानगर-विशाखापत्तनम सुबह ७७.२० के बदले ७०.२५ बजे खुलेगी

 टाटानगर- बेंगलुरू एक्सप्रेस शाम 7.15 के बजाय शाम 5.45 बजे खुलेगी टाटा-बिलासपुर एक्सप्रेस शाम 7.45 बजे के बदले शाम 7 बजे खुलेगी

 टाटानगर-ब्रह्मपुर वंदे भारत दोपहर 2.50 बजे के बदले दोपहर 2.30 खुलेगी • टाटानगर- बव्सर सुबह 8.15 के बदले सुबह 7.55 बजे खुलेगी

टाटानगर- गोड्डा दोपहर 2.15 के बदले दोपहर 2.00 बजे खुलेगी टाटानगर- जम्मू शाम 5.05 के बदले शाम 4.55 बजे खुलेगी

 टाटानगर-किटहार रात 9.10 के बदले रात 8.45 बजे खुलेगी टाटा-पटना वंदे भारत ट्रेन सुबह 5.30 के बदले 5.25 बर्जे खुलेगी

 टाटानगर- बादामपहाड़ मेमू ट्रेन सुबह 4.00 के बदले शाम 4.15 बजे खुलेगी • टाटानगर- बादामपहाड़ मेमूँ ट्रेन सुबह 9.50 के बदले 9.35 बजे खुलेगी

 टाटा- जयनगर शाम 6.50 बजे के बजाय शाम 6.40 बजे खुलेगी टाटा– आरा ट्रेन सुबह ८.15 बजे के बजाय सुबह ७.55 बजे खुलेगी।

प्रसिद्ध गानों की धुनों पर जमशेदपुरवासियों और एक्सलर्स को झूमने पर मजबूर करेंगे। यह कार्यक्रम विशेष रूप से पास से उपलब्ध होगा और इसे ऑनलाइन खरीदा जा सकता है।

सिगर का लाइव कसट

इस बार के मैक्सी फेयर में सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित करेगा

बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक सोनू निगम का लाइव शो, जहां वह अपनी



नव वष 2025

विश्वमर में नया साल मनाने का तरीका भी अलग-अलग है. सभी धर्मों में नया साल एक उत्सव की तरह अलग-अलग अंदाज में अलग-अलग परंपराओं के साथ मनाया जाता है. दुनिया में सबसे अधिक देशों में ईसाई नव वर्ष मनाए जाने की परंपरा है. ईसाई वर्ष १ जनवरी से शुरू होकर ३१ दिसंबर तक १२ महीनों में बंटा हुआ है. खास बात यह है कि भले ही दुनिया के सभी धर्मों के रीति-रिवाज अलग-अलग हों लेकिन १ जनवरी को सभी देशों में नए साल की धूम रहती है. विश्व में वर्ष के अंतिम कुछ क्षणों में आतिशबाज़ी करते हुए पुराने साल को विदा और नव वर्ष का स्वागत किया जाता है.

क्या है न्यू ईयर की कहानी?

हजारों साल पहले प्राचीन बेबीलोन में न्यू ईयर की शुरुआत हुई थी. परंतु उस समय नव वर्ष का यह उत्सव २१ मार्च को मनाया जाता था जो कि वसंत के आगमन की तिथि थी. जो हिन्दुओं का नववर्ष है. ग्यारह दिनों तक चलने वाले पर्व के रुप में यह वसंत ऋतु के पहले दिन से शुरू होता था. इसीलिए सितंबर सातवां, अक्टूबर आठवां, नवंबर नौवां और दिसंबर दसवां महीना माना जाता था. जैसा कि इनके <mark>नामों से स्पष्ट होता है. यह गणना रोमन कैलें</mark>डर के अनुसार किया जाता था जो सातवीं शताब्दी बीसी से शुरू हुआ और यह चन्द्रमा के चऋ के मुताबिक था. रोमन कैलेंडर अटकलबाजी के बलबूते बनाया गया था. जो 1 मार्च से <mark>शुरू होता था. तब एक साल में 304 दिन और कुल 10</mark> महीने हुआ करते थे. मार्च से लेकर दिसम्बर तक, इन महीनों के नाम इस तरह थे मर्सिअस, एप्रिलिस, मैयास, जूनियस, कुइन्तिलिस, सेक्सिटिलिस, सेप्टेम्बर, ओक्टोबर, <mark>नोवेम्बर, और डिसेम्बर.लेकिन सन १५</mark>७० के आसपास पोप ग्रेगरी XIII ने ऋस्टोफर क्लेवियस को एक नया कैलेंडर बनाने का जिम्मा सौंपा. इस तरह सन 1582 में <mark>ग्रेगोरियन कैलेंडर अस्तित्व में आया. तब से</mark> पूरी दुनिया में नए साल का उत्सव बदस्तूर १ जनवरी को मनाया जाता है.

न्यु ईयर पर अमेरिका की बॉल डॉपिंग परंपरा

वैसे तो विश्व में वर्ष के अंतिम कुछ क्षणों में आतिशबाजी करते <mark>हुए पुराने साल को विदा और नव वर्ष</mark> का स्वागत किया जाता है परंतु अमेरिका में यह उत्सव अलग तरीके से <mark>मनाया जाता है। यहाँ का 'बॉल ड्रॉपिंग'</mark> दुनिया का सबसे मशहूर बॉल ड्रॉपिंग कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम न्यूयॉर्क शहर के टाइस स्वायर पर न्यू इयर्स ईव की मध्यरात्रि को होता है। इससे पहले डाउनटाउन मैनहट्टन के ट्रिनिटी चर्च के घंटे को सुनने के लिए आधी रात में लोग जमा होते थे। द न्यूयॉर्क टाइस ने सन 1904 में जन मानस को आकर्षित करने के लिए न्यूयॉर्क टाइस की ईमारत पर जोरदार आतिशबाजी की। इससे लोग आकर्षित तो हुए लेकिन पटाखों के कारण सड़कों पर गरम राख और पटाखों के टुकड़ों की बरसात हुई जो कि हानिकारक होने के साथ कचरा जमा होने का भी कारण बना इन्हीं वजहों से न्यूयॉर्क पुलिस ने वहां आतिशबाजी करने के कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगा दिया। तब न्यूयॉर्क टाइस के मालिक एडोल्फ ऑस ने अपने चीफ इलेट्रिशियन वॉल्टर पाल्मर को नया रास्ता निकालने के लिए कहा। पाल्मर के डिजाइन के आधार पर ऑस ने आर्टक्राट स्ट्रॉस साइन कंपनी को लगभग 318 किलों की लोहें व लकड़ी से निर्मित और 25 वाट के 100 बल्बों से जड़ित बॉल बनाने की जिमेदारी दी। इस बॉल को <mark>पहली बार इलेट्रिसिटी का उपयोग कर सन</mark> 1908 के बॉल ड्रॉपिंग में प्रयोग किया गया।

भारतीय नव वर्ष

ग्रेगोरियन क्लैंडर का अनुसरण वैसे तो पूरी दुनिया में हो रहा है लेकिन विभिन्न देशों में वहां की संस्कृति के अनुसार भी नया साल मनाने की परंपरा है। भारत में तो विभिन्न धर्म व संप्रदाय एक साथ रहते हैं। इन धर्मों व संप्रदायों के कैलेंडर भी अलग-अलग हैं अत: इनके नव वर्ष की तिथियां भी अलग-अलग होती हैं। हिंदू नववर्ष की बात करें तो यह चैत्र माह की शुल प्रतिपदा तिथि से आरंभ होता है जो कि अंग्रेजी कैलेंडर वर्ष के अनुसार मार्च-अप्रैल माह में पड़ता



लीजिये, हंसता और मुस्कुराता, खिलखिलाकर नव उल्लास बिखराता, निराशा को भगाता और आशा को बटोरता नया वर्ष फिर से आ गया। चारों ओर देखिये, पेड़ नये पड्डों और कलियों के आगमन से कैसे झूम रहे हैं। पेड़-पौधे मुक्तहस्त होकर सुगंध बांट रहे हैं। भला कौन वह मूर्ख होगा, जो परिवार में आ रहे नये सदस्यों को देख खुश न हो। पशु हो या पक्षी, मानव हो या वनस्पति; सब पुराने के जाने पर दुखी होते हैं; पर वह दुख नवआगत के स्वागत के कारण धूमिल भी हो जाता है। यही सृष्टि का नियम है, इसलिए आज सब खुश है। आखिर क्यों न हों, नया साल जो आया है।

दोस्तों, हर देश व संस्कृति में अलग अलग तारीख में नया वर्ष मनाये जाने की परम्परा पहले से ही चली आ रही है. लोग अलग अलग तरीके से इस आयोजन को मानते है, जैसे कोई दारू पीता है तो कोई पार्टी करता है, कही लोगो व्यर्थ में बैठे रहते है तो कोई मजे के नाम पर समय व पैसो की बर्बादी करता है. लेकिन कुछ लोग खुद में सुधार के लिए अच्छा काम भी करते है लेकिन समय बीतने के साथ ही वह अपने संकल्पों को जान-बूझकर तोड़ देते है और पुराने ढर्रे पर ही वापस आ जाते है. एक साल में ही 'ढाक के तीन पात' वाली स्थिति नज़र आने लगती है। वैसे भी किसी नयी शुरुआत के लिए नये साल या किसी मुहूर्त की प्रतीक्षा ही क्यों करना ? इस बार हम नये साल क्या हर साल व हर क्षण को सार्थक करने के कुछ सरल तरीके बता रहे हैं जिसमे आपको अपने अंदर कुछ ज्यादा बदलाव करने की जरूरत नहीं है बिल्क आपको इन्हें तुरंत ही तन-मन-धन से भी अधिक ध्यान से अपनाने की जरूरत होगी

अपनी कमाई और खर्ची का लेखा-जोखा रखें -

दोस्तों, इस नव वर्ष में आपको सबसे पहले अपने खर्चे व होने वाली कमाई का एक लेखा जोखा जरुर रखना चाहिए. एक ऐसा लेखा जोखा बनायें जिसमें हर दिन के हिसाब से अपने प्रत्येक छोटे—से—छोटे खर्चे का भी उल्लेख करें किन्तु ध्यान रखें कि किसी को बुरा न लगे या किसी पर किया गया खर्चा 'अहसान जताने' जैसा न हो. हो सके तो ऐसा लगे भी ना ! आप अपना लेखा जोखा शुरू करोगे तो आपको अपने व्यर्थ खर्चो को ष्टश्टुह्नह्मश्च कर सकोगे साथ ही साथ इससे आपको विलासादि जैसे व्यर्थ खर्चे न्यूनतम करते हुए शून्य करने व अच्छे काम में किये गये खर्चो को बढाने में सहायता होगी।

ब्रह्ममुहूर्त में उठने की आदत बनायें -

दोस्तों, हमारे लिए सुबह उठना काफी फायदेमंद होता है और इससे हमारी बॉडी तरोताजा रहती है. सुबह जल्दी उठने से हमारे पास एक्स्ट्रा टाइम भी होता है. इसलिए सुबह सूर्य की पहली किरण पहुँचने से पहले उठकर स्नान करने की आदत एक बार बना ली तो यह बात गाँठ बाँध लीजिए कि आप अपनी पुराणी स्थिति की अपेक्षा अधिक सहज रहेंगे. आपका समय-प्रबन्धन अब कुछ ठीक प्रकार से हो जायेगा व आप दिन-रात ताम-झाम में डूबी रहने वाली व टाइम नहीं है जैसी समस्याओं से दूर हो जाओगे. अब आपके पास समय ही समय होगा और अपने दिन भर के काम आप एक ही दिन में पूरे करने लगोगे.

अपनी डायरी मैण्टैन करें –

टी.वी. के सामने व्यर्थ बैठे रहने, शराब, धूम्रपान करने में जो आपने अपना नुकसान किया उसकी सारी विवरण, कार्य व समय इत्यादि के अनुसार प्रतिदिन इस प्रकार लिखें कि जिस दिन आप उस निरर्थकता से बचे तो आपको आनन्द आयेगा व संतोष का अनुभव होगा तथा गम्भीरता से पालन किया तो किसी दिन ऐसी स्थिति भी आ जायेगी कि आपको यह सब लिखने की जरूरत भी अनुभव नहीं होगी या आप पूरी तरह से सुधर चुके होंगे। जब भी कोई उल्लंघन करें तो अपने आप को कुछ सज़ा दें, जैसे कि अगले दिन चाय-काफ़ी बिल्कुल न पीयें, कल साईकल ही चलायें, कल 10-10 मिनटस तक कम से कम तीन बार रस्सी कूदें इत्यादि। ग़लती को दोहराने पर सज़ा की मात्रा व तीव्रता बढ़ा दें ताकि स्वयं को संदेश जाये कि अबकी बार



नववर्ष को जिन्दगी का सबसे बड़ा वर्ष कैसे बनाये ?

अधिक सावधानी बरतनी है, या दण्ड झेलना और कठिन हो जायेगा।

मिट्टी के दो कटोरे में डेली पानी भरे –

हाट जाकर देसी मिट्टी से बने दो सकोरे लायें जिन्हें प्रतिदिन धो-धोकर एक सकोरे में पेयजल भरें व दुसरे में मिश्रित देसी साबुत अनाज को मिक्स करके रखे, स्थानीय किराना दुकान या अनाज-व्यवसायी से बोलें. समस्त देसी व साबुत अनाजों का एक मिश्रण तैयार कर दें। शहर हो या गाँव हर स्थिति-परिस्थिति में पक्षियों व गिलहरियों को स्वच्छ पेयजल व पौष्टिक व स्वादिष्ट शुद्ध भोजन की कमी की सतत पूर्ति का यह सबसे सरल उपाय है एवं हम सबके 'मनुष्य' होने को परिभाषित करता ईश्वरीय उत्तरदायित्व भी।

कील-तार-सीमेण्ट-ऋांऋीट से करें मुक्त -

आपने देखा होगा की कई बार कई पेड़ – पौधे तार व अन्य चीजो से दब जाते है या उनके ऊपर किसी सामान का बोझ लदा रहता है जिस कारण वह पौधे या तो टूट जाते है या उनका विकास नहीं हो पाता. इसलिए हर दिन लेखा–जोखा रखें कि आज आसपास या आपके घर से दूर कितने पेड़ों से आपने कीलें निकालीं, उनसे तार हटाये, उनका दम घोंट रही ऋांऋीट अथवा सीमेण्ट को दूर किया. इसके लिये अपने पास प्लायर, कैंची, लौहे की छोटी–सी राड, खुरपी इत्यादि का एक पैकेट रखें जो अन्य कई कार्य भी आयेगा।

जीव जन्तुओं की सेवा की साप्ताहिक रिपोर्ट कार्ड –

अपनी आँखों को खुला रखकर घर से बाहर निकलें, जहाँ भी कोई पशु-पक्षी घायल, भूखा-प्यासा या अन्य किसी भी प्रकार से रोगी व ज़रूरतमंद लगे तुरंत रुककर उसे सहायता पहुँचायें, आवश्यकता पड़ने पर खुद ट्राली या ऑटो की व्यवस्था करवाकर उसे चिकित्सालय पहुँचायें. उसकी निगरानी करें व जरूरत पड़ने पर डाक्टर इत्यादि को बुलवाने का भी ख्याल रखें। वैसे भी ये कार्य करने में उतने कठिन नहीं होंगे परन्तु यदि पैसो से जुड़ी जैसी कोई समस्या या अन्य कोई बात आड़े आये तो भी परिचितों व अपरिचितों से सहायता माँगने में संकोच न करें।

बीज व वृक्षारोपण करे –

अपने साथ यहाँ-वहाँ से इकट्ठे किये गये बीज (जैसे सीताफल, बकायन, आम, चीकू, जामुन, शीशम) रखें जिन्हें आप आते-जाते मार्ग में जहाँ-जहाँ या नम व कुछ सुरक्षित-सी लगने वाले भूमि में एक छोटी-सी लकड़ी से खोदकर गड़ाते चलें जिनमें से यदि 5 प्रतिशत भी पेड़ बने तो आपका समूचा प्रयास सफल ही कहा जायेगा. स्थानीय नर्सरी से कुछ ऐसे पेड खरीदे जो लोगों को बहुत भायेंगे, जैसे कि तेजपत्ता, दालचीनी, मीठी नीम, कपूर, गुग्गल, अमरूद, अनार, बेलपत्र, नारियल आदि, जहाँ-तहाँ पूछताछ जारी रखें व यदि कोई भूस्वामी, मकान-मालिक, मंदिर-पुजारी या दुकानदार अपने इलाके या अधिकार क्षेत्र में वह प्रजाति लगवाना चाहे तो वहाँ स्वयं अपने हाथों से लगाकर आयें व उसकी सुरक्षा व नियमित पानी देने का निवेदन भी करके आयें. आपके द्वारा की गयी यह पहल आपके पुण्य तो बढ़ायेगी ही, साथ में हरियाली बढ़ाने के साथ सौहार्द्र बढ़ाने में भी प्रमुख भूमिका निभायेगी. यदि वृक्ष सुरक्षा-कवच बनाना हो तो तीन-चार मजबूत डण्डे, बाँस, पुरानी पड़ी राड्स गड़ाकर.. ठौंककर या गड्ढे खोदकर व रस्सियाँ या बेर-बबूल के काँटों से आप बड़ी आसानी से यह भी कर सकते हैं।

बिना स्वार्थ के कर्म करे –

स्वार्थ या अपने कुल-कुटुम्ब के लिये तो कुत्ता भी बहुत कुछ कर ही लेता है परन्तु निःस्वार्थ भाव से या परायों के लिये, पेड़-पौधों व पशु-पक्षियों, अनाथों-बूढ़ों, अपरिचितों इत्यादि के लिये कुछ किया हो तो भगवान् को लगे कि आपको मानव जन्म प्रदान करना सार्थक हो रहा है. इस बात को समझने के लिए आप हमारा जीवन की सार्थकता के 41 मार्ग यह आर्टिकल जरुर पढ़ा जा सकता है। उपरोक्त सम्पूर्ण डाटाबेस हर दिन के आधार पर तैयार करना है, यह नहीं कि भूल गये या बाद में लिखेंगे। नया साल चाहे जब आये, आप तो अभी से आरम्भ करें, शुभस्य शीघ्रम् ! श्रीगणेश करें...



भारतीयकरण

अंग्रेजी या ईसाई नववर्ष दुनियां के उन देशों में मनाया जाता है जिन पर कभी अंग्रेजों ने राज किया था। हर देश अपने इतिहास और मान्यताओं के अनुसार नव वर्ष मनाता है। भारत में प्रायः सभी संवत्सर चैत्रा शुल प्रतिपदा से प्रारम्भ होते हैं पर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमरीका और ब्रिटेन का वर्चस्व दुनियां में बढ़ गया। इन दोनों के ईसाई देश होने से कई अन्य देशों में भी ईसाई वेशभूषा, खानपान, भाषा और परपराओं की नकल होने लगी। मारत भी इसका अपवाद नहीं है।

एक बार फिर एक जनवरी आएगी। हर बार की तरह समाचार माध्यमों ने वातावरण बनाना प्रारभ कर दिया है। 31 दिसंबर की रात और एक जनवरी को दिन भर शोर-शराबा होगा। लोगों ने एक दूसरे को बधाई लेंगे और देंगे। सरल मोबाइल संदेशों (एसए़मए़स) के आदान-प्रदान से मोबाइल कंपनियों की चांदी कटेंगे। रात में बारह बजे लोग शोर मचाएंगे। शराब, शवाब और कवाब के दौर चलेंगे। इसके अतिरित और भी न जाने लोग कैसी-कैसी मूर्खताएं करेंगे जरा सोचिये, नये दिन और वर्ष का प्रारभ रात के अंधेरे में हो, इससे बड़ी मूर्खता और क्या हो सकती है।

यह बात आज तक समझ में नहीं आई कि यदि ईसा मसीह का जन्म 25 दिसबर को हुआ था तो जिस वर्ष और ईसवी को उनके जन्म से जोड़ा जाता है, उसे एक सप्ताह बाद एक जनवरी से क्यों मनाया जाता है। वस्तुत: ईसा का जन्म 25 दिसबर को नहीं हुआ था। वौथी शती में पोप लाइबेरियस ने इसकी तिथि 25 दिसबर घोषित कर दी, तब से इसे मनाया जाने लगा। तथ्य तो यह भी है कि ईसा मसीह के जीवन के साथ जो प्रसंग जुड़े हैं, वे बहुत पहले से ही योरोप के अनेक देशों में प्रचलित थे। उन्हें ही ईसा के साथ जोड़कर एक कहानी गढ़ दी गयी। इससे इस संदेह की पुष्टि होती है कि ईसा नामक कोई व्यति हुआ ही नहीं वरना यह कैसे संभव है कि जिस तथाकथित ईश्वर के बेटे के दुनियां में अरबों लोग अनुयायी हैं, उसकी ठीक जन्म-तिथि ही पता न हो। जैसे भारत में 'जय संतोषी मां' नामक फिल्म ने कई वर्ष के लिए एक नयी देवी को हश्चतिष्ठित कर दिया था। कुछ ऐसी ही कहानी ईसा मसीह की भी है

इसके दूसरी ओर भारत में देखें तो लाखों साल पूर्व हुए श्रीराम और 5,000 से भी अधिक वर्ष पूर्व हुए श्रीकृष्ण ही नहीं तो अन्य सब अवतारों, देवी-देवताओं और महामानवों के जन्म की प्रामाणिक तिथियां सब जानते हैं और उन्हें हर वर्ष धूमधाम से मनाते भी हैं। लेकिन फिर भी नव वर्ष के रूप में एक जनवरी प्रतिष्ठित हो गयी है, लोग इसे मनाते भी हैं, इसलिए मेरा विचार है कि हमें इस अंग्रेजी पर्व का भारतीयकरण कर देना चाहिए। इसके लिए भविष्य में निन कुछ प्रयोग किये जा सकते हैं। एक जनवरी को अपने गांव या मोहल्ले में भगवती जागरण करें। अपने घर, मोहल्ले या मंदिर में

श्रीरामचरितमानस का अखंड पारायण प्रारभ करें। एक जनवरी को प्रातः सामूहिक यज्ञ का आयोजन हो।

एक जनवरी को भजन गाते हुए प्रभातफरी निकालें। सिख, जैन, बौद्ध आदि मत और पंथों की मान्यता के अनुसार कोई धार्मिक कार्यक्रम करें। एक जनवरी को प्रातः बस और रेलवे स्टेशन पर जाकर लोगों के माथे पर तिलक लगाएं। एक जनवरी को निर्धनों को भोजन कराएं। बच्चों के साथ कुष्ठ आश्रम, गोशाला या मंदिर में जाकर दान-पुण्य करें। ये कुछ सुझाव हैं। यदि इस दिशा में सोचना प्रारभ करेंगे तो कुछ अन्य प्रयोग और कार्यक्रम भी ध्यान में आएंगे। हिन्दू पर्व मानव के मन में सात्विकता जगाते हैं चाहे वे रात में हों या दिन में जबिक अंग्रेजी पर्व नशे और विदेशी संगीत में डुबोकर चरित्राहीनता और अपराध की दिशा में ढकेलते हैं। इसलिए जिन मानसिक गुलामों को इस अंग्रेजी और ईसाई नववर्ष को मनाने की मजबूरी हो, वे इसका



र्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन

तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दल

हतप्रम करने वाला है इस सनातन सेवक का महाप्रयाण

अयोध्या अमावा मंदिर के सदस्य किशोर कुणाल का निधन बहुत बड़ी क्षति है। श्री अयोध्या जी के महंत श्री जयराम दास जी कहते हैं कि अभी कल ही किशोर जी से 15 मिनट तक बात हुई थी। सब ठीक था। कोई परेशानी नहीं थी। उसके अगले दिन निधन की सूचना आई, विश्वास भी नहीं हो रहा। यह सर्वविदित है कि श्रीराम



जन्मभूमि मंदिर के निकट अमावा मंदिर में कई वर्ष से जो निःशुल्क भोजन प्रसाद की व्यवस्था चल रही है, वह पटना के महावीर मंदिर ट्रस्ट से ही जुड़ी है, जिसकी व्यवस्था कुणाल किशोर देखते थे। बिहार राज्य से भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी थे। अपने पुलिस

करियर के दौरान उन्हें अयोध्या विवाद पर विश्व हिंदू परिषद और बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के बीच मध्यस्थता करने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह द्वारा विशेष कार्य अधिकारी (अयोध्या) के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने चंद्रशेखर और पीवी नरसिम्हा राव के प्रधानमंत्रित्व काल के दौरान इस पद पर काम करना जारी रखा, किंतु विचारधारा की विसंगति के कारण बात बन नहीं पाई। किशोर कुणाल का जन्म 10 अगस्त 1950 को एक भूमिहार ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनकी स्कूली शिक्षा मुजफ्फरपुर जिले के बरुराज गांव में हुई । फिर उन्होंने पटना विश्वविद्यालय में इतिहास और संस्कृत का अध्ययन किया। 1970 में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। बाद में अपने करियर के मध्य में उन्होंने मास्टर डिग्री के लिए भी अध्ययन किया, जिसे उन्होंने 1983 में प्राप्त किया। उनके शिक्षकों में इतिहासकार आरएस शर्मा और डीएन झा शामिल थे । 1972 में कुणाल गुजरात कैडर में भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी बन गए। उनकी पहली पोस्टिंग आणंद में पुलिस अधीक्षक के रूप में हुई। 1978 तक वे अहमदाबाद के पुलिस उपायुक्त बन गए। 1983 में अपने मास्टर की पढ़ाई पूरी करने के बाद कुणाल को पटना में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया। चर्चित बॉबी हत्याकांड उनके जीवन का एक ऐसा मोड था, जहां से उनकी दिशा बदल गई। 2001 में कुणाल ने स्वेच्छा से भारतीय पुलिस सेवा से इस्तीफा दे दिया। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। कुणाल महावीर मंदिर ट्रस्ट, पटना के सचिव भी रहे और इससे पहले महावीर आरोग्य संस्थान के सचिव थे, जिसमें वे गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवा में सुधार से जुड़े थे। उन्होंने पटना में ज्ञान निकेतन स्कूल की भी स्थापना की। वीपी सिंह की सरकार ने अयोध्या विवाद को संभालने के लिए गृह राज्य मंत्री के नेतृत्व में 1990 में एक 'अयोध्या सेल' की स्थापना की। कुणाल को इसके कामकाज में सहायता के लिए 'विशेष कर्तव्य पर अधिकारी' नियुक्त किया गया था। यह सेल चंद्रशेखर की सरकार (नवंबर 1990-मार्च 1991) के तहत जारी रहा, उस दौरान राजीव गांधी ने सुझाव दिया कि अयोध्या मुद्दे को तय करने के लिए ऐतिहासिक और पुरातात्विक साक्ष्यों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। विश्व हिंदु परिषद (वीएचपी) और बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी (बीएमएसी) के प्रतिनिधियों ने अयोध्या सेल के बैनर तले मुलाकात की और अपने-अपने सब्तों का आदान-प्रदान करने का फैसला किया। कुणाल ने कहा कि उन्होंने प्रस्तुत साक्ष्य को भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) के अध्यक्ष, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के महानिदेशक और अभिलेखागार के महानिदेशक को सत्यापन और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भेज दिया। बीएमएसी द्वारा नामित चार प्रमुख इतिहासकारों- आरएस शर्मा , सुरजभान, एम. अतहर अली और डीएन झा ने वीएचपी के साक्ष्य की जांच के लिए छह सप्ताह का समय मांगा। वीएचपी इस मांग से सहमत नहीं हुई। इसके बाद वार्ता समाप्त हो गई। कणाल ने बाद में दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तत साक्ष्यों और अन्य साक्ष्यों का अपना विश्लेषण प्रकाशित किया, जिसे उन्होंने स्वयं खोजा, जिसका शीर्षक अयोध्या रिविजिटेड था। हालांकि कुणाल जी के अयोध्या प्रमाण में अनेक विसंगतियां हैं, जिन्हें स्वीकार नहीं किया गया। कणाल किशोर पटना के महावीर मंदिर के सचिव थे। उनके सचिव रहते महावीर मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य 30 अक्टूबर 1983 को शरू हुआ और इसका उद्घाटन 4 मार्च 1985 को हुआ। राज्यपाल आरएस गवई ने कहा था कि महावीर मंदिर एक आदर्श धार्मिक टस्ट है और देश के अन्य टस्टों को भी इसका अनकरण करना चाहिए। महावीर ट्रस्ट ने बाद में महावीर कैंसर संस्थान की स्थापना की। समिति कंकड़बाग में महावीर आरोग्य संस्थान नामक एक अन्य अस्पताल भी चलाती है और इसके परिसर में महावीर नेत्रालय की स्थापना की गई है, जो आंखों की समस्याओं से पीडित लोगों की जरूरतों को पूरा करता है। मंदिर ट्रस्ट ने पहले ही चार बड़े अस्पताल स्थापित किए हैं और जरूरतमंद लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। वह गुप्त युग (343 ई.) से संबंधित और कैमूर पहाड़ियों में स्थित पूर्वी क्षेत्र में 'सबसे पुराना' जीवित मंदिर मुंडेश्वरी भवानी मंदिर के उत्थान में शामिल हैं। मंदिर स्थल को वैष्णो देवी मंदिर की तरह एक पूर्ण तीर्थस्थल के रूप में भी विकसित किया गया है, जिसमें शयनगृह, विश्राम कक्ष, रसोई और कशल परिवहन प्रणाली जैसी कई सविधाएं हैं। मंदिर की विकास योजनाओं के हिस्से के रूप में, ढाई एकड़ में एक 'विवाह' मंडप का निर्माण हुआ है।

मनमोहन का स्मारक तो सही, नरसिम्हा राव का कब बनेगा



चौहान सहित सेना के तीनों अंगों के प्रमुखों की उपस्थिति में पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ और 21 तोपों की सलामी देकर पूर्व प्रधानमंत्री के प्रति सम्मान प्रकट किया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और गांधी परिवार की उपस्थिति का यहां इसलिए उल्लेख करना अनावश्यक है, क्योंकि उन्हें तो उपस्थित रहना ही था। कौन नहीं जानता कि एक बेहद ईमानदार छवि वाले और पण सादगी से जीवन जीने वाले मनमोहन सिंह के कार्यकाल में ही देश में सबसे ज्यादा घपले-घोटाले सामने आए थे। यह बात सही है कि मनमोहन सिंह एक्सिडेंटल प्राइम मिनिस्टर थे। वे कैसे प्रधानमंत्री बने, वह एक अलग कहानी है। हां, पर वे पहले एक्सिडेंटल प्राइम मिनिस्टर (प्रधानमंत्री) नहीं थे। सही मायने में राजीव गांधी पहले एक्सिडेंटल प्राइम मिनिस्टर थे। उसके बाद चंद्रशेखर, एचडी देवेगौड़ा, इंद्र मनमोहन सिंह को इसी श्रेणी में रखा जाना चाहिए। वैसे, किसी दिवंगत व्यक्तित्व की कटोर आलोचना ठीक नहीं होती। पर वस्तुतः डॉ. मनमोहन सिंह राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे। जो इतिहास है, वह यह लिखा जाएगा कि डॉ. मनमोहन सिंह बड़े अर्थशास्त्री, विचारक, शिक्षक और एक समर्पित नौकरशाह थे।

सिंह का 28 दिसंबर को दिल्ली के निगम बोध घाट पर अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। डॉ. मनमोहन सिंह को जिस भव्यता के साथ विदा किया गया, वे वास्तव में उसके अधिकारी थे। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रिमंडल के वरिष्ठ सहयोगी राजनाथ सिंह और अमित शाह सहित अनेक केंद्रीय मंत्री पर्व प्रधानमंत्री के अंतिम संस्कार के समय उपस्थित रहे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान सहित सेना के तीनों अंगों के प्रमुखों की उपस्थिति में पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ और 21 तोपों की सलामी देकर पूर्व प्रधानमंत्री के प्रति सम्मान प्रकट किया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और गांधी परिवार की उपस्थिति का यहां इसलिए उल्लेख करना अनावश्यक है, क्योंकि उन्हें तो उपस्थित रहना ही था। कौन नहीं जानता कि एक बेहद ईमानदार छवि वाले और पूर्ण सादगी से जीवन जीने वाले मनमोहन सिंह के कार्यकाल में ही देश में सबसे ज्यादा घपले-घोटाले सामने आए थे। यह बात सही है कि मनमोहन सिंह एक्सिडेंटल प्राइम मिनिस्टर थे। वे कैसे प्रधानमंत्री बने, वह एक अलग कहानी है। हां, पर वे पहले एक्सिडेंटल प्राइम मिनिस्टर (प्रधानमंत्री) नहीं थे। सही मायने में राजीव गांधी पहले एक्सिडेंटल प्राइम मिनिस्टर थे। उसके बाद चंद्रशेखर, एचडी देवेगौड़ा, इंद्र कुमार गुजराल और डॉ. मनमोहन सिंह को इसी श्रेणी में रखा जाना चाहिए। वैसे, किसी दिवंगत व्यक्तित्व की कठोर आलोचना ठीक नहीं होती। पर वस्तुतः डॉ. मनमोहन सिंह राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे। जो इतिहास है, वह यह लिखा जाएगा



सोनिया गांधी के संवैधानिक कारणों से प्रधानमंत्री न बन पाने और उसे त्याग प्रचारित कर मनमोहन सिंह का चुनाव किया। सरकार के ऊपर नेशनल एडवाइजरी कमेटी बनाकर जैसे देश का शासन सोनिया परिवार ने पर्दे के पीछे से चलाया, वह भारत की राजनीति में कभी नहीं हुआ था। डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में हुए टूजी, थ्रीजी, कोयला, एशियन गेम्स आदि घोटलों की लंबी फेहरिस्त को दोहराने की आवश्यकता नहीं। मनमोहन सिंह की साफ-सुथरी छवि को सामने रखकर कांग्रेसियों ने घपले-घोटालों का ऐसा दौर चलाया कि जनता खद ही जतंर-मंतर पर जुटने लगी और कछ नौसिखियों ने उन्हें भना लिया। यह अलग बात है कि आज वे उसी भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे दिल्ली व पंजाब की सत्ता पर काबिज हैं। उस दौर में प्रधानमंत्री के हस्ताक्षर होने से पहले सरकारी फाइलें सोनिया गांधी तक जाती थीं, यह एक ओपेन सीक्रेट है। इतना ही नहीं, कांग्रेस के युवराज कहे जाने वाले राहुल गांधी ने मनमोहन सिंह के मंत्रिमंडल द्वारा पारित एक प्रस्ताव को दिल्ली के प्रेस क्लब में आकर जैसे फाड़ा, वैसा अपमान आज तक देश के किसी प्रधानमंत्री

भाई ने ही बयान दिया था कि कुछ तो अपनी सरदारी का ख्याल रखिए। घपले-घोटालों और भ्रष्टाचार के मामलों, प्रधानमंत्री कार्यालय से ऊपर एक सत्ता केंद्र से संचालित होने और कांग्रेस द्वारा ही अपमानित किए जाने के अनेक मामलों को लेकर मनमोहन सिंह को भारी आलोचना का सामना करना पड़ता था, पर वे शांत रहकर उसे आत्मसात कर लेते थे। कांग्रेस की कारगुजारियां छिपाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने भी उनकी कट आलोचना करते हुए यहां तक कह दिया था कि वे रेनकोट पहनकर नहाते थे। इस सबके बावजद भारत की मौजुदा सरकार ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री के प्रति जो सम्मान और संस्कार प्रकट किया है, वह सीख लेने लायक है। इसे प्रधानमंत्रियों के प्रति प्रकट की जाने चाहिए। डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के समाचार के बाद सरकार ने प्रोटोकॉल के तहत जो संभव था, वह तो किया ही। उससे भी कहीं अधिक जाकर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सहित पूरी सरकार उनके अंतिम संस्कार में सम्मिलित हुई। ऐसा पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के समय भी नहीं हो पाया था।

कलाम उनके संस्कार में सम्मिलित नहीं हो सके थे। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का विषय अलग है। उनका निधन तब हुआ, जब उनके द्वारा रोपे गए बीज से बना विशाल वृक्ष देश की सत्ता पर आसीन था और उनके सहचरी ही सत्ता को संचालित कर रहे थे। इतना सम्मान दिए जाने के बाद भी कांग्रेस स्मारक बनाने की आड़ में मनमोहन सिंह का एक और अपमान कराने का कारण बनी है। स्मारक का विवाद इसीलिए खडा किया गया है, यह जानते हए भी कि उसकी एक प्रक्रिया है। इस सबके बीच एक पूर्व प्रधानमंत्री का नाम और चर्चा में आ गया- पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव। वे देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें देश की राजधानी में दो गज जमीन तक तो छोड़िए, अंतिम संस्कार का भी अवसर नहीं दिया गया और न ही सैन्य सम्मान। 2004 में जब उनका निधन हुआ, तब उनकी ही पार्टी कांग्रेस की सरकार केंद्र में सत्तारूढ़ थी और मनमोहन सिंह जी प्रधानमंत्री थे। जो सोनिया परिवार आज मनमोहन सिंह के लिए स्मारक की मांग कर रहा है, उसने अपने ही नेता नरसिम्हा राव के लिए कांग्रेस मुख्यालय के दरवाजे तक नहीं खोले थे। राव की पार्थिव देह 10 अकबर रोड स्थित कांग्रेस मुख्यालय के बाहर एंबुलेंस में आधे घंटे तक पड़ी रही पर उसे भीतर लाने की इजाजत नहीं दी गई। फिर राव के परिजनों पर यह दबाव बनाया गया कि वे यह बयान दें कि वे अपने पिताजी का अंतिम संस्कार हैदराबाद में करेंगे। यह बयान भी इस शर्त पर दिलवाया गया था कि यदि वे ऐसा करते हैं तो दिल्ली में नरसिम्हा राव की स्मृति में एक स्मारक बनाया जाएगा। इसके बाद प्रतीकात्मक तौर पर मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी समेत कुछ लोगों ने एंबुलेंस में पुष्पांजलि अर्पित

उसका एक कारण है, पर इसी में छिपा कांग्रेसी संस्कार है। यही कांग्रेसी संस्कार पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के लिए भी प्रकट किया गया। जीवन भर कांग्रेसी रहे प्रणब दा के निधन पर कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा शोक प्रस्ताव न किए जाने को उनकी बेटी शर्मिष्ठा मखर्जी ही सामने लेकर आई हैं। वहीं, भारतीय जनता पार्टी जिस विचारधारा और संस्कारों को साथ लेकर चली और बढी है, उसमें राजनीतिक विरोध को अस्पृश्यता के स्तर तक नहीं स्वीकार किया जाता। यही कारण है कि मोदी सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री के अंतिम संस्कार और सम्मान में कोई कोर कसर नहीं रखी। यह पहला मौका था, जब किसी राष्ट्रपति ने निगमबोध घाट पर जाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए हों। प्रोटोकॉल में यह आवश्यक नहीं था। राष्ट्रपति चाहतीं तो उनके आवास पर जाकर पुष्पांजलि कर सकती थीं। पर राजनीतिक विरोध और पक्ष-विपक्ष को नजरंदाज कर मोदी सरकार ने एक बडा संदेश दिया है। जहां तक स्मारक बनाने वाले स्थल पर ही अंतिम संस्कार का सवाल है, तो यह जानना जरूरी है कि अब राजघाट के आसपास का स्थान इसके लिए एक नियम के अनुसार ही आवंटित किया जा सकता है। पर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन के बाद भी पार्टी की ओर से तत्काल किया गया और जहां आज अटल सदैव स्मारक है, उसके लिए भाजपा ने एक प्रक्रिया का पालन कर जमीन का भुगतान किया है। कांग्रेस भी जब अपने किसी नेता के नाम पर स्मारक बनाकर सरकार से जमीन के लिए आवेदन करेगी, उसे मिल जाएगी, पर कांग्रेस को पहले यह तो बताना ही होगा कि वह पूर्व प्रधानमंत्री

बेहद रोचक है हेमलता के गायन सफर की दास्तान

19 70-80 का दशक हिंदी सिनेमा में अनेक बदलाव लेकर आया था। मध्यम वर्ग को प्रमख रूप से चित्रित करतीं फिल्मों के इस दौर में अपने मध्यवर्गीय अनुभवों के साथ कई नए निर्देशक, सितारे, संगीतकार और गायक भी सामने आए। मध्यम वर्गीय परिवार से आई एक गायिका हेमलता ने भी इस दौर में अपनी पहचान बनाई। अपने प्रेम और भक्ति गीतों के लिए प्रसिद्ध हुई हेमलता ने लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल, कल्याण जी-आनंद जी जैसे दिग्गज संगीतकारों के साथ तो काम किया ही, लेकिन रविंद्र जैन और उषा खन्ना के साथ उन्होंने सबसे ज्यादा गाने गाए। 'अंखियों के झरोखों से, मैंने देखा जो सांवरे', 'कौन दिशा में लेके चला रे बटोहिया', 'तू इस तरह से मेरी जिंदगी में शामिल है', 'तू जो मेरे सुर में सुर मिला ले, संग गा ले', 'मेघा ओ रे मेघा, तू तो जाए देश-विदेश', 'जब दीप जले आना, जब शाम ढले आना' जैसे उनके गीत आज भी गीत-संगीत

प्रेमियों में बेहद लोकप्रिय हैं। हेमलता के जीवन के अनेक अहम पहलुओं को सामने लाती एक महत्वपूर्ण पुस्तक 'दास्तान-ए-हेमलता' हाल ही में सर्वभाषा ट्रस्ट से आई है, जिसके लेखक हैं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अरविंद यादव। पुस्तक में हेमलता के बचपन से लेकर उनकी सफलता तक की अनेक प्रामाणिक और रोचक 16 अगस्त 1954 को हैदराबाद में हुआ। उनके पिता जयचंद भट्ट एक बड़े शास्त्रीय गायक थे। शास्त्रीय संगीत की स्वर लहरियों के बीच ही उनका लालन-पालन हुआ। बाद में जयचंद भट्ट मद्रास विश्वविद्यालय में म्युजिक के आचार्य बने तो परिवार मद्रास आ गया। छुट्टियों में हेमलता अपनी ननिहाल गोंदिया जातीं, जहां उन्हें भरपूर प्यार और आजादी मिलती। यहां वे रेडियो तो सुनतीं ही, फिल्में भी खूब देखतीं। उन्हें फिल्मों के गाने तुरंत याद हो जाते, खासतौर पर लता मंगेशकर के गीत, जो उन्हें बेहद अच्छे लगते

थे। नानी भी जब-तब उनसे लताजी के गीत सुनतीं। एक गीत दिल अपना और प्रीत पराई तो बार- बार सुनतीं। नानी के साथ ही गोंदिया के लोग भी उन्हें 'लता' कहकर बुलाने लगे थे। कुछ दिनों के बाद उनका परिवार कलकत्ता आया। उनके पिता विद्यार्थियों को संगीत सिखाते तो नन्ही हेमलता भी अपने पिता की नकल करती। तब तक पिता हेमलता को नहीं सिखा रहे थे, जब उनके शिष्य गोपाल मल्लिक ने अपने गुरु को आश्चर्यचिकत करने और हेमलता की प्रतिभा को सबके सामने लाने का एक साहसी प्रयास किया। रंजीत स्टेडियम में आयोजित एक भव्य संगीत समारोह में, जिसमें लता मंगेशकर, उषा मंगेशकर, सुधीर सेन, हेमंत कुमार, संध्या मुखर्जी जैसे बड़े-बड़े कलाकार भाग ले रहे थे, उसमें हेमलता को बेबी लता के नाम से गाने का मौका दिया गया। बिना पिता जयचंद को बताए उन्हें भी इस समारोह में आमंत्रित किया गया। सात वर्ष की

आत्मविश्वास डेढ़ लाख दर्शकों को इतना पसंद आया कि वंस मोर... वंस मोर... के शोर के बीच हेमलता को एक के बाद एक लताजी के बारह गाने गाने पड़े, जिसमें ग्यारह बांग्ला गीत थे और एक था हिंदी गीत ज्योति कलश छलके। इस संध्या में उपस्थित बंगाल के मुख्यमंत्री विधान चंद्र रॉय इतना प्रभावित हुए कि मंच पर जा पहुंचे और हेमलता को गले लगाकर स्वर्ण पदक देने की घोषणा की। पिता की भी प्रसन्नता का कोई ठिकाना न रहा। इस बीच मोतियाबिंद के कारण उनके पिता की आंखें खराब हो गईं, लेकिन संगीत साधना जारी रही। इसी दौरान रविंद्र जैन कलकत्ता पहुंचे और जयचंद से मिले। हेमलता का गीत सुनकर वे भी प्रभावित हुए, क्योंकि रविंद्र जैन खुद लिख सकते थे और संगीत भी तैयार करते थे। इसलिए सब मिलकर स्टेज शो करने लगे. जो खब लोकप्रिय होने लगे। तब सभी ने

उस्ताद अल्लारखा साहब हेमलता के भाई विनोद को अपने बेटे जाकिर हुसैन के साथ ही तबला वादन सिखाने लगे और उन्होंने ही गोरेगांव की पात्रा चाल में रहने का इंतजाम भी कराया। इस बीच नौशाद ने भी हेमलता को सुना और उन्हें पांच साल के लिए अनुबंधित कर लिया केवल अपने साथ गाने के लिए। यह बात अखबारों में आ गई और बंबई में एक नई गायिका के आने का हल्ला हो गया। कई बडे संगीतकार हेमलता से मिलने आने लगे। एक दिन लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने स्टूडियो बुलाकर कुछ लाइनें हेमलता से गवाई और अगले दिन ताड़देव फेमस रिकॉर्डिंग स्टूडियो में आने को कहा। पिता और बेटी दोनों अगले दिन जब वहां पहुंचे तो पता चला उन्हें वहां रिकॉर्डिंग के लिए बुलाया गया है तो दोनों नौशाद के कॉन्ट्रैक्ट को याद करके बाहर से ही वापस आ गए। अगले दिन यह जानकर कि उन्हें लता मंगेशकर जी के साथ गाना था, जो काफी

दोनों को बेहद दुख हुआ और उन्होंने नौशाद से कॉन्टैक्ट तोड दिया। पहला गाना उन्हें उषा खन्ना के साथ मिला। फिल्म थी एक फुल एक भूल और गाना था दस पैसे में राम ले लो। अब मानो हेमलता के संघर्ष के दिन खत्म होने वाले थे। गाना खत्म होने के कुछ मिनटों के बाद ही कल्याण जी-आनंद जी का उसी स्टूडियों में रुकने का संदेश आया। दुसरा गाना उन्होंने मकेश जी के साथ रिकॉर्ड किया। गाने के बोल थे ले चल ले चल मेरे जीवन साथी। फिल्म थी विश्वास। अगले ही दिन इसी फिल्म का एक और गीत रिकॉर्ड हुआ, जिसमें उनके साथ थे मुकेश, महेंद्र कपूर। गीत के बोले थे- ढोल बजा, ढोल ढोल जानिया। इसके बाद हेमलता को फिल्म इंडस्ट्री में काम मिलने लगा। आशीर्वाद, ज्योति, माता महाकाली, रूप रुपैया जैसी अनेक फिल्मों के लिए उन्होंने गाया। इस समय उनकी उम्र मात्र चौदह वर्ष की थी।

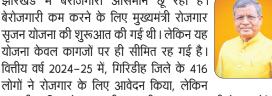
Social Media Corner

सच के हक में.

महाकुम्भ-2025, प्रयागराज की तैयारियों के दृष्टिगत आज तीर्थराज प्रयाग में विभिन्न घाटों का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। धर्म, अध्यात्म और संस्कृति के महासमागम, महाकुम्भ के सफल आयोजन हेतु डबल इंजन सरकार प्रतिबद्ध है। आइए, एकता के इस पावन महायज्ञ में सहभागी बनें!



झारखंड में बेरोजगारी आसमान छू रही है। बेरोजगारी कम करने के लिए मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना की शुरूआत की गई थी। लेकिन यह योजना केवल कागजों पर ही सीमित रह गई है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में, गिरिडीह जिले के 416



एक भी व्यक्ति को ऋण स्वीकृत नहीं हुआ। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी, सिर्फ कागजी घोषणाओं से जनता का पेट नहीं भरता। वादे करना आसान है, लेकिन असली चुनौती उन्हें धरातल पर लागू करना है। राज्य के लाखों युवा बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं। अपनी घोषणाओं को कागजों से बाहर निकालकर रोजगार के पर्याप्त अवसर सृजित करिए।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

राजनीतिक चुनौतियों से उत्पन्न आपूर्ति श्रंग्वला और कच्चे तेल के टामों में अर्ग्ड श्रृंखला और कच्चे तेल के दामों में आई तेजी के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था 2024 में विश्व की सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रही है। तकनीकी प्रगति, प्रौद्योगिकी, बैंकिंग, नवीकरणीय ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत जैसे नीतिगत उपायों से भारत वैश्विक आर्थिक क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत रखने में सफल रहा है। मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और विदेशी निवेश के रिकॉर्ड प्रवाह ने भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए इंजन का कार्य किया है, तो बढ़ती मुद्रास्फीति, घटता उपभोग, वित्तीय ऋण और जीडीपी वृद्धि पूवार्नुमानों में कमी ने बड़ी चिंताएं भी पैदा की हैं। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र का दर्जा दिलाने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान आर्थिक स्थितियों में वर्ष 2025 की रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। निवेश, उपभोग और ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले सुधार वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार तैयार करेंगे। दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के कारण वर्ष 2025 में भी घरेलु मांग में मजबूत निरंतरता बनी रहेगी। शहरी के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों की मांग में भी सकारात्मक रुझान दिखाई दे रहा है। जून 2024 में भारत की जीडीपी में निजी अंतिम उपभोग व्यय 57.9 प्रतिशत से बढ़कर 60.4 प्रतिशत हो गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता वस्तुओं की मांग 2.2 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 6.2 प्रतिशत हो गई। सांख्यिकी मंत्रालय के अनुसार मासिक प्रति व्यक्ति व्यय में शहरी-ग्रामीण अंतर वित्त वर्ष 2011-12 में 84 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 71 प्रतिशत हो गया। यह 2023-24 में और घटकर 70 प्रतिशत हो गया। ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग वृद्धि से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में असमानता कम हुई है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही यानी जुलाई-सितंबर में आम चुनावों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पहली तिमाही की 6.7 प्रतिशत वृद्धि के मुकाबले धीमी है। तीसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था पुनः बढ़ने का अनुमान है। क्रिसिल की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत से सात प्रतिशत के बीच रह सकती है। इसका प्रमुख कारण यह है कि भारत के पास अभी कार्यशील यवाओं की सबसे बड़ी फौज है। 25 से 54 आयु वर्ग की महिलाओं के बीच श्रम बल भागीदारी दर में भी वृद्धि हुई है। हालांकि उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना और मेक इन इंडिया अभियान सहित अनेक सरकारी प्रोत्साहनों के बावजूद विनिर्माण क्षेत्र अपेक्षित लाभ लेने में सफल नहीं रहा है। इसके लिए विनिर्माण क्षेत्र की दीर्घकालिक प्रकृति पर अधिक ध्यान देते हुए संरचनात्मक सुधारों की दिशा में बढ़ना होगा।

नीति निमार्ताओं को निवेश में विविधता लाने पर ध्यान देना होगा, क्योंकि अभी तक निवेश स्टील, मशीनरी, केमिकल्स जैसे भारी उद्योगों में ही अधिक रहा है। विविध उद्योगों को बढ़ावा मिलने से घरेलू मांग में भी तेजी से वृद्धि होगी। नवाचार संस्कृति, अकादिमक उद्योग साझेदारी और वैश्विक बाजार पहुंच का विस्तार करके भारत 2025 में स्वयं को वैश्विक नवाचार पावर हाउस में बदल सकता है। वर्ष 2024 में सेंसेक्स और निफ्टी के रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने से भारत का वित्तीय बाजार वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया था। यह तेजी 2025 में भी बनी रह सकती है, इसके लिए विदेशी मुद्रा बाजार में स्थायित्व पर काम करते हुए अपनी वस्तुओं के निर्यात को बढ़ाने पर अधिक काम करना पड़ेगा। साथ ही निवेशकों का भरोसा बनाए रखने के लिए राजकोषीय अनुशासन पर विशेष ध्यान देना होगा। वर्ष 2025 में सरकार की प्राथमिकता मौद्रिक नीति में मामूली ढील द्वारा मुद्रास्फीति के दबाव को घटाने की भी होगी। पूंजी निर्माण को प्रोत्साहन मिलने से निम्न एवं मध्य आय वर्ग की क्रय शक्ति को बढ़ावा मिलेगा। जन धन, आधार और मोबाइल के तहत खोले गए खातों में 2.32 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रकम जमा है। वर्तमान में ई-लेनदेन बढ़कर 134 अरब रुपये हो गया है, जो सभी वैश्विक डिजिटल भुगतानों के 46 प्रतिशत के बराबर है।

खतरनाक होता आसमान

कजाकिस्तानी शहर अकताऊ के पास अजरबैजान के यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से 38 लोगों की मौत हो गई। इस दुर्घटना ने रूस-यूक्रेन संघर्ष क्षेत्र के ऊपर से उड़ान भरने के दौरान आने वाले खतरों को पुनः सामने ला दिया है। एम्ब्रेयर 190 बाकू से रूस के ग्रोज्नी जा रहा था, तभी इसने रास्ता बदला और अकताऊ से कुछ किलोमीटर की दूरी पर इमरजेंसी लैंडिंग की कोशिश की। शुरूआती आशंकाएं चिड़िया से टकराने के इर्द-गिर्द केंद्रित थीं, लेकिन सरकारी और मीडिया रिपोर्टों में यह बात लगातार जोर पकड़ने लगी कि विमान पर एक गलत रूसी एंटी ड्रोन हमला हुआ। विमान में हुए छेद और ऑक्सीजन मास्कों का बाहर आना दबाव में आई गिरावट (डिप्रेशराइजेशन) का संकेत हो सकता है। हमले के बाद भी हवाई जहाज उड़ता रहा और उसने पूरब की ओर लगभग 300 मील की सीधी दूरी तय करते हुए आखिरकार कैस्पियन सागर पार कर लिया। रिपोर्टों में विमान की नियंत्रण प्रणाली क्षतिग्रस्त होने की बात कही गई है, जो शायद उसके इस अजीबो-गरीब उड़ान पथ की वजह हो सकती है। उनमें क्षतिग्रस्त हवाई जहाज को उतरने की इजाजत से इनकार किए जाने की बात भी कही गई है। हालांकि मानदंड क्षतिग्रस्त नागरिक विमान को नजदीक में कहीं भी उतरने की इजाजत देते हैं। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर और डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर बरामद हो गए हैं, जिससे काफी जानकारी सामने आएगी। अजरबैजान के पास इस उड़ान पर संप्रभुता है और ब्राजीलियाई विनिमार्ता एम्ब्रेयर भी उस बहु हितधारक जांच में एक पक्ष होगा, जो हादसे की वजह और पूरे घटनाक्रम के साथ-साथ यह भी उजागर करेगी कि क्या और कैसे उड़ान की नियंत्रण प्रणाली प्रभावित हुई। यह इस ओर भी इशारा करेगी कि इसमें हवाई और ड्रोन रक्षा में इस्तेमाल होने वाली जैमिंग प्रणालियों की क्या भूमिका थी।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Black swans that have shaken West Asia

BLACK swans, says Nassim Nicholas Taleb in his classic 2007 book, are highly improbable events that have a high impact and where we cover our shock by concocting post-facto explanations. Applied to his native West Asia, the last 15 months have seen the appearance of more than one black swan and the high impact of each is still working its way through the region's fault lines.

The massive terror attack launched by Hamas on October 7, 2023, was a black swan event that initially cracked the legend of Israel's invincibility. The heavy loss of life and abduction of over 250 citizens inflicted a collective sense of trauma on the Jewish state, accompanied by a reckoning that retribution alone could restore its sense of security. That retribution has led to over 45,000 dead Palestinians in Gaza, some 70 per cent of them women and children.

And yet, the bloodlust continues. Every day, day after day. Social media posts by Israeli soldiers, politicians and news anchors gloating over the orgy of death and destruction point to a stunning loss of humanity in people whose own sense of history should have made them more sensitive to the sheer injustice of collective punishment.

On the Arab street, October 7 was seen as a possible game-changer, an end to a debilitating status quo and a hope that the Iran-led Axis of Resistance would seize the opportunity and that Hezbollah and Hamas would inflict enough damage on Israel to bring it to the negotiating table. They clearly hadn't anticipated Israel's willingness to use overwhelming and completely disproportionate force in the densely populated civilian areas of Gaza, nor its assassination of Hamas, Hezbollah leaders and even of Iran's Islamic Revolutionary Guard Corps, nor the impotence of the international community to enforce a ceasefire. The killing of Ismail Haniyeh in an Iranian safe-house in Tehran, of Hassan Nasrallah in a basement in Beirut and the simultaneous detonation of thousands of pagers used by Hezbollah cadres were mini black swans in their own right. The fear of Israel's defence and intelligence capabilities was restored and the lack of a damaging response from Iran dashed any wishful thinking that October 7 might lead to a Palestinian state. Israel's pursuit of retribution has been accompanied by a cavalier disregard of international humanitarian law. Judges at the International Criminal Court have issued arrest warrants against Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu and former Defence Minister Yoav Gallant for war crimes, including starvation, murder, targeting of civilians and persecution. The International Court of Justice has also held Israel's continued occupation of Gaza, the West Bank and east Jerusalem to be completely illegal. Israeli's strident defiance of these rulings has been

defence of its principal ally in West Asia even as Trump 2.0 threatens sanctions against these international organisations for their temerity in citing the rule of law. For many in the Global South, the West's contrasting reactions to Ukraine and Gaza mark a fitting requiem to the rules-based international orderThe improbable evisceration of Hezbollah and diminution of Iran's bluster has also had a high impact in Israel's immediate neighbourhood. To Israel's north, Hezbollah often acted as a state within a state and the fading of its dark shadow opens the possibility of Lebanon becoming a more normal state, something that its beleaguered citizens have yearned for decades.

matched by the Biden administration's staunch

And, in Syria, the sudden weakening of Hezbollah and Iran created an equally improbable opportunity for Hayat Tahrir al-Sham (HTS). The HTS moved out of its stronghold in Idlib, took the Aleppo, Hama, Homs and Damascus cities in barely a week and toppled the hated Assad dynasty that had ruled Syria with an iron fist for over five decades. The euphoria over the unexpected flight of Bashar al-Assad to Moscow among ordinary Syrians, however, is tempered by the unsavoury antecedents of Ahmed al-Sharaa. The HTS leader was closely affiliated with al-Qaeda and there are legitimate questions about the extent to which his jihadi tendencies were merely a youthful indiscretion.

Syrian crisis gives Islamic State a window of opportunity

The al-Sharaa government must ensure that the ISIS does not make a comeback.

REGIME change in any country, achieved not through parliamentary elections, introduces considerable instability in the region. This is worrisome to its neighbours, like what happened in Bangladesh. It is territory" or "failed state", as defined by American think tank RAND in 2007. The characteristics of a "failed state" are low-level administrative penetration into its territory, a lack of monopoly on the use of force by permitting illegal armed groups, the absence of effective controls on its land and sea borders, thus allowing influence by undesirable foreign elements. Syria has been welcoming foreign terrorists for years, much before the start of the All these factors should be kept in mind while Syrian Civil War, which began in 2011.

From the 1960s, Syria allowed terrorists like Abu Nidal, Nazar Mansur Hindawi and George Habash to freely operate from its land. On December 18, 1985, Abu Nidal claimed to a French paper, 'Jeune Afrique', that he was helping French covert group Action Directe, Basque separatist group ETA, Irish Republican Army and Baader-Meinhof gang. Abu Nidal was expelled from Syria only in 1987, under US pressure. Consequently, the Syrian government could not help other states, even if they wanted, in hostage rescue from their territory. The Washington Post (July 18, 1986) reported Syrian Vice-President Abdul Halim Khaddam admitting to American and French leaders, with whom he had good relations, that he could not help rescue American and French hostages kidnapped by local extremists as "they were being held in a region outside Syrian control". In 2005, Khaddam exiled himself to Paris due to differences with Bashar al-Assad.

Even with this inconstancy, Syria tried to take care of Western sensitivities while offering sanctuary to terrorists, as in the case of notorious mercenary Carlos the Jackal (Ilich Ramírez Sánchez) by forcing him to be inactive when Hungary expelled him in 1985. However, it expelled him in 1991 when he showed signs of joining Iraq's covert operations against America as Syria had opposed Saddam Hussein's invasion of Kuwait.

Syria's alignment with American security policy continued during the post-9/11 period, although in that process it received considerable flak from human rights organisations. Diplomatically, Syria openly opposed Saddam. To quote noted Middle

East scholar Shibley Telhami of Brookings, Syria "surprised many by supporting UN Resolution 1441 demanding immediate Iraqi compliance with previous UN resolutions".

more so in Syria, a classic example of "ungoverned Covertly, Syria helped the CIA deal with terrorists suspected to be involved in the 9/11 attacks. The Canadian Justice Dennis O'Connor Commission report (2004-05) on the "extraordinary rendition" of Maher Arar, a Canadian citizen of Syrian origin, to Syria on the CIA's initiative and his harsh interrogation and incarceration by Syrian agencies for one year is an example of covert intelligence cooperation between the two countries.

assessing the long-term stability of the new



government under Ahmed al-Sharaa alias Abu Mohammed al-Jolani, leader of Hayat Tahrir al-Sham (HTS). He was once the chief of 'al-Nusra', an al-Qaeda front. True, American officials are expressing a new comfort level, as is evident from the statements of US diplomats Barbara A Leaf and Roger D Carstens on December 20, which has led to the scrapping of a \$10-million reward for al-Sharaa's arrest. Apart from the possibility of future clashes with Turkey over the Kurds, who are supported by America, the new al-Sharaa government must ensure that the Islamic State (ISIS) does not make a comeback, not just in Syria but also the entire region. There is a view that some hardliners within the HTS are not yet reconciled in supporting the leadership's "more moderate and

pragmatic approach". This is because some of the Chechen, Balkan and Central Asian jihadists are still among the HTS's rank and file. It is quite possible that ISIS "could seek to poach these militants and bring them into their fold". The Soufan Centre, which has been mostly correct in the past in its assessments about the ISIS in that region, has flagged some scenarios in its brief dated December 18, 2024. It says: "The current environment in Syria is tailor-made for the Islamic State to exploit in an effort to help facilitate its comeback and resurgence, not just in the country but across the region".

Firstly, it says that ISIS attacks in Syria alone had "tripled from last year" to about 700 for 2024. The ISIS has also improved "in sophistication, increased

> in lethality and become more dispersed geographically". Secondly, it would take advantage of the intra-coalition (anti-Assad) fights between Turkey-backed Syrian National Army (SNA) and Syrian Democratic Forces (SDF), a Kurdish militia backed by America.

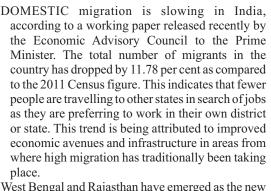
Soufan says the Kurds came under attack in Kobani and Manbij, aided by Turkish drones and other military assets. It adds that in northern Syria, a tenuous ceasefire between the SNA and the Kurds is holding on. There are fears that the Kurds might lose Kobani, a "geographically and symbolically important" area. The SDF is also facing major challenges in Deir ez-Zor, with Sunni Arabs protesting against its rule in Raqqa and Al-Hasakah.

If Kurdish troops (SDF) are removed from guarding the prisons and detention centres, there is a strong possibility of the ISIS trying to strike, as it did between January 20 and 30, 2022, at Al-Hasakah prison. This was a spectacular attack by the ISIS after it lost territories in Syria in 2019. During this attack, 200 to 300 ISIS fighters broke into the security ring of 9,000 SDF soldiers, supported by the US and UK's air forces, and freed 400 prisoners using suicide bombers and weapons. This fight had given a great propaganda edge to the ISIS.

Soufan predicts that it will be to the advantage of the ISIS if the US decides to withdraw its forces, as announced by President-elect Donald Trump. In that case, the responsibility of propping up the al-Sharaa government will rest with Ankara. This view is endorsed by BBC's Orla Guerin.

Migration slowing

States should fine-tune policies accordingly



Vest Bengal and Rajasthan have emerged as the new migrant destination hotspots, while Uttar Pradesh, Maharashtra and Madhya Pradesh also figure among the top five. It is apparent that states such as Punjab and Haryana — which have high stakes in the agricultural and industrial sectors — are not so attractive to migrants. This is partly due to tensions between locals and 'outsiders'. Migrants would rather not



live and work in states where they might face hostility and discrimination. Policymakers need to understand the ground reality, which has serious implications such as labour shortage and higher production

Every state needs horses for courses to spur economic growth, and migrants come in handy when locals are reluctant to do unskilled work in particular. However, initiatives such as the Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme (MGNREGS) and the Pradhan Mantri Garib Kalyan Yojana have changed the demographic dynamics. It was MGNREGS that helped millions of workers stay alloat after they trudged back to their villages during the Covid-induced lockdown in 2020. And this reverse migration has not turned out to be a mere aberration. Various states must take this shift into consideration while framing or reviewing policies. The priority should be to maximise economic gains while ensuring

social harmony.

Dr Singh faced criticism with grace

He was a shrewd player of other people's vanities, disarming them with effusive praise

I first met Manmohan Singh in 1981. As a reporter for Business Standard in Delhi, I had accompanied my bureau chief to meet the member-secretary of the Planning Commission. They were old friends, and as we sat on the sofa in the expansive office, my boss noticed that the leather upper of Dr Singh's wellpolished shoe had a tear at the crease. Why don't you get new shoes, my bureau chief asked in friendly banter. Dr Singh's response was that with the savings from his last UN assignment, he had built a house for himself. Now he needed to save for getting his daughters married. Shortly afterwards, I visited another member of the Commission at his home. The distinguished scientist apologised for not being able to offer me a cup of tea. Sugar has become so expensive, he explained. Such were the times, when people even at the apex of the government lived modest lives on modest salaries in an economy known globally for poverty and domestically for shortages and controls of every kind. And such was the economy that Dr Singh released from controls in 1991. Producers now chase consumers, as they should. In truth, Dr Singh got more than his fair share of credit for what was done in 1991. As he himself once said in an interview, it was a team effort, and everyone — from the mostly unsung PV Narasimha Rao to his principal secretary AN Verma and others in the industry and commerce ministries — played their roles, including Yashwant Sinha, who as Finance Minister under Chandra Shekhar did the fire-fighting to stave off bankruptcy until the Rao government was sworn in. But there can be little doubt that the critical event signalling a new era for India was Dr Singh's 1991 Budget in which he quoted Victor Hugo to say

that no power on earth could stop an idea whose time

has come, and ended with the ringing words, "Let the

whole world hear it loud and clear. India is now

awake. We shall prevail. We shall overcome."

As though to balance things out, Dr Singh got more criticism than he perhaps deserved for some of the things that happened under his prime ministership. He had been dealt a very difficult hand: A rickety coalition government in which every partner did what it wanted, a government hamstrung by the need for support from obstructive Communists, a Cabinet in which many ministers owed their loyalty to Sonia Gandhi, not to the PM, and Mrs Gandhi herself who kept some of the reins in her hand and

created a dyarchy. Dr Singh was in office, but not really in power or in full control.

In the end, what remains with you are his personal qualities. The transparent integrity and sense of public purpose, the decency and courtesy that marked every meeting, the depth of understanding and wisdom that he displayed in every encounter, the occasional chuckle that showed his ability to laugh even in trying times. What remains also is the obvious regard in which he was held by leaders of stature such as former Singapore PM Lee Kuan Yew. And he could say a lot with a few words. Back in 1996, when I mentioned that the Rao government would not be highlighting economic reforms in its

election manifesto, he paused for a moment before asking: "What else is there to talk about?"

Commentators have referred to Dr Singh's humility. Yes, he had a humble manner that came naturally, but I have long suspected that in his own estimation he stood taller than those around him — with good reason. If it was so, he had the good sense to keep this self-assessment well hidden. In fact, he was a shrewd player of other people's vanities, disarming them with effusive praise — as I saw more than once. This

came out wrong in the over-the-top statement that he made to George W Bush at a lunch in Delhi's Taj Palace hotel, when he told the visiting US President

that all of India loved him, or words to that effect. He did the same with Michel Camdessus, the IMF managing director who had sanctioned the lifesaving loan in 1991. Later, at a dinner in Delhi when Camdessus had come visiting, Dr Singh was typically effusive in praise, referring to his guest (if memory serves me right) as Sir. Perhaps this was just



an Indian mannerism. But, sitting there, I felt that no finance minister of India should be addressing an IMF executive in that manner.

When faced with criticism, he was all grace, never referring to it in personal meetings or during interviews. When releasing the first book published by the newspaper's short-lived books division, he said that he understood the criticism for what his government failed to do, but added that the paper should at least give credit to the government for what it did achieve. It was a fair point. The criticism worth recalling was by Ashok V Desai, a contemporary and friend of Dr Singh's at Cambridge. As a sharp and acerbic columnist at Business Standard, Desai wrote in 1995 or thereabouts that Dr Singh was personally honest but tolerated corrupt people around him. Dr Singh called me to protest, asking how he could defend himself against such criticism. I told him that the author was his friend and I would get Desai to speak to him. Many years passed before Desai told

me that Dr Singh had finally forgiven him. But the fact is that Desai had put his finger on the

Still, the free air that we breathed found reflection in how people spoke at an event in Vigyan Bhavan for releasing a festschrift in Dr Singh's honour, co-edited by Isher Judge Ahluwalia and Dr Singh's tutor at Oxford, Ian Little. Ahluwalia had asked me to be one of the speakers at the event, and while I said what I wanted to say, I lightened my critical comments with humour. Not so Raghuram Rajan, then adviser to the PM while still teaching at Chicago, who delivered some pretty heavy-duty criticism. I can think of no other government under which an event to honour the PM would see speakers criticising his government to his face and then joining him

at dinner! Such was the freedom of the times. It has been my good fortune as a journalist to have been able to interact with Dr Singh as often as I did over 35 years, enjoying his warmth and courtesy, leaving every meeting with fresh awareness of his wisdom and, for all the criticism that I directed at him and his government, always having the greatest respect for a truly great son of India. His passing has been for me a more saddening event than that of any other public figure.

Indian Share Market Opens Lower, Prepares To Move Into New Year With Caution

Mumbai. The domestic benchmark indices opened lower on Tuesday as selling was seen in IT, realty, auto, financial service, FMCG, media and private bank sectors on Nifty. At around 9:25 am, Sensex was trading at 77,813.49 after declining 434.64 points or 0.56 per cent, while the Nifty was trading at 23,536 after declining 108.90 points or 0.46 per cent.

The market trend remained mixed. On the National Stock Exchange (NSE), 1,096 stocks were trading in green, while 1,040 stocks were in red. According to market experts, "December has been weak for equity markets globally. S&P 500 is down by 2.34 per cent and Nifty is down by 2.6 per cent.""Markets are preparing to move into the New Year with caution since uncertainty is high and valuations are stretched," they noted. Nifty Bank was down 191.50 points or 0.38 per cent at 50,761.25. Nifty Midcap 100 index was trading at 56,944.80 after dropping 244.95 points or 0.43 per cent. Nifty Smallcap 100 index was at 18,618.95 after dropping 21 points or



0.11 per cent. On the sectoral front, buying was seen in the PSU Bank, Pharma, Metal, Energy, Commodities, PSE and Healthcare sector. In the Sensex pack, Tech Mahindra, HCL Tech, TCS, Infosys, Zomato and NTPC were the top losers. Whereas, Tata Motors, ITC, Tata Steel, SBI, Kotak Mahindra Bank and Nestle India were the top gainers.

Income Tax department denies report on using DigiYatra data to go after evaders

NEW DELHI. The Income Tax Department has denied a TNIE report that said the tax department will be tapping Digi Yatra data to go after evaders. Responding to the report, the department said in a social media post that as on date, there is no such move by the income tax department."It is seen that news articles have appeared stating that Digiyatra data will be used to crack down on tax evaders. In this connection, it is clarified that as on date there is no such move by the Income Tax department," said the department on social media platform X.

TNIE had reported citing unnamed sources that Income tax department has collected the entire passenger data on Digiyatra app, and the same is being reconciled with income tax filings. The report further stated that the tax department might be issuing notices in 2025 based on analysing the Digiyatra data. Earlier, responding to the report Digi Yatra has also termed it as 'false' and said that Digi Yatra prioritizes data security and privacy.

"The app follows the Self-Sovereign Identity (SSI) model, where Personally Identifiable Information (PII) and travel credentials are stored exclusively on the user's device, not on any central repository. If the app is uninstalled, the data is deleted entirely. Additionally, airport systems purge data within 24 hours of flight departure," it said in an email response.It further said: "As part of our commitment to privacy, safety, and security, we do not store any personal data. While this limits our ability to provide customized or personalized services like other brands, it ensures maximum user privacy. Our d-KYC (Don't Know Your Customer) campaign underscores this commitment, clearly communicating that we don't collect or retain user information. There is no mechanism for data sharing with third parties, and no MoU exists between Digi Yatra Foundation and the Income Tax Department."

Focus on next-gen therapeutics, AstraZeneca to restructure biopharma unit

Bengaluru UK-based pharmaceutical giant AstraZeneca has announced plans to restructure its biopharma unit to concentrate on next-generation therapeutics. "In the Biopharmaceutical Business Unit, we are now furthering these efforts to deliver the next generation of therapeutics in our pipeline, focusing on specialists, science, and innovation, while improving access to our existing portfolio in specialist disease areas we are present in. This has led to a strategic restructuring of our biopharmaceutical team impacting certain roles," a company spokesperson told Business Standard in an email query. This decision follows reports of layoffs affecting over 125 employees within the unit. Reports suggest that about 20 senior managers and nearly 110 executives have been sacked from various levels in the sales department. "Our aspiration to be pioneers in science has increased our focus on specialist disease areas where we can make the most meaningful difference in helping people with cancer, other chronic and rare diseases," the company spokesperson said. AstraZeneca stated that it is committed to transforming patient outcomes in the country. Its global portfolio includes over 20 novel therapies spanning various disease areas, including lung cancer, breast cancer, gastrointestinal cancer, heart failure, diabetes, respiratory syncytial virus (RSV), severe asthma, chronic obstructive pulmonary disease (COPD), and neurofibromatosis type 1 (NF1). "We are creating the next generation of therapeutics.spokesperson said.

DMRC, NCRTC get record ridership, give driving training to women in 2024

NEW DELHI. The year 2024 saw both the Delhi Metro Rail Corporation and the National Capital Region Transport Corporation make remarkable strides in advancing urban transportation infrastructure.

While the DMRC achieved key breakthroughs, including the first twin tunnels under Phase-IV construction and the completion of an 865-metre underground tunnel between Chhatarpur and Chhatarpur Mandir Station, the NCRTC opened two major sections, In an interview with PTI in July, DMRC signed crucial agreements, and was lauded by the German Ambassador who took a ride on its Namo Bharat train.

Despite these advancements, the year was also marked by a tragic incident for the DMRC.On February 8, a portion of the Gokulpuri Metro Station on the Pink Line, located in northeast Delhi, collapsed, resulting in the death of a 53vear-old man and injuries to four others.In response, the DMRC carried out a thorough inspection and took corrective measures that included the removal of concrete structures and installation of

stainless-steel railings at five elevated stations along the Pink Line to enhance safety. The year began on a high note for the DMRC with President Droupadi Murmu taking a ride on a metro on February 7. On March 4, the Union Cabinet chaired by Prime Minister Narendra Modi approved two new corridors of Delhi Metro's Phase-IV project -- Inderlok - Indraprastha (12.377 km) and Lajpat Nagar - Saket G Block (8.385 km).

Managing Director Vikas Kumar said they are planning to employ the use of artificial intelligence in its Phase-4 project for crowd management and maintenance of trains in order to increase efficiency.The Delhi Metro, the Indian Railway Catering and Tourism Corporation Limited, and the Centre For Railway Information Systems joined hands on July 10 to revolutionise the seamless travel experience of the main line railway and metro passengers in the Delhi-NCR area. The idea was to promote the 'One India One Ticket' initiative of the



government by launching the Beta Version of Delhi Metro Rail QR Codebased ticket.

The urban transporter also announced the introduction of international flight checkin facilities at the New Delhi and Shivaji Stadium metro stations on the Airport Express Line on July 17.The metro achieved a major construction milestone in Phase 4 with the completion of an 865metre underground tunnel between Chhatarpur and Chhatarpur Mandir Station on the Tughlakabad-Aerocity corridor on August 21.On September 18, the metro successfully completed the first twin tunnel breakthrough P h a s e - 4 construction. Additionally, a Memorandum of Understanding was signed on August 21 between the DMRC and the NCRTC for an integrated QR-ticketing system, allowing passengers to book QR code tickets for both Namo Bharat and Delhi Metro on a single platform.Further improving commuter convenience, the

DMRC launched the multiple-journey QR ticket system on September 12, which simplified travel with a single QR code.

On October 5, an underground tunnel between Chhatarpur and Chhatarpur Mandir Station on the Tughlakabad-Aerocity corridor was completed.

The longest underground tunnel of 2.65 km between the Tughlakabad Airforce Launching shaft and Maa Anandmayee Marg on the Tughlakabad-Aerocity corridor of Phase-IV was completed on December 4.

ITR filing deadline extended for belated/revised return. Check all details

NEW DELHI.The Central Board of Direct Taxes (CBDT) has extended the deadline for resident individuals to file their belated or revised Income Tax Returns (ITR) for the Assessment Year (AY) 2024-25. The original deadline of December 31, 2024, has now been pushed to January 15, 2025. This extension gives taxpayers an additional two weeks to complete or revise their filings.

The CBDT shared this update via an announcement on X, and said, "CBDT extends the last date for furnishing Belated/ Revised return of income for AY 2024-25 in the case of Resident Individuals from December 31, 2024 to January 15, 2025." The change has been made using the board's powers under section 119 of the Income-tax Act, 1961. This extension applies to two specific cases. Firstly, it benefits individuals who missed the initial deadline of July 31, 2024, to file their ITR and had until December 31 to file a belated return. Secondly, it allows



taxpayers who need to make corrections to previously filed returns an extended window to submit their revised filings. Under current rules, taxpayers filing belated returns must pay a late fee. If the taxable income is below Rs 5 lakh, the fee is Rs 1,000. For those with taxable income above Rs 5 lakh, the late fee increases to Rs 5,000.

Taxpayers often make errors or omissions when filing their ITR, such as missing income details or claiming incorrect deductions. A revised return allows individuals to rectify these mistakes.

Filing a corrected ITR ensures compliance with tax regulations and can help avoid penalties or additional scrutiny.Despite repeated efforts to encourage tax compliance, a small portion of India's population files income tax returns. Minister of State for Finance Pankaj Chaudhary recently revealed in Parliament that only 6.68% of India's population

filed ITRs in the fiscal year 2023-24."In FY 2023-24, the percentage of population that filed Income Tax Return is 6.68%. The total number of persons filing income tax returns is 8,09,03,315," he informed the Rajya Sabha on December 17.The new deadline aims to provide relief to taxpayers who may have faced difficulties meeting the December 31 deadline. It also ensures that those needing to correct or update their returns have sufficient time to do so without unnecessary haste.

Indian Household Debt Rising **But Relatively Low Compared** To Other Emerging Markets: **RBI** Report

NEW DELHI. New Delhi: The Reserve Bank of India (RBI) has highlighted that while household debt in India has been on the rise over the past three years, it remains relatively low compared to other emerging market economies (EMEs). It said, "At 42.9 per cent of GDP (at current market

prices) in June 2024, India's household debt is relatively low compared to other EMEs, however, it has increased over the past three years". According to the report, household debt stood at 42.9 per cent of GDP at current market prices in June 2024.

construction activity during this period. The report underlined that the rise in household debt is primarily driven by an increase in the number of borrowers, rather than a rise in the average indebtedness per individual. Borrowing by individuals in the household sector accounted for 91 per cent of the total household financial liabilities as of March 2024. The data revealed that



individuals primarily borrow for three main purposes, consumption which includes personal loans, credit card debt, and loans for consumer durables. The other is Asset Creation, which includes Mortgage loans, vehicle loans, and twowheeler loans and the productive activities like Loans for agriculture, business, and education.Interestingly, the report noted that nearly two-thirds of the loan portfolio belongs to borrowers with prime or higher credit quality.

The borrowing behavior varied across risk categories. Subprime borrowers largely took loans for consumption purposes, while superprime borrowers predominantly used debt for asset creation, especially for housing. The rise in per capita debt was particularly notable among super-prime borrowers, indicating their growing preference for using credit to invest in assets.

In contrast, per capita debt levels among other risk categories have remained stable. From a financial stability perspective, the RBI found the trend encouraging. The increase in debt among highly

Discount broking is the future: HDFC Sec MD

NEW DELHI. The year 2024 was full of surprises, and events that defined the business and economic landscape of India. While some of them turned out to be positive for the country, many others put the country's economic resilience to test. We list out some of the defining events of the year:

Giant leap for semicon industry

The government approved India's first semiconductor fabrication unit (fab) in Dholera, Gujarat. The project is a joint venture between Tata Electronics and Powerchip Semiconductor Manufacturing Corp of TaiwanIt has approved two assembly, testing, marking, and packaging (ATMP) units — one in Assam and the other in

An assembly and test (OSAT) facility is being set up by CG Power and Industrial Solutions. This JV with Japan's Renesas Electronics Corporation and Thailand's Stars Microelectronics is another major step

forward for the sector. This includes the approval of Micron Technology's packaging unit and Kaynes Semicon's chip unit in Gujarat."The Nifty shows only modest upside potential, as it is now trading at 23xFY25 and 20.5x FY26 consensus EPS, indicating modest upside potential in the next 12 months. This implies that investors may face a period of lower-than-expected returns, as the broader market may have already priced in some of the expected growth," he said, adding the Nifty may touch 26580 points sometime next year. Since the advent of the low/discount broking spearheaded by Zerodha—the most profitable brokerage for the past many years—full-service players have been losing market share and today discount broker Groww is the largest with over

1 million active customers followed by Zerodha at 8.1 million, Angel One at 7. New capital gain taxThe government raised capital gains taxes — short-term

capital gain (STCG) and long-term capital gain (LTCG) — on capital assets. The LTCG is now uniformly taxed at 12.5% for all classes of assets. Budget 2024 raised the STCG tax rate on sale of listed equity shares and equity-oriented mutual funds from 15% to 20%. The Budget 2024 rationalised holding periods of STCG and LTCG. Unlisted financial and non-financial assets now require a 24-month holding period to be considered longterm.Listed assets must be held for 12 months to qualify as LTCG. The indexation benefit that investors used to get was removed in Budget. Earlier, some assets enjoyed LTCG tax of 20% with indexation and 10% without indexation. The LTCG tax without indexation was effective July 23, 2024. Facing backlash, the Centre moved an amendment to the Finance Bill, 2024, to let taxpayers select either 12.5% LTCG tax without indexation or 20% rate with indexation for assets purchased before July 23.

India to focus on quality, maintenance of national highways in 2025 after record construction

In 2025, the NHAI is aiming to set new benchmarks in quality construction and management of National Highways and provide a safer, smoother, and seamless travel experience to National Highway users.

NEW DELHI. After constructing a record 56,700 km of National Highways (NHs) in the country in the last 10 years, the Road Transport and Highways Ministry will shift focus on the quality of construction and maintenance of NHs in 2025.

The Ministry of Road Transport & Highways (MoRTH) is primarily responsible for the development, operation and maintenance of NHs. Since 2013-14, the length of NHs has increased from 0.91 lakh km to 1.46 lakh km.

New Highways Secretary V Umashankar has held several meetings to step up the quality of national highway construction and its maintenance. Faced with criticism over the poor quality of certain highways,

Amritsar-Jamnagar Economic corridor on social media, the ministry is set to take steps to improve the quality. Union Road Transport and Highways Minister Nitin Gadkari has repeatedly expressed frustration over poor quality of construction of some highways.

To enhance accountability and assess the quality of construction and maintenance of National Highways, the state-owned National Highways Authority of India (NHAI) earlier this month introduced a comprehensive rating system for performance assessment of the concessionaires engaged in such works.

A detailed methodology for rating the concessioners has been formulated by NHAI under which concessioners will be evaluated every six months and ratings will be uploaded on the NHAI website and its social media handles.In 2025, the NHAI is aiming to set new benchmarks in quality construction and management of National Highways and provide a safer, smoother, and seamless travel experience to National Highway users.Construction of the much delayed Delhi-Mumbai Expressway, Delhi-Dehradun Expressway, and Bengaluru-Chennai Expressway is also likely to be completed



in 2025. The ministry is also likely to push a corridor-based highway infrastructure development approach focusing on ensuring consistent standards, user convenience and logistics efficiency, as compared to the earlier project-based development approach, focused on addressing stretches of local congestion.

This corridor approach has already led to the identification of a network of 50,000 km of high-speed highway corridors through a scientific transport study based on GSTN and toll data to support India's transformation into a USD 30-plus trillion economy by 2047. By the end of the ongoing fiscal year, the ministry is aiming to increase the length of operational high speed corridors (HSC) to 4,827 km.

Till December 2024, the ministry has been successful in operationalising 4,693 km of

The ministry is also likely to issue bids in a transparent manner for multi-party interoperable system for barrier-free toll collection system based on satellite navigation technology.Union Minister of Ports, Shipping and Waterways Sarbananda Sonowal told PTI that 2024 has been significant so far as the shipping industry is concerned. "Of Rs 80 trillion investment projected in the maritime sector in the next 25 years in Maritime Amrit Kaal Vision 2047, Rs 54 trillion is estimated in enhancing India's ship ownership, ship-building and ship registration ecosystem," Sonowal said.

He further said steps required to be taken to boost the Indian shipping industry include granting infrastructure status to ships under DEA's harmonised master list, and bringing vessels within the ambit of the SARFAESI Act, allowing creditors to leverage the Act's mechanisms for efficient recovery of dues.

According to the minister, domestic shipyards such as Cochin Shipyard Ltd, L&T Shipyard, Swan Energy (Pipavav Shipyard), Chowgule Shipyard, and Shoft Shipyard are in talks with global players to participate in ship-building and shiprepair clusters.

Wednesday, 01 January 2025

'Doesn't seem suicide': Mother uses ChatGPT to re-examine Suchir Balaji's death

≻Suchir Balaji Death: OpenAl whistleblower Suchir Balaji's mother, in an interview with, has alleged foul play in her son's death. Balaji, 26, was found dead in his San Francisco apartment last month.

NEW DELHI.OpenAI whistleblower Suchir Balaji's mother has alleged foul play in her son's death, claiming that a private investigator's probe contradicted the police's version. In an exclusive interview

with India Today, Balaji's mother, Poornima Ramarao, said she used ChatGPT to determine that the blood stains found in her son's apartment don't seem like a case of suicide.Balaji, 26, was found dead in his San Francisco apartment last month, with the medical examiner ruling it a suicide. Balaji, who left OpenAI in August, recently spoke out against OpenAI's data-gathering practices and alleged copyright violations in the development of ChatGPT.

Seeking an FBI investigation, Poornima ransacked and there were signs of struggle in the bathroom.

"There were signs of a fight in the bathroom and when we fed the picture to ChatGPT, we found that the splatter of blood is not like what it is supposed to be as per the cause of death. We also found separate blood spots in the bathroom that indicate he



may have been hit. There was also no suicide note left," a grieving Poornima said. However, the police are not listening to us," said she found her son's apartment That's when she decided to hire a private investigator to probe the death of her son. The private investigator has concluded that it doesn't seem like a case of suicide, she said."When death by suicide is determined, so many factors are taken into account. The major factor is whether the person is depressed. They didn't even ask us," Balaji's mother said.

Elon Musk, in an X post, has also backed Poornima's claims about foul play. She further said that the attorney told them that no one had entered the apartment on November 26 and all CCTV cameras were thoroughly checked."The attorney said we checked all the CCTV, no one came in, no one went out. After that, the decision to declare it to be a case of suicide was made. We mentioned that there are 3 entrances. Two of them, one through the garage and one through the backdoor, don't have

she said. Appealing to the Ministry of External Affairs for intervention, Poornima alleged that the tech industry lobby in San Francisco was very powerful. "There is a lot of corruption. My son wanted to make a difference to mankind. He was working on a project called 'Futura Doctor Visit'. Our dreams have been snatched away from us,"

Over 15k cops deployed for New Year celebrations

Elaborate security measures have been planned, particularly in high-traffic areas like Connaught Place, Khan Market, India Gate, and popular hotels, restaurants and party hubs, said officials.

NEW DELHI. Delhi Police has announced robust security arrangements for New Year's eve, deploying nearly 15,000 police and paramilitary personnel to ensure public safety and prevent hooliganism, traffic violations, and overcrowding in the national capital, officials said on Monday.

Police have also increased deployments in the border areas of the city, they said. Delhi, bordered by Haryana, Uttar Pradesh, and Rajasthan, attracts a significant influx of visitors for New Year celebrations. Elaborate security measures have been planned, particularly in high-traffic areas like Connaught Place, Khan Market, India Gate, and popular hotels, restaurants and party hubs, said officials. Deputy Commissioner of Police (New Delhi) Devesh Kumar Mahla said, "We have prepared a comprehensive arrangement to ensure the safety and security of all residents and visitors during the upcoming new year's eve celebrations.'

The New Delhi district has been divided into two zones: Zone A, supervised by additional DCP-I, will cover areas like Parliament Street and Connaught Place while Zone B, supervised by additional DCP-II, covers areas like Chanakyapuri and Tughlak Road.

The deployment in New Delhi district also includes, four ACPs, 23 inspectors, and 648 police staff. 100 home guards and 11 companies of Central Armed Police Forces (CAPF), including a dedicated women's unit. Specialized teams for bomb disposal, SWAT, and Prakram vehicles. The DCP said that to manage crowds and traffic, buses heading towards Connaught Place will be diverted from 7pm on December 31.

Exit gates at Rajiv Chowk Metro Station will close post 9pm to prevent overcrowding. 47 pickets have been erected for vehicle diversion around Connaught Place. "Strict checks will be conducted for alcohol consumption, public disturbances, and narcotics use. Only individuals with valid hotel or restaurant invitations will be allowed entry into restricted areas," said the DCP. The officer said that live monitoring through CCTV cameras will ensure rapid intervention. In the southwest district, DCP Surendra Choudhary said that there will be 27 checkpoints with breath analyzers to deter drunk driving. "Security at 35 key venues, including malls, cinemas, and party hubs like Hauz Khas Village.14 Quick Reaction Teams (QRTs) and 16 PCR vans for immediate response," said the DCP. Additional Commissioner of Police (Traffic), DK Gupta, emphasised strict traffic regulations at hotspots like Saket Mall, Ambience Mall, and Hauz Khas. "We urge everyone to celebrate responsibly and follow traffic rules to ensure a safe and joyous New Year," he said.

"VIP Lounge, Free Transport": Cops 'Invite' Drunk Drivers On New Year's Eve

New Delhi. Ahead of New Year's Eve and a night of parties, Delhi Police have put out a humorous social media post to warn drunk drivers and troublemakers. The post says the capital's cops will hold a "Cell Block Party" for

The post says this party's "opening performer" is breathalyser that would identify drunk drivers. Police, the post said, would provide "free transportation" to jail and a "VIP lounge" in the form of jail cells. Speed



cameras are in place for the "cinematography" of this party. "If you spot someone who needs to party just dial 112 and let the good times roll," the post said, adding that the venue is the "nearest police station".

The caption read, "Who needs a countdown

when you can count down the days until your release." In neighbouring Noida too, cops are patrolling to review preparations. Owners of restaurants and pubs have been asked not to take bookings more than their capacity. In cases of drunk driving, the car would be seized besides a

In Maximum City Mumbai, a large posse of police personnel will be on the street to manage traffic and identify troublemakers. The cops will set up multiple checkpoints to identify drunk drivers and step up patrolling in crowded areas. Drunk drivers, troublemakers and those harassing women would face strict action. Joint Commissioner of Police Satvanarayan Choudhary said "We are also looking at entry of illegal weapons into the city. Historysheeters are being monitored and preventive action is being taken if

Over 50 Cars Punctured Due To Iron Board On Mumbai-Nagpur Highway

New Delhi. Panic ensued along the Mumbai-Nagpur Samruddhi Highway after over 50 vehicles were punctured passed over an iron board that had fallen on the road.

The incident occurred around 10 pm on December 29 between the Malegaon and Vanoja toll plaza in Washim district, impacting four-wheelers and cargo trucks. This resulted in a long traffic jam on the



highway. Further, commuters were stranded on the highway overnight as no assistance arrived for a long time. It is being investigated if the board fell accidentally or was thrown intentionally. This comes at a time the safety on the high-speed corridor is under question. In June, at least six people were killed and four injured in a collision between two cars on the Samruddhi Mahamarg near the Kadwanchi village on Samruddhi Highway in Jalna district.

The Samruddhi Mahamarg is a partially functional sixlane and 701-km-long access-controlled expressway in Maharashtra. It is one of the country's longest greenfield road projects connecting Mumbai and the state's third-largest city Nagpur. It was built at a cost of Rs 55,000 crore.

No medical units, fewer AED devices in metro stations for passengers, reveals RTI emergencies.

NEW DELHI. Despite operating an expansive 393kilometre metro network with 288 stations, the Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) lacks dedicated medical units to handle passenger emergencies. Moreover, only six stations on the Airport Express Line—the least frequented route—are equipped with Automated External Defibrillators (AEDs), vital for reviving cardiac arrest

victims. The information was revealed in an RTI query filed by Dr Aman Kaushik, accessed by this newspaper. The RTI sought a list of metro stations where medical teams, doctors, and AED devices are available. The DMRC's response was stark: no medical units or doctors are deployed at any station, and AEDs are present only at six stations on the Airport Line—New Delhi, Shivaji Stadium, Dhaula Kuan, Delhi Aerocity, Airport (T-3), and Dwarka Sector-21.Dr Kaushik recounted the incident that



pushed him to file the RTI. "Last year, I witnessed a passenger collapse inside the metro. There was no trained staff to administer CPR, and the crowd panicked. I stepped in and performed CPR, reviving the patient. The individual was dropped off at Azadpur Metro Station, but there was no AED machine there," he said.

Kaushik highlighted the absence of AEDs at busy interchange stations Dr Kaushik, however, argued that while like Rajiv Chowk and Kashmere Gate, Kaushik emphasised the urgent need for trained personnel and adequate equipment to handle cardiac

Sudden cardiac deaths can be reduced only with proper CPR training and the availability of AEDs at all stations," he said. A DMRC official responded to the RTI stating that operations personnel and station staff have been trained in first aid and CPR. "First aid kits are available with train operators and at all stations. In case of emergencies, station staff provide assistance, including wheelchairs,

stretchers, and first aid. Passengers are escorted to the nearest hospital via ambulances, PCRs, or private vehicles to ensure timely medical care during the golden hour. Each station's control room has details of nearby hospitals, and injured passengers can also be shifted to empanelled hospitals if needed," the official said.

tie-ups with CAT ambulances and hospitals are helpful, they are not sufficient to address sudden cardiac

Cost of LCA Mark 2 jet project may rise due to likely engine price hike: Sources

India has plans to buy around 200 LCA Mark 1A fighter jets along with the same number of LCA Mark 2 and Advanced Medium each in the next **15 years.**

New Delhi. As the government tackles the delay in the LCA Mark 1A fighter jet project, the price of the deal for the LCA Mark-2 engine is likely to go up, increasing the overall cost of the project, defence ministry sources said on Monday. The deal is being negotiated by Hindustan Aeronautics Limited (HAL) and the American GE to supply GE-414 engines for the LCA Mark-2 aircraft as the price of the deal is now going to rise due to cost escalation, sources told.All indigenous fighter programmes are facing

delays, mainly due to engine issues. Combat Aircraft India has plans to buy around 200 LCA Mark 1A along with the same number of LCA Mark 2 and Advanced Medium Combat Aircraft

> each in the next 15 years. The Tejas Mark-1 and Mark-1A variants are GE Aerospace, manufacturer of the F404 jet

powered by the off-the-shelf GE-F404 engines purchased from the US.

The Air Force, in the recent past, has repeatedly expressed dissatisfaction with the current pace of the LCA Mark-1A programme. The first aircraft from the existing order was scheduled for delivery by March 31, 2024.

engines, earlier this year, cited supply chain issues as the main reason for the delay in supplying the engines to

The F404 series engines are required to produce the 83 Tejas Mark-1A jets ordered by the government under a contract worth Rs 48,000 crore signed in February 2021. HAL has reportedly assured the Air Force that it will deliver 16 LCA Mark-1A jets during the financial year 2024-25 and complete the delivery of all 83 jets by 2029.

The fifth-generation Advanced Medium Combat Aircraft is expected to enter production in 2035, the sources added. The LCA Mark 2 will be an improved version of the existing LCA Tejas fighter jet. The Tejas Mark 2 is expected to be a heavier, more advanced aircraft with enhanced indigenous combat capabilities.

Dallewal will take medical aid if Centre speaks to farmers: Punjab to Supreme Court

Jagjit Singh Dallewal has been on an indefinite hunger strike at the Khanauri border between **Punjab and Haryana since** November 26, urging the **Centre to address** farmers' demands, including a legal guarantee for Minimum Support Price on crops.

NEW DELHI. The Punjab government on Tuesday informed the Supreme Court of a proposal that farmer leader Jagjit Singh Dallewal, who has been on an indefinite fast since November 26, would accept medical aid if the Centre spoke to the protesting farmers.A bench of Justices Surya Kant and Sudhanshu Dhulia was hearing a contempt plea against the Punjab Chief Secretary and DGP for not complying with the Supreme Court's order of giving medical aid to Dallewal.During the hearing, the Punjab government sought three more days time for compliance with the order.

Punjab Advocate General Gurwinder Singh informed the court that intervenors and

negotiators had gone to the protest site at the Khanauri border between Punjab and Haryana and efforts for compliance were made. Seeking more time in the wake of the Punjab Bandh on Monday, Gurwinder Singh said: "There were traffic blockades and hindrances and said the protesters had proposed that Dallewal would take medical aid if the Centre was ready to talk



"As per the negotiators, there is a proposal given by the farmers to the Central government that if they get an invitation for a talk, then Dallewal is ready to get medical aid as desired."At this, the bench said, "We are not concerned with that, we are only concerned with compliance. Whatever is going on, we cannot comment on that."

While deferring the hearing to January 2, the court said, "An application has been

moved on behalf of the officers of the state of Punjab seeking an additional three days' time. Taking into consideration the totality of circumstances and keeping the interest of justice in view, we are inclined to accept the request to afford some more time for compliance."

Γuesday's hearing came three days after a Punjab government team attempted to persuade Dallewal to take medical aid. He, however, declined it, fearing the use of force to oust him from the protest site.

On December 28, the Supreme Court came down heavily against the Punjab government for its failure to shift the fasting farmer leader to a hospital as his health had deteriorated.Farmers, under the banner of SKM (Non-Political) and Kisan Mazdoor Morcha, have been camping at the Shambhu and Khanauri border points between Punjab and Haryana since February 13.

NEWS BOX

Jimmy Carter's State Funeral To Be Held On January 9 in Washington DC

Washington, United States. Former US President Jimmy Carter's official state funeral will be held on January 9 in Washington DC, the same day as a national day of mourning announced by President Joe Biden on Sunday. Biden is expected to deliver a eulogy for the former President, and on Monday he ordered federal offices closed on January 9 "as a mark of respect" for Mr Carter. The Supreme Court followed suit on Monday noon, announcing it would also be closed on January 9 in recognition of the day of mourning.

Mr Carter passed away on Sunday (local time) at the age of 100. Services honouring Mr Carter will begin on January 4 and include a brief pause at his boyhood home and the family farm in Plains, Georgia, where he grew up, and a stop at the Georgia State Capitol for a moment of silence.

Mr Carter will lie in repose at the Carter Presidential Center in Atlanta until January 7 for mourners to pay their respects, before departing for Washington, DC, where his remains will be carried to the US Navy Memorial and then to the US Capitol in a funeral procession. Upon arrival at the Capitol, members of Congress will pay their respects to the late President during an afternoon service on January 7. He will lie in state until January 9. The state funeral will be held at the National Cathedral at 10 a.m. that day.

In a letter on Monday, Congressional leaders from both parties notified Mr Carter's son James Carter III and the Carter Center of their intent for the late President to lie in state at the Capitol from January 7-9.

"In recognition of President Carter's long and distinguished service to the nation, it is our intention to ask the United States House of Representatives and the United States Senate to permit his remains lie in state in the Rotunda of the United States Capitol," the lawmakers said in a joint statement. With your approval, we will move forward with these arrangements so that the American people have the opportunity to pay their respects to President Carter before he is laid to rest," they added.

In a statement on Truth Social on Sunday, US Presidentelect Donald Trump also paid tribute to Mr Carter, writing that "the challenges Jimmy faced as President came at a pivotal time for our country and he did everything in his power to improve the lives of all Americans".

Swiss Cabin Crew Member Dies After Smoke Forced Emergency Landing In Graz

Zurich.A Swiss Internaional Air Lines cabin crew member on an aeroplane forced to make an emergency landing due to smoke inside the aircraft has died, the flag carrier said on Monday. The Airbus A220-300 jet, with 74 passengers and five crew on board, was flying from Bucharest to Zurich on December 23 when it had to land in Graz, Austria after engine problems occurred and smoke filled the cockpit and cabin. The plane landed safely."We must report, with the deepest of sorrow and regret, that our young colleague died in the hospital in Graz on Monday," Swiss said in a statement. Swiss chief executive Jens Fehlinger said the loss had left the airline, a subsidiary of Germany's Lufthansa, in shock and grief. We are devastated at our dear colleague's death," he said."Our thoughts are with his family, whose pain we cannot imagine. I offer them my heartfelt condolences on behalf of all of us at Swiss."Swiss said in a statement that "out of respect for the loved ones, we will not provide detailed information about our employee or the cause of death." After the plane made an emergency landing, one cabin crew member was flown by helicopter to a hospital in Graz and taken into intensive care. Another cabin crew member was also taken to hospital.

All passengers were evacuated and 12 received medical attention. Swiss on Tuesday said that all passengers who were admitted to hospital had since been able to leave. Chief operating officer Oliver Buchhofer thanked the local emergency services in Graz who had helped passengers and crew. This is the saddest of days for us all," he said. "Losing our colleague and fellow member of our Swiss team leaves me distraught and dismayed. "He said Swiss would work "with the relevant authorities, to determine the causes involved. "Swiss said the focus of its investigation was on the mechanical parts of the aircraft, such as the engine, but also on the use of protective breathing equipment for the cabin crew.

Kim Jong Un Vows To Further Solidify Russia Ties In Letter To Putin

Seoul. North Korean leader Kim Jong Un pledged to solidify the country's comprehensive strategic partnership with Russia in his letter to President Vladimir Putin on Monday, state media KCNA reported on Tuesday. In the message, Kim sent New Year greetings to Putin and all Russians, including their troops and expressed his willingness to further step up bilateral ties, which he said the two leaders have elevated to a new height this year, through new projects, KCNA said.

Kim "wished that the New Year 2025 would be recorded as the first year of victory in the 21st century when the Russian army and people would defeat neo-Nazism and achieve a great victory," KCNA said.Kim and Putin signed a mutual defence treaty at a summit in June, which calls for each side to come to the other's aid in case of an armed attack.

North Korea has since dispatched tens of thousands of troops to Russia to support its war against Ukraine, and Seoul and Washington said that more than a thousand of them have been killed or wounded.

South Korean court issues arrest warrant for impeached president Yoon

SEOUL.A South Korean court has issued an arrest warrant for impeached, suspended President Yoon Suk Yeol, investigators said Tuesday, over his short-lived bid to impose martial law on the country. Yoon briefly suspended civilian rule this month, plunging South Korea into its worst political crisis in decades. He was stripped of his presidential duties by parliament over the action, but a constitutional court ruling is pending on whether to confirm the impeachment."The arrest warrant and search warrant for President Yoon Suk Yeol, requested by the Joint Investigation Headquarters, were issued this morning, the Joint Investigation Headquarters said in a statement. The conservative leader faces criminal charges of insurrection, which could result in life imprisonment or even the death penalty. Investigators probing Yoon over his declaration of martial law requested the warrant Monday after the suspended president failed to report for questioning a third time."The reason for the warrant is that there is a concern that the individual may refuse to comply with

summons without justifiable reasons, and there is sufficient probable cause to suspect the commission of a crime," a Corruption Investigation Office (CIO) official told reporters at a briefing on Tuesday."The warrant is valid until January 6," the official said, adding that Yoon could be held at a police station or the Seoul detention center. Yoon's lawyer called the arrest warrant for the impeached president "illegal and invalid", saying investigators lacked the authority to probe the president. "The arrest warrant and search and seizure warrant issued at the request of an agency without investigative authority are illegal and invalid," a statement sent to

AFP by lawyer Yoon Kab-keun said.Even though the warrant has been issued, it is unclear whether investigators and police will be able to execute it.The Presidential Security Service has previously refused to comply with three search warrants.It said



Tuesday that "security measures regarding the execution of the warrant will be carried out in accordance with lawful procedures," in a statement to local media. But lawyer Yun Bok-nam, president of Lawyers for a Democratic Society, told AFP that while there was a legal basis for rejecting a search warrant "there's no such provision for arrest warrants"."I expect the (arrest) process will proceed smoothly," he said, adding that warrants were typically valid seven days and had to be executed within that time frame.Police were deployed early Tuesday outside Yoon's residence in central Seoul, in a likely bid to head off scuffles.Yoon's supporters and protesters calling for his removal have both staked out his residence, with local media running images of altercations between the two camps overnight.Up to 3,000 people will move to protest against the unfair and unvalid arrest warrant," said an official

from the largest protest group supporting Yoon.Local media reported than an imminent arrest or search of the presidential residence was unlikely, as investigators would seek to coordinate with the presidential security service.

Venezuela's top court

issues a \$10 million fine for

TikTok over allegedly

deadly video challenges

CARACAS. Venezuela's Supreme Court on Monday

issued a \$10 million fine against TikTok for "not

implementing measures" to prevent viral video

challenges that have allegedly led to the deaths of three

Judge Tania D'Amelio said TikTok had acted in a

negligent manner and gave it eight days to pay the fine,

Venezuelan children recently.

Six people injured in New York City convenience store firing

Police said that one of the intended targets, used a woman as a shied. The woman ended up shot in the stomach while the person who grabbed her went unscathed.

NEW YORK. Six people were shot at a New York City convenience store Monday, including a 12-year-old girl and her mother, as one of the intended targets used the woman as a shield, police said. The mother ended up shot in the stomach while the person who grabbed her went unscathed, police



interim Chief of Department John Chell said. There was no immediate information on the condition of those wounded in what Chell called "a brazen and heartless attack on innocent New Yorkers and cowardly intended victims." Police believe the two shooters were aiming for people in a group standing outside the store on White Plains Road, a commercial

thoroughfare in the Bronx.

Chell said police have video showing the attackers opened fire around 5 p.m. as they ran across the road to the store, then kept shooting as their targets ran into the store. After bumping into the woman and girl at the counter, one of the people who ran inside took hold of her and spun her into the

line of fire, Chell said.Chell said all of those shot, except the 40-year-old mother, were wounded in their arms or legs. The Fire Department said it took five of the wounded to hospitals, and the sixth apparently got a ride to a hospital from someone else.In addition to the mother and daughter, those wounded included four men, aged 18 to 21 Chell said

TikToL

There Are No Trans Kids": JK Rowling's Controversial Remark Sparks Debate

JK Rowling has once again stirred controversy with her remarks on transgender issues

World. JK Rowling has once again stirred controversy with her remarks on transgender issues. The Harry Potter author, in her latest post on X, claimed that transgender children "do not exist" and dismissed the concept of being "born in the wrong body."

The controversy began on Sunday when an X user criticised Rowling for allegedly not using her influence for positive change. The user wrote, "I wish you would use your immense power for good. Your hateful focus on trans kids is hurtful and unnecessary."

In response, JK Rowling wrote, "There are no trans kids. No child is 'born in the wrong body'. There are only adults like you, prepared to sacrifice the health of minors to bolster your belief in an ideology that ends up wrecking more



harm than lobotomies and false memory syndrome combined."

Her remarks met with immediate backlash, with critics accusing her of perpetuating harmful rhetoric against transgender individuals. A user commented, "Isn't that the same logic homophobic people used in the previous century against gays and lesbians?" Another said, "You're also a medical expert. Didn't know that. This thing that everyone famous for anything feels the urge to act as an expert of something else... makes me crazy! I surely need to be visited by a novelist..." to which Rowling replied,

"But being trans isn't a medical

told."Whatever you believe doesn't matter. If a person feels and identifies as a different gender, who are you to judge? Let people be who they want to be. It doesn't affect your life in any way shape of form. They're not forcing their beliefs on your lifestyle. Stay in your own lane," read a comment.Rowling's remarks also found support from some quarters. One user

condition, or so we're

wrote, "You don't need to be a medical expert to know right from wrong or child exploitation when you see it."This is not the first time JK Rowling has come under fire for her opinions on transgender issues. Back in August, she criticised Algerian boxer Imane Khelif's participation in the Paris Olympics 2024, suggesting that Khelif, who defeated Italian boxer Angela Carini in a 46-second match, was a man competing against women. Rowling accused organisers of enabling "men's power over women," and criticised the International Olympic Committee (IOC) for allowing Khelif to compete.

while also ordering the video service company to open an office in Venezuela that would supervise content so that it complies with local laws. The judge did not explain how Venezuela would force TikTok, whose parent company is based in China, to pay the fine. Venezuela has blocked dozens of websites in previous years for not complying with regulations set by its telecommunications commission. TikTok did not immediately respond to requests for comment from The Associated Press.In November, Venezuelan President Nicolas Maduro blamed TikTok for the death of a 12-year-old girl who allegedly died after participating in a TikTok challenge that involved taking tranquilizer pills and not falling asleep. Venezuela's Education Minister Hector Rodriguez also said last month that a 14-year-old died after taking part in a TikTok challenge that involved sniffing substances. And on Nov. 21, Venezuela's attorney general blamed video challenges on TikTok for the death of a third child. Dozens of radio stations and television channels have been taken off the air in Venezuela under Maduro over their news coverage. More than 60 websites belonging to human rights groups and news companies were blocked at different times this year, according to VE Sin Filtro, a group that tracks media freedoms in the South American country. In August, Venezuela banned the social media platform X as thousands of Venezuelans took to the streets to protest the re-election of Maduro. The Venezuelan government initially banned X for 10 days, after Maduro accused its owner Elon Musk of using the social media platform to "orchestrate attacks against Venezuela."Musk had accused Maduro of rigging the July 28 election, which the United Nations and the Carter Center, an organization that monitors elections around the world, said.

New Taiwan Board Game Invites Players To Battle 'Chinese Invasion'

Taipei. A new board game set against the backdrop of armed conflict around Taiwan is set to be released in January 2025, amid renewed threats from Beijing, inviting players to participate in an imaginary Chinese invasion 20 years from now.

China has ramped up military activity close to democratically governed Taiwan in recent years, including massing naval forces around the island this month.

The new game, titled "2045", tasks gamers with navigating the troubles of war by using colourful action cards, and role-playing characters involved in operations 10 days before a fictional Chinese invasion of Taiwan. That includes members of Taiwan's armed forces, Chinese sleeper agents and pro-China politicians working to sabotage the island's defence, as well as citizens picking up guns to defend their homeland.

China claims Taiwan as its own and has never renounced the use of force to bring the island under its control. Taiwan's president and his government strongly object to



China's sovereignty claims and say only the island's people can decide their future. Taiwanese board game maker Mizo Games started crowdfunding the game in August. Within two-and-a-half-months, the company had received more than T\$4 million (\$121,966) to fund the project.

"It is not quite peaceful around Taiwan island

and the Western Pacific as we speak,"

Chang Shao Lian, the founder of Mizo Games told Reuters at his Taipei office.
Chang said he wanted "players to feel they want to win and think about what they will

Chang said he wanted "players to feel they want to win and think about what they will do to win". The game, which is also set to go on sale in the U.S. and Europe later in the year, has been developed at a time when Taiwan officials have intensified preparations for scenarios including a

China conflict.ast week. Taiwan's presidential office held its first "tabletop" exercise involving government agencies beyond the armed forces, simulating a military escalation with China.he exercise involved scenarios, including the island being "on the verge of conflict", to test the readiness of government offices and civil society.Players who participated in a test run of "2045" said they learnt about what might happen in the event of a Chinese invasion and that they hoped the game could help people understand the implications of a war."I'm not very knowledgeable on military matters, therefore through this game I learnt about where the army may land and launch an attack," said Kalin Lai, a 23-year-old who tried out the game.

Mizo has previously created two other Taiwan war-themed board games - one about surviving an air raid in Taipei and the other about a bombing in Kaohsiung during Japan's colonisation of the island between 1895 and 1945.

Emma Raducanu pulls out of Australian Open warmup with back niggle

New Delhi. Grand Slam champion Emma Raducanu has withdrawn from the Auckland Open due to a back injury, dealing a blow to her preparations for the Australian Open. The 22-year-old British tennis player was scheduled to face Robin Montgomery of the United States in the first round of the ASB Classic on Tuesday. However, Raducanu has decided to travel to Melbourne to continue her preparations for the Australian Open, which begins on January 12. Raducanu, a Grand Slam champion and sixth seed at the Auckland warm-up event, expressed her disappointment in a statement: I've tried my best to be ready. I love Auckland and the fans here, but unfortunately, I've picked up a back niggle and won't be ready in time."Since her remarkable US Open victory in 2021, Raducanu has faced persistent injury setbacks. This year, she skipped five tournaments in the WTA's Asia swing after spraining ligaments in her foot. Additionally, she spent much of the previous season recovering from ankle and wrist surgeries.

The 22-year-old managed to play only three matches after the Seoul injury in September,



all of which she won while representing Great Britain at the Billie Jean King Cup Finals. Despite this success, she heads into the Australian Open without any recent match practice.Last season, Raducanu encountered fewer injury issues but played only 10 matches after Wimbledon and missed the Miami Open in March due to another back problem. To address her fitness challenges, Raducanu has enlisted the help of renowned trainer Yutaka Nakamura, who has been working with her in Auckland.

'I just needed a more tailored approach and someone dedicated solely to me as an individual," Raducanu said earlier this month. "It's already bringing a positive change. The integration between my fitness work and on-court training with [coach] Nick [Cavaday] is making a noticeable difference."Currently ranked 56th in the world, Raducanu will not be seeded at the Australian Open.

Travis Head's celebration insulted not just Pant but 1.5 billion Indians: Navjot Sidhu

New Delhi. Former Indian cricketer Navjot Singh Sidhu slammed Travis Head's celebration after dismissing Rishabh Pant, calling it an insult to 1.5 billion Indians and demanding "stringent punishment" to prevent similar acts on the cricket field in

The incident took place during the final session of Day 5 of the Boxing Day Test when Head dismissed Pant, who had scored a brisk 30. Head's peculiar celebration—pointing one finger into a circularly shaped hand—left fans and commentators puzzled. Although Channel 7's James Brayshaw and Pat Cummins later clarified that the gesture symbolised "putting his finger on ice"."Travis head's obnoxious behaviour during the course of the Melbourne test doesn't auger well for the gentleman's game..... sets the worst possible example when there are kids, women, young & old



watching the game...... this caustic conduct did not insult an individual but a nation of 1.5 billion Indians.....stringent punishment that would serve a deterrent for the future generations needs to be slapped on him so that no one dares follow suit !!!" Sidhu wrote on X.Channel 7's James Brayshaw offered some clarity. "Now, great people in the back have said after he took 4-10 within 17 balls in Sri Lanka in 2022 he was quoted as saying, 'I had to put the digit on ice'," Brayshaw said. "So that was the celebration. He said 'I just got him, and I'm putting it back on ice'."Australia captain Pat Cummins provided an explanation for Head's celebration. "I can explain that. His finger is so hot, that he is going to put it in a cup of ice. Yes, that's what it is. That's normally the running joke. Was it at the Gabba or somewhere.

Manchester United face clear threat of relegation, admits Amorim after another loss

Ruben Amorim admitted that it is "really clear" Manchester United are being drawn into a relegation battle following their 2-0 defeat to Newcastle at Old Trafford.

New Delhi. Manchester United manager Ruben Amorim admitted that the Premier League club must acknowledge they are in a relegation battle, despite the embarrassment of being in such a situation. The Red Devils suffered a 2-0 defeat to Newcastle at Old Trafford on Monday night, marking their fifth loss in six Premier League matches.

This latest disappointing result leaves United 14th in the table, just seven points above the relegation zone. Liverpool legend Jamie Carragher described their recent form as



"relegation form," a sentiment Amorim echoed.

The coach made this candid admission after watching his side outplayed at home by Newcastle. Amorim has become the first United manager since Louis van Gaal in 2015 to oversee three consecutive Premier League defeats. Although United have remained in the top flight since their promotion to the old First Division in 1975, they now sit precariously just seven points above the relegation zone halfway through

the season. Speaking after the game, Ruben Amorim admitted it is "really clear" that Manchester United are in a relegation battle. He described the situation as "a bit embarrassing" during his post-match press conference but took responsibility for the team's struggles. When asked whether his team is in a relegation fight, Amorim told Sky Sports: "That is really clear, and we have to fight. This is a really difficult moment-one of the most difficult in the history of Manchester United-and we need to address it

with honesty"It is also my fault," Amorim added. "The team is not improving. It is a little lost at the moment, and it is embarrassing to be Manchester United's coach and lose so many games. I think people are tired of excuses at this club. This

When you're in situations like this, especially at big clubs, it's very hard to turn things around, particularly when there's little time to train on the basics and manage difficult moments. We have to acknowledge our position. In this league, anyone can beat anyone."Former Manchester United defender Gary Neville shared his post-match thoughts, expressing little optimism but acknowledging that Amorim is at least gaining insight into the players he has inherited."United have gone backwards, but hopefully that's backwards to go forwards,' Neville said. "There are very slim pickings in terms of positives from these first few weeks. Maybe the most positive thing is that Amorim is seeing these players for what they really are. We're not getting a 'bounce' that might have made him think they are better than they actually are.

He knew this was a big job, but it's turning out to be a massive one. He's realizing that now while he's still in a position of power and

Mitchell Starc to miss Sydney Test Australia head coach gives injury update

Melbourne. Australia head coach Andrew McDonald remained optimistic that Mitchell Starc would be available for the final Test of the Border-Gavaskar Trophy in Sydney. However, McDonald acknowledged that Starc was managing a niggle and that a decision would be made closer to the New Year's Test, which begins on 3 January. AUS vs IND, 4TH TEST: FULL SCORECARD

Mitchell Starc dealt with an upper-body concern throughout the five-day Melbourne Test match. The issue first became apparent on Day 3 when Starc was seen clutching his back during spells and left the field at the close of play. Despite the discomfort, Starc pushed through the niggle, bowling at full pace on the final day to help Australia defend a target of 330 and secure victory in the Boxing Day Test.Starc consistently bowled at speeds of around 140 km/h and alaimed the argueint wielest of Virot Vohli claimed the crucial wicket of Virat Kohli before lunch on Day 5. He managed to bowl 16 overs in the final innings of a closely contested Test that swung back and forth until India lost seven wickets in the last



session, conceding the series lead to the hosts."Clearly, Starc is carrying something of some description. We'll assess that. But other than that, it looks as though we got through pretty well unscathed. However, it's a short turnaround, and recovery is

important. We'll assess what the team looks like in Sydney based on the surface, as we always do," McDonald said on 31

'Any time you get through the game, it's always a good indicator that you're a chance for the next one. It didn't stop him,"

There was clearly a bit of discomfort early in his spells, but once he warmed up, he seemed relatively free. His ball speeds were good."I think the morning session, when we bowled over 20 overs, was probably as good as we've delivered." Australia added Sean Abbott and Jhye Richardson to their Test squad as back-ups before the fourth match in Sydney. Both are expected to be available for the final Test despite their Big Bash League commitments. Australia will aim to regain the Border-Gavaskar Trophy for the first time since 2014. They need nothing less than a win in Sydney to reclaim the trophy. If the series ends in a draw, India will retain the trophy and head home as

Captain fantastic: Pat Cummins steps up to haunt India again

New Delhi. Pat Cummins has come back to haunt India, yet again. With a smile on his face, faith in his heart and immaculate trust in his approach, Cummins has again shown why he is currently regarded as one of the best captains in international cricket. Cummins very well knows how to lead from the front and is skilled enough to bring forth his Agame when the chips are down.

Last year, under Cummins, Australia defeated India in two world finals: the World Test Championship, followed by the ODI World Cup in front of a packed house at the Narendra Modi Stadium in Ahmedabad. On Monday, Cummins gave India another major jolt, pushing Rohit Sharma's men on the brink of not qualifying for the WTC final to be held next year.Cummins stood tall as Australia beat India by 184 runs in the Boxing Day Test. Sam Konstas, Nitish Kumar Reddy, Yashasvi Jaiswal and Jasprit Bumrah hogged the headlines, but it was Cummins won the Player of the Match award. Cummins went about his business as elegantly as he always had.



Cummins put his hands up in crisis and inspired Australia to a crucial 2-1 lead after initially going 0-1 down.

Pat Cummins sets the tone

Barcelona lose another appeal to register Dani Olmo before deadline

Barcelona have lost another appeal for the registration of Dani Olmo for the rest of the season on Monday, one day before the deadline to register the Spanish international.

New Delhi Barcelona have lost another appeal to register Spanish forward Dani Olmo for the remainder of the season-just one day before the deadline. The club signed Ölmo in August for approximately €55 million (\$57.22 million). However, due to their inability to meet La Liga's wage cap, the attacking midfielder was registered only for the first half of the season.Barcelona managed to register Olmo initially by reallocating wages from long-term injured players, which allowed them to fit the 26-year-old, along with forward Pau V-ctor, into their budget. However, the four-month allowance for this arrangement is set to expire at the end of the month.On Friday, Barcelona's request to provisionally register Olmo was denied by the Commercial Court Number 10. The ruling was upheld on Monday by the Court

of First Instance Number 47.ccording to La



Liga, the precautionary registration of Olmo was rejected because none of the necessary conditions for such a measure were met. La Liga also emphasized that its Delegate Commission has full authority to approve budgeting rules, which no club, including Barcelona, has previously contested.

The league further clarified that the decision not to register Olmo was made initially by its Budget Validation Body and later confirmed by its Financial Fair Play Committee, Social

Appeals Committee, and UEFA's Second Instance Spanish Football Federation. Olmo, who played for Barcelona's youth academy

before leaving for Dinamo Zagreb at 16, has scored six goals in 15 appearances for the club this season. He was instrumental in helping Spain win the European Championship during the summer.

Barcelona now faces a race against time to find an alternative solution to

register Olmo before January 1, or he risks becoming a free agent. Reports suggest Premier League clubs are already expressing interest.

Spanish media has reported that the club plans to sell VIP boxes at its Camp Nou stadium, potentially generating over €100 million, though this move would require La Liga's approval. Hansi Flick's Barcelona currently sits third in La Liga, three points behind leaders Atlético Madrid.

With the series hanging in the balance after the drawn Gabba Test, the onus was on Cummins to put Australia back on top, and he did not let his team down. In the first innings at the MCG after the Aussies lost six wickets, Cummins joined hands with the stylish Steve Smith to build a priceless 112-run stand, also taking his team past the 400-run mark. Cummins made 49 off 63 and was unlucky to not reach his fifty, but gave Australia the much-needed kick in their first innings. With the ball, Cummins gave the hosts the first breakthrough after dismissing Rohit Sharma, who might be terribly out of form, but is more than capable of taking quality bowling attacks to the cleaners.ummins also cleaned up KL Rahul, after which he got rid of Bumrah to finish with figures of 29-6-89-3.

Australia coach defends Mitchell Marsh amid widespread calls to drop all-rounder

→ Border-Gavaskar Trophy: Australian coach Andrew McDonald has defended the role of out-of-form allrounder Mitchell Marsh in the team ahead of the fifth and final Test against India.

New Delhi Australian coach Andrew McDonald has defended all-rounder Mitchell Marsh despite mounting criticism and widespread calls to drop him from the playing XI for the fifth and final Test in Sydney. Marsh has endured a dismal run in the ongoing Border-Gavaskar series, averaging just 10.42 with the bat and managing only one double-digit score across seven innings. This marks the second-lowest batting average by an Australian in a home Marsh's inclusion in the Test team came as a Test series (minimum seven innings), behind

only Kim Hughes' 10.12 during the 1984-85 season. Marsh's contribution with the ball has also been minimal, apart from a couple of early wickets in Perth. Speculation about Marsh's fitness has circulated, but McDonald dismissed concerns of an injury, attributing Marsh's limited bowling involvement to tactical decisions. We haven't required him with the ball as often as what we would have thought. He bowled again today. His speeds are up in the high 120s. There are no injury concerns there," McDonald said during a media interaction on Monday."I think to sort of head that down that angle is a little bit unfair. We just haven't required him at certain times for whatever reason, so that's more a tactical implementation, as opposed to a body. "I think the amount of overs that we've been bowling across the

series is probably going to be a benefit to us." replacement for Cameron Green, who



missed the series due to back issues. However, with Green unavailable, Marsh's poor form has led to growing arguments for his exclusion, especially as Australia seeks to maintain their 2-1 series lead.

Complicating the selection dilemma is the potential unavailability of paceman Mitchell Starc, who may miss the Sydney Test due to injury. This could deter selectors from making multiple changes to a team fresh off a victory in Melbourne. McDonald acknowledged Marsh's struggles but noted his positive attitude within the camp. "Would he like better performances? Of course," McDonald said. "But he's in a good headspace after the win in Melbourne.'

Should Marsh be dropped, allrounder Beau Webster is on standby for a potential Test debut. Captain Pat Cummins is expected to confirm the final XI either on Thursday or at the toss on Friday.

Shalin Bhanot Makes First Appearance

Amid Eisha Singh Dating Rumours,

Meta The second

Reacts To Palak Tiwari And Ibrahim Ali Khan Dating Rumours: 'They Will Forget...'

or a long time now, dating reports of Palak Tiwari and Ibrahim Ali Khan have been making headlines. While the two have repeatedly claimed that they are just good friends, Palak's mom, actress Shweta Tiwari has now said that such rumours do not bother her. In a recent interview, Shweta talked about Palak's dating reports and argued that such social media chatter is not relevant to her."Rumors don't bother me anymore, in all these years I have realized people's memory only last for 4 hours. They will forget the news after that, so why bother? As per rumours, my daughter is dating every third guy, and I am getting married every year. As per the internet, I am already married thrice. These things don't affect me now, earlier they did when social media was not there and when some journalist never liked writing good things about you. Negativity about actors sell. After dealing with that era, this doesn't affect me," Shweta told SCREEN.

Palak Tiwari and Ibrahim Ali Khan's dating rumours first made



were just out, and we got papped. It ends there. It's just that. In fact, we were with a group of people. It wasn't just us. but it got papped like that. It was the narrative that people liked the most, but that's it. We are nice friends. He is a very sweet guy. That's all there is to it. We talk sometimes and that's all," she had said. Meanwhile, on the work front, Palak Tiwari was last seen in Salman Khan's Kisi Ka Bhai Kisi Ki Jaan.

just 'nice friends'. "We



Kangana Kanaut

Lauds Himachal Women, Calls Them 'Equal Or Better Looking' Than Preity Zinta, Yami Gautam

ctress turned politician Kangana Ranaut took to her Instagram stories recently to appreciate women from Himachal Pradesh. She called them hard-working and gave a shout-out to her fellow Himachal actresses like Preity Zinta, Yami Gautam, and Pratibha Ranta.Kangana shared a picture of herself with Preity, Yami, and Pratibha Ratna and wrote, "#peopleofhimachal When I go to



Himachal and see our women equally or better looking than us work tirelessly in the fields no insta no reels raising cattle and making the ends meet. I feel they can definitely do with some hype. #himachaligenes #himachaliwomen."

Recently, Kangana also celebrated Christmas at her home in Himachal. She shared a snippet of her celebration on social media and revealed that she decided to mark the festive occasion with 'Gajar Ka Halwa'. In the bunch of photos, she was seen enjoying the dessert while sitting on a comfy couch

at her home. "Merry Christmas everyone, how are you all celebrating? I made gajar ka halwa for myself," she wrote.

On the work front, Kangana Ranaut is eyeing the release of her muchawaited film Emergency. The political drama, written, directed, and co-produced by Kangana, was earlier scheduled to be released on September 6 but was postponed due to the failure to get a clearance from the CBFC.Starring Kangana Ranaut as the former Prime Minister Indira Gandhi, the film delves into the time when an Emergency was imposed in India for 21 months from 1975 to 1977. Besides Kangana, Anupam Kher, Milind Soman, Mahima Chaudhry and Shreyas Talpade will also be seen playing key roles in the film. While Shreyas will be playing the role of Atal Bihari Vajpayee, Anupam Kher is set to portray Jayaprakash Narayan in the upcoming flick. Notably, the film will now be released in theatres on

January 17.



Salman Khan Playfully Teases Eisha Singh With Shalin Bhanot's Name On Bigg Boss 18

tha," asked one photographer. In response, Shalin

folded his hands, flashed a smile and said that he is glad he is being remembered. "Yaad kar rahe hain, achhi baat hai," he said humbly. Check out the video

For the unversed, in a recent Weekend Ka Vaar episode of Bigg Boss 18, Salman asked Eisha, "Whose was the last phone call you made before entering the house?" He then hinted at Shalin Bhanot and said, "Boyfriend nahi hoga, very close friend hoga, shayad main unko jaanta hoga, nature ke bahut he calm honge, Shalin honge," hinting at Shalin Bhanot. Eisha, however, clarified that Shalin is a good friend and claimed that the two are not dating. "Shalin is only my best friend. We have worked together, so of course, we share a very close bond, but there's nothing more to it," she said, adding, "Shalin and I share a close friendship, and I value him deeply. But that's all there is to it."Later in the episode, Karan Veer Mehra revealed that Shalin was always on a video call with Eisha while they were shooting for Khatron Ke Khiladi. However, Eisha denied all claims. She worked with Shalin Bhanot in the supernatural thriller show, Bekaboo, which went off air earlier this year. Meanwhile, Shalin Bhanot was a participant in Bigg Boss 16, which aired two years ago.

Kareena Kapoor Captures Adorable Moments Of Taimur And Jeh Skiing During New Year Vacation



he Pataudi family—Kareena Kapoor, Saif Ali Khan, and their sons, Taimur and Jeh—are soaking up the winter vibes abroad during their New Year getaway. Kareena recently made fans' weekend more delightful by sharing glimpses of her sons enjoying the snowy adventure of skiing. On Sunday, Kareena took to her Instagram stories to share endearing moments from their ski resort vacation. One picture featured Taimur Ali Khan, aka Tim Tim, dressed in his skiing uniform, ready to take on the slopes. Captured from behind, Taimur stood confidently with ski poles in hand, and Kareena lovingly captioned the image, "Mera Beta," accompanied by a red heart emoji.

Another heartwarming picture captured Taimur from the front, basking in the sunlight. Donning a red jacket, neon pants, and perfectly matching helmet and goggles, Taimur looked every bit the little skier. Kareena humorously wrote, "Don't ask me if I ski! I take my sons' pictures (accompanied by a red heart and a laughter emoji), someone needs to (accompanied by a star emoji).'

Jeh, on the other hand, brought his own charm to the vacation with his playful antics. In one picture, he is seen in full skiing gear, lying on the snow with a caption that read, "Meanwhile..." paired with a speak-no-evil and a laughter emoji. In another hilarious snapshot, Jeh is seen lying on the snow again, prompting Kareena to jokingly ask, "Does this count as skiing?"

The family's snowy adventure comes just days after Kareena shared festive pictures from their Christmas celebration.

The album was filled with warmth and joy, showcasing the family unwrapping presents, enjoying treats, and savoring moments by the Christmas tree. One picture of Kareena and Saif, cozily enjoying hot beverages next to a beautifully decorated tree, stood out as a fan favorite.On the professional front, Kareena Kapoor has an exciting year ahead. According to PinkVilla, she has signed on for a film that's being touted as one of the biggest and most ambitious projects in Indian cinema. The movie is expected to go on floors in January 2025 and is slated for a 2026 release. Meanwhile, Saif Ali Khan is gearing up for his role in Race 4, where he will be seen alongside Sidharth Malhotra.